संत समाज के मार्गदर्शन से धर्म.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

ईशा कोप्पिकर ने ट्रोलर्स को... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 140 | गाजियाबाद / रविवार 23 अगस्त 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

7,000 करोड़ के एलपीजी पाइपलाइन नेटवर्क को मंजूरी

● बड़ा प्रोजेक्ट, यूपी-उत्तराखंड समेत 6 राज्यों को होगा फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑयल सेक्टर के रेगुलेटर ने 7,000 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश से लगभग 1,800 किलोमीटर लंबी नई एलपीजी पाइपलाइनों के विकास को मंजूरी दे दी है। इससे देश के कॉमन-कैरियर एलपीजी पाइपलाइन नेटवर्क में लगभग एक-चौथाई का विस्तार होगा। इस पहल का मकसद ईंधन

आपूर्ति को अधिक लचीला बनाना और सड़क परिवहन पर निर्भरता कम करना है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड ने एक बयान में कहा कि उसने तेलंगाना, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, कर्नाटक और गोवा में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण तीन एलपीजी पाइपलाइन परियोजनाओं को मंजूरी दी है। सरकारी कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड द्वारा विकसित की जाने वाली इन परियोजनाओं से पीएनजीआरबी द्वारा अधिकृत कॉमन-कैरियर एलपीजी पाइपलाइन नेटवर्क लगभग 7,700 किलोमीटर से बढ़कर लगभग 9,500 किलोमीटर हो जाएगा। यानी इसमें करीब 23.5 प्रतिशत की वृद्धि होगी। चेर्लापल्ली (तेलंगाना) से नागपुर (महाराष्ट्र) तक 556 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन, झांसी (उत्तर प्रदेश) से सितारगंज (उत्तराखंड) तक 611 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन और शिकारपुर (महाराष्ट्र) से गोवा और हुबली (कर्नाटक) तक 633 किलोमीटर लंबी लाइन को मंजूरी दी गई है।

तमिलनाडु में डीएमके विधायकों का सरकारी कार लेने से इनकार

● उदयनिधि बोले-सरकार कर्ज में, सिर्फ जरूरतमंद एमएलए को दी जाए

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में विधायकों को सरकारी कार देने की योजना को लेकर विधानसभा में शुक्रवार को बहस हुई। विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन ने ऐलान किया कि डीएमके के सभी 59 विधायक सरकार की ओर से दी जाने वाली नई कार नहीं लेंगे। उदयनिधि ने कहा कि जब मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय खुद राज्य की वित्तीय स्थिति और कर्ज की बात कर चुके हैं, तो ऐसे में विधायकों को सरकारी वाहन देने पर अतिरिक्त खर्च नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि विधायकों के चुनावी हलफनामो में दर्ज आर्थिक स्थिति की जांच के बाद जरूरतमंद विधायकों को ही वाहन की सुविधा दी जाए।

सिख परिवारों का राहुल के घर के बाहर प्रदर्शन

● पुतला जलाया, सिख दंगों के दोषी सज्जन को हीरो कहने पर नाराजगी, 2 दिन पहले निधन हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिख नेताओं और 1984 के सिख विरोधी दंगों से प्रभावित परिवारों के सदस्यों ने शनिवार को राहुल गांधी के घर के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए पुतला भी फूंका। उन्होंने कुछ कांग्रेस नेताओं की ओर से पूर्व पार्टी नेता सज्जन कुमार को हीरो और आदर्श बताने वाले बयान पर माफी की मांग की। प्रदर्शनकारी 5, सुनहरी बाग रोड स्थित

राहुल गांधी के घर के बाहर जुटे थे। वहां पुलिस ने भारी बैरिकेडिंग कर रखी थी। सज्जन कुमार 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े एक मामले में दोषी ठहराए गए थे। दिल्ली की तिहाड़ जेल में गुरुवार को 80 साल की उम्र में उनका निधन हो गया था।

सिखों की कांग्रेस से सफाई और माफी की मांग

प्रदर्शन का नेतृत्व दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कलका और महासचिव जगदीप सिंह कहलोन ने किया। डीएसजीएमसी के नेता ने कांग्रेस से साफ करने को कहा कि क्या दंगों से जुड़े मामलों में दोषी ठहराए गए सज्जन कुमार को हीरो माना जा रहा है।

असम में दुनिया की पहली आईवीएफ बछिया का जन्म

● हिमंता बिस्वा सरमा बोले-जय जय गौ माता, दर्ज हुई उपलब्धि

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने एक बड़ी गुड न्यूज साझा की है। सीएम सरमा ने लिखा है कि असम की मूल नस्ल लखीमी की दुनिया की पहली आईवीएफ मादा बछिया का जन्म असम वेटरनरी एंड फिशरी यूनिवर्सिटी में हुआ है। यह बड़ी उपलब्धि हमारे पशुपालन और डेयरी सेक्टर के लिए नए रास्ते खोलती है - इसमें देसी नस्लों को बचाना, बीमारियों पर बेहतर नियंत्रण, दूध उत्पादन बढ़ाना और अंततः किसानों की आय में वृद्धि करना शामिल है। सरमा ने इस उपलब्धि को गर्मजोशी से साझा किया है। उन्होंने लिखा है कि आज असम ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। यह सभ्यता, संस्कृति और सृजन का एक सुंदर संगम है। असम के मुख्यमंत्री ने लिखा है कि इस ऐतिहासिक उपलब्धि के पीछे काम करने वाले सभी पशु-चिकित्सा वैज्ञानिकों और पेशेवरों को मेरी हार्दिक बधाई। उनके काम में असम के डेयरी सेक्टर के लिए एक नए युग की शुरुआत करने की क्षमता है।

एमपी में ई-अटेंडेंस एप पर हाजिरी लगाना बना चुनौती

नेटवर्क के चक्कर में पेड़ों और छतों पर चढ़ रहे टीचर

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के दूर-दराज और ग्रामीण इलाकों के सरकारी स्कूलों में 'ई-अटेंडेंस' एप पर उपस्थिति दर्ज कराना शिक्षकों के लिए मुश्किल भरा काम हो गया है। मोबाइल में नेटवर्क न होने के कारण शिक्षकों को अपनी हाजिरी लगाने के लिए कभी स्कूल की छतों पर तो कभी पेड़ों की डालियों पर चढ़कर सिग्नल तलाशने पड़ रहे हैं। दरअसल, मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूल के टीचरों के लिए ई-अटेंडेंस जरूरी कर दिया गया है। यह एप अटेंडेंस लगाने के साथ-साथ सरकारी स्कूलों में ट्रांसपेरेंसी और अकाउंटेबिलिटी भी निर्धारित करते हैं। लेकिन दूर-दराज के इलाकों में मोबाइल नेटवर्क की स्थिति बहुत खराब है। जिसके चलते शिक्षकों को हाजिरी लगाने स्कूल की छत पर जाना पड़ता है या पेड़ की डालियों पर चढ़ना पड़ता है।

सोशल मीडिया पर लोग दे रहे प्रतिक्रिया

इंटरनेट पर शिक्षकों के इन संघर्षों के वीडियो वायरल होने के बाद जहां एक तरफ लोग इसे हंसमुख चुटकुलों के रूप में देख रहे हैं, वहीं शिक्षक संघों ने डिजिटल बुनियादी ढांचे की कमियों को दूर करने और ऑनलाइन उपस्थिति के व्यावहारिक विकल्प देने की मांग की है। आगर मालवा जिले के बरोद के एक सरकारी स्कूल का ऐसा ही एक वीडियो क्लिप सामने आया है, जिसमें एक गणित शिक्षक हवा में ही हाजिरी लगाते नजर रख रहे हैं।

70 तक पहुंची शक्कर, विपक्ष-सरकार में टक्कर

● खड़गे हमलावर, बोले-ये कैसा आत्मनिर्भर भारत ● सरकार का बयान-एथेनॉल बनाने से नहीं बढ़े दाम ● तीन महीने में 40 फीसदी ज्यादा महंगी हुई मिठास

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को चीनी की बढ़ती कीमतों और स्टॉक पर सरकार से 3 सवाल किए। उन्होंने पूछा कि ये कैसा आत्मनिर्भर भारत है, जहां विदेश से चीनी आयात की जा रही है और दूसरी तरफ गन्ने को पेट्रोल में मिलाने के लिए एथेनॉल में झोंका जा रहा है। हालांकि, केंद्र सरकार ने शुक्रवार को चीनी की बढ़ती कीमतों के लिए एथेनॉल उत्पादन को जिम्मेदार मानने से इनकार किया था। देश के कई शहरों में चीनी की कीमत 70 रुपए किलो तक पहुंच गई है। पिछले 3 महीने में इसके दाम करीब 40 फीसदी यानी 19 प्रति किलो तक बढ़े हैं। कीमत कम करने के लिए केंद्र ने 31 अक्टूबर तक 10 लाख टन रॉ शुगर बिना ड्यूटी के आयात करने की मंजूरी दी है।

एथेनॉल के लिए कम चीनी इस्तेमाल हो रही

खाद्य सचिव के मुताबिक, अब देश में बनने वाले एथेनॉल का करीब एक-चौथाई हिस्सा ही शुगर से आता है, जबकि बाकी मुख्य रूप से मक्का जैसे अनाज से बनता है। एथेनॉल के लिए डायवर्ट की जाने वाली शुगर की हिस्सेदारी 2022-23 में 12 फीसदी थी, जो 2025-26 में घटकर करीब 9 रह गई है। मौजूदा सीजन में एथेनॉल के लिए 28 लाख टन शुगर डायवर्ट की गई है। हालांकि, ऑल इंडिया डिस्टिलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, पिछले साल 720 करोड़ लीटर एथेनॉल बना।

तीन महीने में गुड़ के दाम भी 24 फीसदी तक बढ़े

चीनी के अलावा तीन महीने में गुड़ 24, चावल 16 और मक्के का आटा 11 फीसदी तक महंगा हुआ है। चीनी के दाम बढ़ने की एक वजह मिलों के पास बचे स्टॉक में कमी भी बताई जा रही है। मिलों के पास शुरुआती स्टॉक भी पिछले साल के मुकाबले कम हुआ है। पिछले सीजन में पेराई शुरू होने से पहले मिलों के पास 47 लाख टन चीनी थी, जो इस बार घटकर 32 लाख टन रह गई है।

युवाओं को साधने के लिए बीजेपी ने बनाई स्पेशल टीम

मिशन जेन जी में नितिन नवीन, स्मृति ईरानी और तावड़े शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की युवा पीढ़ी और जनरेशन जेड के नए वोटरों से सीधा जुड़ाव स्थापित करने के लिए राजनीतिक दलों के बीच खींचतान तेज़ हो गई है। इसी दिशा में कदम बढ़ाते हुए बीजेपी ने अपने विशेष जेन जी आउटरीच प्रोग्राम की रणनीति बनाई है। इस अभियान को जमीन पर उतारने के लिए वरिष्ठ और युवा नेताओं की एक उच्चस्तरीय टीम का गठन किया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के मार्गदर्शन में बनी इस टीम में राष्ट्रीय महासचिव स्मृति ईरानी और विनोद तावड़े, गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी और छत्तीसगढ़ के मंत्री ओपी चौधरी

समेत कई प्रमुख नेताओं को शामिल किया गया है। यह टीम युवाओं की आकांक्षाओं, रोजगार की चिंताओं और उम्मीदों को समझने के लिए सीधे संवाद के कार्यक्रम आयोजित करेगी।

कांग्रेस भी युवाओं को साधने में जुटी

दूसरी तरफ, विपक्ष भी युवाओं को आकर्षित करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी छात्रों की गूंज कार्यक्रम का नेतृत्व करते हुए देश के अलग-अलग शहरों में जाकर युवाओं से संवाद कर रहे हैं। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने नई राष्ट्रीय टीम की पहली औपचारिक बैठक की अध्यक्षता की, जिसकी शुरुआत राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के सभी छह पदों के गायन से हुई।

अब रूस से पांचवीं पीढ़ी के सुखोई-57 ले सकता है भारत

100+सुखोई-30 एमकेआई भी अपग्रेड होंगे, पुतिन के दौरे में डिफेंस डील संभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 12-13 सितंबर को दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने भारत आएंगे। इस दौरान भारत और रूस के बीच रक्षा सहयोग से जुड़े दो बड़े प्रस्तावों पर चर्चा हो सकती है। पहला प्रस्ताव 100 से ज्यादा सुखोई-30 एमकेआई फाइटर जेट को रूसी तकनीकी मदद से अपग्रेड करने का है। इसमें इंजन, इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम और हथियारों की क्षमता बढ़ाई जा सकती है, जिससे विमानों की ताकत और मारक क्षमता बढ़ेगी। फिलहाल भारत 63 हजार करोड़ रुपए में 84 सुखोई-30 एमकेआई को 'सुपर सुखोई' बना रहा है।

रूसी एक्सपर्ट्स की टीम एचएएल का दौरा किया

रक्षा सूत्रों के मुताबिक, ऑपरेशन सिंदूर में अहम भूमिका निभाने वाले सुखोई-30 एमकेआई के अपग्रेड को लेकर रूसी एक्सपर्ट्स की टीम एचएएल की नासिक यूनिट का दौरा कर चुकी है। इस अपग्रेड के लिए भारत और रूस के बीच अलग समझौता होना है। भारत-रूस पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान पर पहले भी साथ काम कर चुके हैं। दोनों देशों ने 2007 में संयुक्त रूप से ऐसा फाइटर विकसित करने की परियोजना शुरू की थी, लेकिन भारत 2018 में।

भारत का अपना 5वीं पीढ़ी का फाइटर 2032 तक

भारत अपना पांचवीं पीढ़ी का फाइटर खुद बना रहा है, पर 2032 तक यह विकसित हो सकता है। इसी अंतराल ने सुखोई-57 जैसे विकल्प को जरूरी बनाया है। दूसरी ओर चीन स्टेल्थ फाइटर विकसित कर चुका है और पाकिस्तान को भी ऐसा विमान दे रहा है। इसलिए भी पांचवीं पीढ़ी का फाइटर जेट हमारे लिए जरूरी हो गया है।

सर्दी-जुकाम की दो दवाइयों का कॉम्बीनेशन बच्चों के लिए बैन

4 साल से छोटे बच्चों को खतरा, पैकेट पर वार्निंग लिखना जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने चार साल से छोटे बच्चों के लिए सर्दी-जुकाम की दवा को लेकर शनिवार को आदेश जारी किया है। सरकार के मुताबिक, क्लोरफेनिरामाइन मैलेट और फिनाइलेफ्राइन हाइड्रोक्लोराइड के कॉम्बिनेशन से बनने वाली सभी दवाएं चार साल से छोटे बच्चों को न दी जाएं। सरकार ने दवा कंपनियों को इन दवाओं के पैकेट, अंदर की जानकारी और प्रचार सामग्री पर साफ चेतावनी लिखने का आदेश दिया है, ताकि छोटे बच्चों को इनके इस्तेमाल से होने वाले संभावित खतरे से बचाया जा सके।

15 अप्रैल को कुछ दवाओं पर चेतावनी लगाई गई थी

15 अप्रैल 2025 की अधिसूचना में कुछ फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन दवाओं पर यह चेतावनी लगाई गई थी। अब इसका दायरा बढ़ा दिया गया है। इन दोनों दवाओं को मिलाकर बनी सभी दवाएं 4 साल से कम उम्र के बच्चों को नहीं दी जा सकेंगी। सरकार ने यह आदेश ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 की धारा 26 के तहत जारी किया है। यह ऐसी दवा होती है, जिसमें दो या उससे ज्यादा सक्रिय दवा घटक एक ही दवा में निश्चित मात्रा में मिलाए जाते हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने दो साल से छोटे बच्चों को कफ सिरप (खांसी और सर्दी की दवाएं) देने पर रोक लगाई थी।

झारखंड की सीमेंट फैक्ट्री में ब्लास्ट, 3 इंजीनियरों की मौत

● यूनिट इन्चार्ज का आरोप-ओवरहीटिंग के चलते हादसा हुआ

रामगढ़ (एजेंसी)। झारखंड के रामगढ़ के बरकाकाना में मां छिन्नमस्तिका सीमेंट एंड इस्पात फैक्ट्री में शुक्रवार देर रात बड़ा हादसा हो गया। फैक्ट्री में काम के दौरान अचानक टरबाइन ब्लास्ट हो गया। धमाका इतना जोरदार था कि प्लांट में भीषण आग लग गई। हादसे में 3 इंजीनियर्स की झुलसने से मौत हो गई। एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। यूनिट इन्चार्ज का कहना है कि ओवरहीटिंग के चलते हादसा हुआ। प्रबंधन से कई बार एसी लगाने का कहा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मृतकों की पहचान रांची के संजीव कुमार केसरी (50), बोकारो के जगेश्वर बिहार के विनीत महतो (25) और गढ़वा निवासी अभिषेक पांडेय (24) के रूप में हुई है। घायल मजदूर तरुण रजवार को हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है।

विनीत महतो, मृतक

संजीव केसरी, मृतक

ग्रामीणों की मांग-मृतकों के आश्रितों को मुआवजा, नौकरी दें

ब्लास्ट और आग लगने की सूचना मिलते ही फैक्ट्री प्रबंधन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस को भी घटना की जानकारी दी गई। इसके बाद रामगढ़ से चार-पांच फायर ब्रिगेड की गाड़ियां बुलाई गईं। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद फैक्ट्री के पावर प्लांट में लगी आग पर काबू पाया। हादसे के बाद फैक्ट्री परिसर में देर रात तक अफरा-तफरी का माहौल रहा। घटना की जानकारी मिलने के बाद शनिवार सुबह स्थानीय ग्रामीण भी बड़ी संख्या में फैक्ट्री के सामने इकट्ठा हुए। ग्रामीणों ने हादसे में मारे गए कर्मचारियों के आश्रितों को उचित मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की मांग की है। ग्रामीण फैक्ट्री गेट जाम करने की तैयारी में हैं। तीनों के शव वापस फैक्ट्री के पास लाया जा रहा है।

यूनिट इन्चार्ज बोले-ओवरहीटिंग के चलते हादसा हुआ

फैक्ट्री के पावर प्लांट यूनिट के इन्चार्ज अनुराग त्रिपाठी ने हादसे के लिए प्रबंधन की लापरवाही को जिम्मेदार बताया है। अनुराग ने आरोप लगाया कि प्लांट में तापमान बढ़ने और ओवरहीटिंग के कारण यह हादसा हुआ। टेम्परेचर कंट्रोल करने के लिए मैनेजमेंट से एसी लगाने का अनुरोध किया था, लेकिन इस दिशा में पर्याप्त कदम नहीं उठाए गए। अगर समय रहते तापमान नियंत्रण की व्यवस्था की जाती तो हादसे को टाला जा सकता था। फैक्ट्री में काम करने वाले अशोक गोराई ने बताया, 'टरबाइन की मदद से बिजली पैदा की जाती है। यहीं से पावर सप्लाई होती है। इस वजह से यहां टेंपरेचर ज्यादा रहता है। जिसे ठंडा रखा जाता है। इसी को देखभाल करने के लिए इंजीनियर होते हैं। लेकिन यहां एसी नहीं था। यह प्रबंधन की लापरवाही है।'

कभी हां..कभी न.. में अटका बांग्लादेशी पीएम का भारत दौरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान भारत आएंगे या नहीं आएंगे इसको लेकर कभी हांज्कभी नज की स्थिति बनी हुई है। वजह ये है कि हाल ही में राष्ट्रपति भवन की तैयारियों के हवाले से मीडिया में खबर आई थी थी तारिक रहमान संभवता भारत आ रहे हैं। जिसकी तैयारियां चल रहीं है। इस तरह की खबरों के बाद ढाका ने बयान जारी कर साफ कर दिया कि फिलहाल ऐसी किसी यात्रा को लेकर किसी योजना को अंतिम रुप नहीं दिया गया है। बता दें कि भारत सरकार ने उन्हें द्विपक्षीय यात्रा के लिए दिल्ली आने का औपचारिक निमंत्रण दिया है, इसके अलावा उन्हें आगामी ब्रिक्स बैठक के लिए भी आमंत्रित किया गया है, हालांकि इन दोनों प्रस्तावों पर अभी आधिकारिक स्वीकृति मिलना बाकी है। दूसरी ओर, राजनीतिक घटनाक्रम के तहत वरिष्ठ नेता मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने बांग्लादेश के नए राष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण कर ली है। बंगभवन के दरबार हॉल में आयोजित एक समारोह में उन्हें पद की शपथ दिलाई गई, जिसमें प्रधानमंत्री तारिक रहमान सहित कई शीर्ष कैबिनेट मंत्री और सैन्य अधिकारी शामिल हुए। इस अवसर पर विभिन्न देशों की ओर से उन्हें बधाई संदेश प्राप्त हुए हैं, जिसमें द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाए रखने की उम्मीद जताई गई है।

तकनीकी खराबी के चलते त्रिची लौटी इंडिगो की सिंगापुर फ्लाइट, 127 यात्री थे सवार

तिरुचिरापल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली से सिंगापुर जा रही इंडिगो की एक फ्लाइट में शुक्रवार को उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी सामने आने के बाद उसे वापस त्रिची एयरपोर्ट लाया गया। विमान में 127 यात्री सवार थे। करीब ढाई घंटे तक आसमान में चक्कर लगाने के बाद विमान ने रात करीब 9 बजे त्रिची इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग की। जानकारी के मुताबिक फ्लाइट ने त्रिची एयरपोर्ट से शाम करीब 6-40 बजे सिंगापुर के लिए उड़ान भरी थी। कुछ समय बाद विमान में तकनीकी समस्या का पता चला। इसके बाद पायलटों ने विमान को वापस एयरपोर्ट लाने का फैसला किया। सुरक्षित वापसी के लिए विमान ने हवा में चक्कर लगाकर ईंधन कम किया। विमान के हवा में रहने के दौरान त्रिची एयरपोर्ट के अधिकारियों का पायलटों से लगातार संपर्क बना रहा। एयरपोर्ट पर विमान की सुरक्षित लैंडिंग के लिए आवश्यक तैयारियां पूरी की गई थीं। इसके बाद विमान को वापस त्रिची लाया गया और बिना किसी अप्रिय घटना के उसकी लैंडिंग कराई गई। त्रिची एयरपोर्ट के डायरेक्टर गोपालकृष्णन ने मीडिया को बताया कि तकनीकी खराबी के कारण फ्लाइट करीब ढाई घंटे तक हवा में चक्कर लगाती रही और रात करीब 9 बजे सुरक्षित रूप से एयरपोर्ट पर उतरी। विमान की सुरक्षित लैंडिंग के बाद 127 यात्रियों को उनके गंतव्य सिंगापुर पहुंचाने की व्यवस्था की जा रही है। यात्रियों को दूसरी फ्लाइट से भेजे जाने की बात कही गई है।

झारखंड की सीमेंट फैक्ट्री में हुए ब्लास्ट में 3 इंजीनियरों की मौत

रामगढ़ (एजेंसी)। झारखंड के रामगढ़ जिले के बरकाकाना स्थित मां छिन्नमस्तिका सीमेंट एंड इस्पात फैक्ट्री में शुक्रवार देर रात बड़ा हादसा हो गया। फैक्ट्री में काम के दौरान अचानक टरबाइन में जोरदार ब्लास्ट हो गया। धमाका इतना तेज था कि पावर प्लांट में भीषण आग लग गई। हादसे में तीन इंजीनियरों की झुलसने से मौत हो गई, जबकि एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हुआ है। फैक्ट्री में ब्लास्ट और आग की सूचना मिलते ही फैक्ट्री प्रबंधन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। इसके बाद रामगढ़ से चार-पांच दमकल वाहनों को घटनास्थल पर भेजा गया। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद पावर प्लांट में लगी आग पर काबू पाया। हादसे के बाद देर रात तक फैक्ट्री परिसर में अफरा-तफरी का माहौल रहा। हादसे में मृत हुए लोगों की पहचान रांची निवासी 50 वर्षीय संजीव कुमार केसरी, बोकारो के जगेश्वर बिहार निवासी 25 वर्षीय विनीत महतो और गढ़वा निवासी 24 वर्षीय अभिषेक पांडेय के रूप में हुई है। घायल मजदूर तरुण रजवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। शनिवार सुबह बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण फैक्ट्री के बाहर पहुंच गए। ग्रामीणों ने मृत कर्मचारियों के आश्रितों को उचित मुआवजा देने और परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की मांग की। ग्रामीणों के फैक्ट्री गेट जाम करने की तैयारी की सूचना से इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है। पावर प्लांट यूनिट के इंचार्ज अनुराग त्रिपाठी ने मीडिया के समक्ष हादसे के लिए प्रबंधन की लापरवाही को जिम्मेदार बताया। उनका आरोप है कि प्लांट में तापमान बढ़ने और ओवरहीटिंग के कारण हादसा हुआ। तापमान नियंत्रित करने के लिए उन्होंने प्रबंधन से कई बार एसी लगाने का अनुरोध किया था, लेकिन इस दिशा में पर्याप्त कदम नहीं उठाए गए। उन्होंने दावा किया कि समय रहते तापमान नियंत्रण की उचित व्यवस्था की जाती तो हादसे को टाला जा सकता था। हालांकि, हादसे की वास्तविक वजह आधिकारिक जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी।

भारत के लिए पाकिस्तान से ज्यादा चीन है चुनौती

पूर्व सेना अध्यक्ष जनरल मनोज नरवणे का दावा

नई दिल्ली, एजेंसी।
पूर्व सेना अध्यक्ष जनरल मनोज नरवणे ने भारत की सुरक्षा चुनौतियों पर एक महत्वपूर्ण परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत करते हुए कहा है कि जहां एक ओर भारत का ध्यान अब तक सीमा पार आतंकवाद के लगातार खतरे के कारण काफी हद तक पाकिस्तान पर केंद्रित रहा है, वहीं दीर्घकाल में चीन कई मोर्चों पर भारत का मुख्य प्रतिस्पर्धी बनने जा रहा है। अपनी नई पुस्तक द क्यूरियस एंड द क्लासिफाइड- अनअर्थिंग मिलिट्री मिथ्स एंड मिस्ट्रीज के विमोचन के अवसर पर नरवणे ने स्पष्ट किया कि भारत को बीजिंग के साथ लंबे समय से चले आ रहे मतभेदों को बातचीत के जरिए सुलझाने के साथ-साथ एक मजबूत सैन्य प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने की आवश्यकता है। उन्होंने चीन के संदर्भ में शत्रु शब्द का उपयोग करने से जानबूझकर परहेज करते हुए प्रतिस्पर्धी शब्द का चुनाव किया, जो दोनों देशों के बीच संबंधों की जटिल प्रकृति को दर्शाता है।

जनरल नरवणे ने स्वीकार किया कि भारत ने पाकिस्तान और चीन, दोनों के साथ ऐतिहासिक युद्ध लड़े हैं और दोनों देशों के साथ सीमाओं पर विवाद आज भी अनसुलझे हैं। इस कारण वे हमेशा भारत के लिए खतरे और चुनौती के रूप में रडार पर बने रहेंगे। हालांकि, उन्होंने इन दोनों पड़ोसी देशों द्वारा प्रस्तुत चुनौतियों के प्रकार में भिन्नता पर जोर दिया। पाकिस्तान से तात्कालिक खतरा मुख्य रूप से उसके द्वारा समर्थित आतंकवाद और लगातार सीमा पार गतिविधियों के कारण है। भारत के पश्चिमी मोर्चे पर सुरक्षा बलों को लगातार हाई अलर्ट पर रहना पड़ता है, और पाकिस्तान की ये हरकतें देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक सतत चुनौती बनी हुई हैं।

इसके विपरीत, नरवणे ने चीन को आने वाले वर्षों में भारत का मुख्य रणनीतिक प्रतिस्पर्धी बताया। उनका मानना है कि यह प्रतिस्पर्धा केवल सैन्य क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि राजनीति, अर्थव्यवस्था, व्यापार और कूटनीति सहित विभिन्न क्षेत्रों में देखी जाएगी। चीन की बढ़ती वैश्विक महत्वाकांक्षाएं और भारत के साथ उसके क्षेत्रीय विवाद, जैसे कि पूर्वी लद्दाख में जून 2020 की गलवान घाटी झड़प, इस बात का प्रमाण हैं कि बीजिंग के साथ एक लंबी और जटिल प्रतिस्पर्धा अपरिहार्य है। हालांकि अब हालात सुधरते दिख रहे हैं, लेकिन ऐसी घटनाओं ने भारत को अपनी सीमाओं पर अत्यधिक सतर्क रहने पर मजबूर किया है। नरवणे, जो 31 दिसंबर 2019 से 30 अप्रैल 2022 तक सेनाध्यक्ष रहे, ने इस बात पर विशेष बल दिया कि भारत को चीन के साथ अपने मतभेदों को सुलझाने के लिए बल प्रयोग के बजाय बातचीत और कूटनीतिक माध्यमों को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा, बल प्रयोग का सहारा लेना हमेशा आखिरी प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके साथ ही, उन्होंने यह भी जोड़ा कि भारत को किसी भी संभावित दुस्साहस को रोकने के लिए अपनी सैन्य तैयारी को अविश्वसनीय रूप से मजबूत और विश्वसनीय बनाए रखना होगा। यह एक दोहरी रणनीति है- कूटनीति के माध्यम से शांति की तलाश करना, लेकिन साथ ही किसी भी आक्रामकता का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार रहना। इस रणनीति के तहत, भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सिंधु जल समझौता रद्द करने जैसे कई कदम भी उठाए हैं, जो क्षेत्रीय सुरक्षा समीकरणों में भारत के दृढ़ रुख को दर्शाते हैं। अंततः, नरवणे का बयान भारत की बदलती भू-राजनीतिक वास्तविकताओं और भविष्य की चुनौतियों के लिए एक रणनीतिक रोडमैप प्रस्तुत करता है, जहां चीन के साथ प्रभावी ढंग से प्रतिस्पर्धा करना और पाकिस्तान से उत्पन्न खतरों को नियंत्रित करना दोनों ही सर्वोच्च प्राथमिकताएं हैं।

तेजस्वी की जनता में साख नहीं, राहुल गांधी की नकल कर रहे : राम कृपाल यादव

पटना (एजेंसी)। बिहार सरकार के मंत्री राम कृपाल यादव ने राजद नेता तेजस्वी यादव के छात्रों के विरोध-प्रदर्शन में शामिल होने पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी की जनता के बीच कोई साख नहीं है और वे राहुल गांधी की नकल कर रहे हैं। बिहार सरकार में मंत्री राम कृपाल ने तंज कसते हुए कहा कि लंबे समय बाद तेजस्वी को छात्रों की चिंता हुई है, वे विदेश यात्रा से लौटकर अचानक मुद्दों पर सक्रिय हुए हैं। यहां तक कि उनकी अपनी पार्टी के भीतर भी असंतोष पनप रहा है और लोग उनके इरादों पर सवाल उठा रहे हैं। राम कृपाल ने राजद पर निशाना साधकर कहा कि उन्होंने 15 साल के शासन में खजाने की लूट की थी, जबकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और सम्राट चौधरी के नेतृत्व में मौजूदा सरकार बेहतर वित्तीय प्रबंधन और प्रशासन से बिहार का विकास कर रही है। उन्होंने राजद के वित्तीय संकट वाले बयान को पाखंड करार दिया। मंत्री राम कृपाल ने समाजवादी पार्टी की घेराबंदी कर कहा कि उसका कोई स्टैंड नहीं है, वह कंफ्यूज्ड है और गिरगिट की तरह रंग बदलती है। सीएम योगी आदित्यनाथ के बयान का समर्थन कर राम कृपाल ने कहा कि योगी ने अगड़े, पिछड़े, दलित और वंचितों के लिए जाति-पाति से ऊपर उठकर काम किया है, जिससे उत्तर प्रदेश का सर्वांगीण विकास हुआ है।

जंतर मंतर पर जातिगत आरक्षण और एससी/एसटी एक्ट के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी।
राजधानी दिल्ली के जंतर मंतर पर गैर-आरक्षित श्रेणी के लोगों और युवाओं ने जाति-आधारित आरक्षण प्रणाली और एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) एक्ट के विरोध में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि सरकारी सहायता, छात्रवृत्ति और फीस में छूट जैसे लाभ जातिगत पहचान के बजाय पूरी तरह से आर्थिक स्थिति के आधार पर मिलाना चाहिए। विरोध प्रदर्शन में शामिल लोगों ने एससी/एसटी एक्ट को रद्द करने की अपील की। उनका तर्क था कि इस एक्ट का लाभ हमेशा समाज के सबसे वंचित वर्गों तक नहीं पहुँचता और इसका दुरुपयोग व्यक्तियों के खिलाफ हो सकता है। उन्होंने केंद्र सरकार से मामले में आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया। इसके साथ ही, प्रदर्शनकारियों ने आरक्षण में क्रीमी-लेयर का नियम लागू करने और दशकों पुराने आरक्षण प्रावधानों की मौजूदा सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों को देखकर समीक्षा करने की भी मांग की। उनका कहना था कि हालात काफी बदल गए हैं और अब आर्थिक पिछड़ेपन को बिना किसी भेदभाव के हल करने पर व्यापक चर्चा होनी चाहिए। यह विरोध प्रदर्शन आरक्षण सुधार आंदोलन के बैनर तले नीट के छात्र हर्ष दुबे के नेतृत्व में आयोजित हुआ। इसमें राजस्थान की जनरल सेना, चाणक्य सेना और करणी सेना जैसे संगठन भी शामिल हुए। प्रदर्शनकारी, जिनमें मुख्य रूप से युवा पुरुष थे, अपने हाथों में भगवा झंडे और गरीबों के लिए आरक्षण, जाति के लिए नहीं जैसे नारे लिखे प्लेकार्ड लिए हुए थे। हालांकि, यह प्रदर्शन बिना अनुमति के किया जा रहा था। दिल्ली पुलिस ने जंतर मंतर पर भारी सुरक्षा बलों की तैनाती की और शाम को कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आयोजकों को रामलीला मैदान में 500 लोगों के साथ शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अनुमति मिली थी, जंतर मंतर पर नहीं।

नितिन नवीन की नई भाजपा टीम के साथ हुई पहली बैठक

आगामी विधानसभा चुनावों की रणनीति पर किया गया मंथन

नई दिल्ली, एजेंसी।
भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने पार्टी की 65 सदस्यीय नई राष्ट्रीय टीम के साथ पहली बैठक की। दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में हुई बैठक में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों, संगठन को बूथ और जमीनी स्तर तक मजबूत करने तथा युवाओं को पार्टी से जोड़ने की रणनीति पर चर्चा हुई। इसके साथ ही केंद्र और राज्य सरकारों की योजनाओं को प्रभावी तरीके से जनता तक पहुंचाने पर भी जोर दिया गया।

बैठक की शुरुआत राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के सभी छह अंतरों के गायन से हुई। नितिन नवीन शनिवार को ही भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों, प्रदेश अध्यक्षों और प्रदेश प्रभारियों के साथ भी बैठक करेंगे। माना जा रहा है कि इसमें चुनावी राज्यों में संगठन की स्थिति, सरकार और संगठन के बीच समन्वय तथा आगामी राजनीतिक अभियानों को लेकर विस्तृत चर्चा होगी।

209 दिन बाद हुआ बड़ा संगठनात्मक फेरबदल

नितिन नवीन के भाजपा अध्यक्ष बनने के 209 दिन बाद 17 अगस्त को 65 सदस्यीय नई राष्ट्रीय टीम की घोषणा की गई थी। टीम में 51 नए चेहरों को शामिल किया गया है। इसमें 13 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और आठ राष्ट्रीय महासचिव हैं। अध्यक्ष पद संभालने के बाद यह नवीन का पहला बड़ा संगठनात्मक फेरबदल माना जा रहा है। नई टीम में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी और राम माधव की वापसी हुई है। वहीं वसुंधरा राजे, बैजयंत पांडा और तीरथ सिंह रावत जैसे अनुभवी नेताओं को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गई हैं। विनोद तावड़े, सुनील बंसल और अनुराग ठाकुर को राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है।

गोयल और संतोष बरकरार

पीयूष गोयल को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष और बीएल संतोष को संगठन महासचिव की जिम्मेदारी पर बरकरार रखा गया है। युवा मोर्चा की कमान हेमांग जोशी को सौंपी गई है। वहीं अमित मालवीय की जगह दीपक म्हास्के को भाजपा आईटी सेल की जिम्मेदारी दी गई है। तेजस्वी सूर्या की जगह हेमांग जोशी की नियुक्ति को भी संगठन में महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है। यह फेरबदल 2015 के बाद भाजपा में सबसे बड़े संगठनात्मक बदलावों में से एक है।

सपा प्रमुख का चवन्नी से रुपया वाला बयान अमर्यादित, अशोभनीय और शर्मनाक

मायावती ने समाजवादी पार्टी पर लगाए कई आरोप, कहा-माफी मांगे अखिलेश

लखनऊ, एजेंसी।
उत्तर प्रदेश की राजनीति में 'चवन्नी-रुपया' का विवाद गरमाया हुआ है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के बयान पर राष्ट्रीय लोक दल और बीजेपी की ओर से प्रतिक्रिया सामने आईं हैं। अब आरएलडी प्रमुख जयंत चौधरी को बहुजन समाजवादी पार्टी की चीफ मायावती का साथ मिल गया है। उन्होंने सपा मुखिया को माफी मांगने को कहा है। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश में राजनीतिक माहौल गरमाता दिख रहा है।

मायावती ने एक्स पर पोस्ट कर समाजवादी पार्टी पर कई आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी प्रमुख द्वारा अपनी पुरानी सहयोगी पार्टी राष्ट्रीय लोकदल व उस पार्टी के नेता, केंद्रीय मंत्री के बारे में चवन्नी से रुपया बनाने वाला बयान देना पूरी तरह से अमर्यादित, अशोभनीय और अति-शर्मनाक है। इस प्रकार की अहंकारी व अलोकतांत्रिक बयानबाज़ी के लिए उन्हें उस पार्टी से व उनके नेता से ही नहीं बल्कि स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह के परिवार और जाट समाज का अपमान करने के लिए तुरंत माफी मांगनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि वैसे देश की राजनीति में सपा का चाल, चरित्र व चेहरा अपने विरोधी पार्टियों के लिए ही नहीं बल्कि अपने सहयोगियों के लिए भी हमेशा से राजनीतिक संकीर्णता व जातिवादी द्वेष आदि से ग्रसित और अविश्वसनीय रहा है, जिस कारण इसका राजनीतिक एवं चुनावी लाभ भी अक्सर मौकों पर बीजेपी उठाती रही है और सेक्युलर ताकतें कमजोर होती रही हैं। मायावती ने कहा कि सपा के अहंकारी रवैये की वजह से पहले भी गठबंधन टूट चुके हैं। उन्होंने 1993 में सपा-बसपा गठबंधन टूटने का जिक्र करते हुए 2 जून 1995 के लखनऊ गेस्ट हाउस कांड को याद कर कहा कि बाद में अखिलेश यादव ने पुरानी गलतियां न दोहराने का भरोसा देकर बसपा के साथ लोकसभा चुनाव में गठबंधन किया, लेकिन चुनाव नतीजे उम्मीद के मुताबिक नहीं आने के बाद सपा का रवैया फिर बदल गया और गठबंधन टूट गया।

उन्होंने कहा कि बसपा अपने सिद्धांतों और डॉ. भीमराव आंबेडकर के आत्मसम्मान की विचारधारा से समझौता नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि सपा गठबंधन के मामले में केवल अपना काम निकालना जानती है और अपना काम निकलते ही फिर यह पार्टी गिरगिट की तरह अपना रंग बदल लेती है और दूसरी पार्टी के बारे में अनाप-शनाप भाषा का इस्तेमाल करती है, जो कि यह सपा का पुराना रवैया है। ऐसे में सर्वसमाज के लोग सपा की संकीर्ण व जातिवादी राजनीति से जरूर सावधान रहें।

उन्होंने यह भी कहा कि इतना ही नहीं सपा की सभी रही सरकारों में दलितों, पिछड़ों, अक़लियतों, अपरकास्ट समाज में से विशेषकर ब्राह्मण समाज का भी काफी शोषण व उत्पीड़न किया गया है और ना ही इनके हितों में कोई भी सकारात्मक कदम उठाए गए हैं, बल्कि इनकी सरकार में वास्तव में केवल गुंडों, बदमाशों, माफियाओं व अन्य अराजक तत्वों का ही भला हुआ है।

हरिद्वार में रविवार को होगा मुलतान ज्योत महोत्सव, गंगा में प्रवाहित की जाएंगी ज्योत

हरिद्वार (शिखर समाचार)। मुलतान ज्योत महोत्सव रविवार को हरिद्वार में श्रद्धा और उल्लास के साथ आयोजित किया जाएगा। महोत्सव में देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। श्रद्धालु हरकी पैड़ी पहुंचकर मां गंगा के साथ दूध की होली खेलेंगे और ज्योत प्रवाहित कर सुख-समृद्धि की कामना करेंगे। आयोजन को लेकर अखिल भारतीय मुलतान संगठन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं।

प्रेस क्लब में पत्रकारों से बातचीत करते हुए संगठन के अध्यक्ष डॉ. महेंद्र नागपाल ने बताया कि महोत्सव को लेकर शहर में विभिन्न स्थानों पर तोरण द्वार सजाए गए हैं। श्रद्धालुओं के स्वागत और धार्मिक आयोजन के लिए भी व्यापक तैयारियां की गई हैं। शहर में जगह-जगह सुंदरकांड का पाठ, हवन और प्रसाद वितरण किया जाएगा। इसके बाद श्रद्धालु भव्य जुलूस के रूप में हरकी पैड़ी पहुंचेंगे, जहां मां गंगा की पूजा-अर्चना के साथ दूध की होली खेली जाएगी और ज्योत अर्पित की जाएंगी। डॉ. महेंद्र नागपाल ने बताया कि महोत्सव में असम के पूर्व राज्यपाल जगदीश मुखी, भाजपा के महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद तरुण चुघ, कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक सहित कई अतिथि और गणमान्य लोग शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि आयोजन का उद्देश्य समाज को धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़ना तथा श्रद्धालुओं को एकजुट करना है। आयोजन को लेकर संगठन के पदाधिकारी तैयारियों में जुटे हुए हैं। पत्रकार वार्ता में ओमप्रकाश अरोड़ा, रतनदेव चावला, सतपाल अरोड़ा सहित संगठन के कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

संत समाज के मार्गदर्शन से धर्म, संस्कृति और राष्ट्र निर्माण को मिलती प्रेरणा : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

हरिद्वार (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को सप्तसरोवर रोड स्थित श्री ब्रह्म निवास आश्रम, भूपतवाला में सतगुरु लाल दास महाराज के 51वें निर्वाण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने सतगुरु लाल दास महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने आध्यात्मिकता को जीवन में प्राथमिकता दी और समाज को सेवा, सत्य तथा भक्ति के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने भक्ति को जन-जन तक पहुंचाने के साथ समाज को जोड़ने का कार्य किया और सेवा को सबसे बड़ा धर्म बताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संत समाज ने सदैव धर्म, संस्कृति और राष्ट्र की रक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। संतों का मार्गदर्शन समाज को धर्म और संस्कृति के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि देश में सनातन धार्मिक संस्कृति के पुनर्जागरण का स्वर्णिम काल चल रहा है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर, काशी और उज्जैन में धार्मिक गलियारों के विकास के साथ उत्तराखंड के धार्मिक स्थलों का भी व्यापक विकास किया जा रहा है। 2013 की आपदा में क्षतिग्रस्त केदारनाथ धाम का पुनर्निर्माण किया गया है तथा मंदिर माला मिशन के तहत विभिन्न मंदिरों का पुनर्निर्माण और सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केदारनाथ और हेमकुंड साहिब के लिए रज्जुमार्ग परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। इससे दुर्गम तीर्थ स्थलों तक पहुंच आसान होगी और बुजुर्ग श्रद्धालुओं को विशेष सुविधा मिलेगी। हरिद्वार में गंगा गलियारा, ऋषिकेश गलियारा और आस्था पथ सहित विभिन्न विकास कार्य भी आगे बढ़ाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि देवभूमि की पवित्रता, मूल स्वरूप और सांस्कृतिक पहचान सुरक्षित रखना सरकार की प्राथमिकता है। अवैध निर्माण तथा संस्कृति और सामाजिक वातावरण को प्रभावित करने वाली गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। इस अवसर पर सतगुरु चेतनानंद ने बताया कि संस्था 57 वर्षों से निरंतर अखंड भोजन सेवा चला रही है और गरीबों की सेवा में सक्रिय है। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक, विनय रोहिल्ला, महामंडलेश्वर स्वामी ललितानंद गिरि, रुड़की की महापौर अनीता अग्रवाल सहित संत समाज, अधिकारी और विभिन्न प्रदेशों से आए श्रद्धालु मौजूद रहे।

निमार्णाधीन कार्यों में विद्युत समस्या, सीडीओ की अध्यक्षता में हुई बैठक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं के निमार्णाधीन कार्यों में विद्युत कार्यों में आ रही समस्याओं के निस्तारण हेतु विद्युत विभाग एवं समस्त कार्यदायी संस्थाओं के अधीन समन्वय बैठक आयोजित की गयी। उक्त समीक्षा बैठक के अन्तर्गत अधिकांशतः कार्य लोक निर्माण विभाग के थे, जिनके सम्बन्ध में अधिशासी अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया कि अधिकांश धनराशि विद्युत विभाग को दिये जाने के उपरान्त भी कार्य पूर्ण नही कराये जा रहे है। मुख्य विकास अधिकारी ने विद्युत विभाग को निर्देश दिये गये कि तुलसी निकेतन पर बनाये गये यूटर्न के कार्य के अधीन विद्युत कार्य को दिनांक 30 सितम्बर 2026 तक, मोदीनगर हापुड़ मार्ग पर चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण के अधीन विद्युत कार्य को 20 अक्टूबर 2026 तक, फरुखनगर सिरौरा मार्ग के चैनेज तक चौड़ीकरण एवं सुदढ़ीकरण के अधीन कार्य को 15 सितम्बर 2026 तक, बन्थला ढिकौली मार्ग से बेहटा हाजीपुर मार्ग पर चौड़ीकरण एवं सुदृढीकरण के अधीन कार्य को 15 सितम्बर 2026 तक, दिल्ली कानपुर मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण के अधीन अवशेष 60 प्रतिशत कार्य को 15 सितम्बर 2026 तक पूर्ण कराया जाये एवं हिण्डन एयरपोर्ट सिविल टर्मिनल से बेटी बचाओं चौक मार्ग का चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण के अधीन कार्य पूर्ण कराये जाने का बार चार्ट उपलब्ध कराया जाये। उपरोक्त के अतिरिक्त गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, नगर निगम गाजियाबाद एवं नगर पालिकाओं के अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि अपने-अपने विभाग के अधीन लम्बित कार्यों की सूची अधीक्षण अभियन्ता विद्युत को उपलब्ध करा दे, जिससे उनका निस्तारण कर कार्य पूर्ण कराये जाये। यह भी निर्देश दिये गये कि उक्त बिन्दुओं का अनुपालन अगली समीक्षा बैठक से पूर्व किया जाये। आज की समीक्षा बैठक में जंग बहादुर यादव अपर नगर आयुक्त, एनके चौधरी मुख्य अभियन्ता नगर निगम, आलोक रंजन मुख्य अभियन्ता जीडीए, रामराजा अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग, निशान्त अधीक्षण अभियन्ता विद्युत, महेश उपाध्याय विद्युत एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहें।

रिटायर्ड डीएसपी के घर हुई लाखों की चोरी का कवि नगर पुलिस ने किया खुलासा, ऑनलाइन एविएटर गेम का कर्ज चुकाने के लिए किराएदार ने रचा था षड्यंत्र

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। कविनगर थाना पुलिस ने घर में चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब 12.50 लाख रुपये कीमत के पीली धातु के आभूषण, करीब 2.32 लाख रुपये कीमत के सफेद धातु के आभूषण और 65,870 रुपये नकद बरामद किए हैं। बरामद सामान की कीमत करीब 15 लाख 47 हजार 870 रुपये है। आरोपी की पहचान 29 वर्षीय विशाल कुमार पुत्र हमेराज सिंह के रूप में हुई है, जो मूल रूप से बिजनौर का रहने वाला है और वर्तमान में कविनगर क्षेत्र के गोविंदपुरम में किराये पर रह रहा था। इसी कड़ी में 27 जुलाई 2026 को गोविंदपुरम निवासी लल्लू सिंह मौर्य ने कविनगर थाने में शिकायत दी थी। शिकायत में बताया गया था कि अज्ञात चोर उनके घर का ताला तोड़कर अंदर घुसा और सोने-चांदी के आभूषण तथा नकदी चोरी कर ले गया। सूचना के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। वारदात के खुलासे के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और स्थानीय स्तर पर जानकारी जुटाई। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने 22 अगस्त को गोविंदपुरम स्थित अड्डे के पास से आरोपी विशाल को गिरफ्तार किया। आरोपी चोरी किए गए आभूषणों को बेचने के लिए निकल रहा था, तभी उसे दबोच लिया गया। पूछताछ में उसने पुलिस को बताया कि वह करीब एक महीने से मकान मालिक के घर में रह रहा था। इसी दौरान उसे घर के कमरों में रखे सामान, आभूषण और नकदी की जानकारी हो गई थी। उसे यह भी पता था कि परिवार 24/25 जुलाई को बरेली जाने वाला है। इसके बाद उसने 24 जुलाई की रात मौका देखकर घर का ताला और अलमारी का लॉकर काट दिया और उसमें रखे आभूषण व नकदी चोरी कर ली। चोरी की वजह आर्थिक परेशानी और ऑनलाइन एविएटर गेम खेलने की लत थी।शुरूआत में उसने गेम खेलकर करीब 15 हजार रुपये जीते थे, जिसके बाद वह लगातार इस खेल में पैसा लगाने लगा। धीरे-धीरे उस पर करीब नौ लाख रुपये का कर्ज हो गया। कर्ज बढ़ने के बाद उसके मन में आत्महत्या का विचार भी आया, लेकिन बाद में उसने चोरी करने की योजना बनाई। चोरी के बाद उसने कुछ पीली धातु के आभूषणों को पिघलाकर टुकड़े बनवा दिए थे। संवाददाता सम्मेलन में डीसीपी धवल जायसवाल ने बताया कि चोरी की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची थी और जांच शुरू कर दी थी। जांच के आधार पर मकान में ही रहने वाले किराएदार को गिरफ्तार किया गया है।

स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति पर जिलाधिकारी ने कसे अफसरों के पेंच, 7,506 क्षय रोगियों को लिया गोद

बिजनौर (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने अधिकारियों को स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ समय से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाली टीमों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं, गंभीर कुपोषित बच्चों की पहचान के लिए चलाए जा रहे संभव अभियान की प्रगति की भी समीक्षा की गई। जननी सुरक्षा कार्यक्रम में 6,511 प्रसव के सापेक्ष 4,918 लाभार्थियों को भुगतान किया जा चुका है, जो 75.33 प्रतिशत है। जिलाधिकारी ने शेष लाभार्थियों का भुगतान शीघ्र सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पोषण पुनर्वास केंद्र में बिस्तर उपयोग दर 75 प्रतिशत रही। टीकाकरण कार्यक्रम के तहत 19 अगस्त तक मानव पैपिलोमा विषाणु टीकाकरण में 77 प्रतिशत तथा अप्रैल से जुलाई तक पूर्ण टीकाकरण में 93 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की गई। जिलाधिकारी ने टीकाकरण की गति और बढ़ाने के निर्देश दिए। क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत वर्ष 2026 में अब तक 8,189 रोगियों का उपचार चल रहा है, जिनमें 7,506 रोगियों को निश्चय मित्र संस्थाओं और अधिकारियों ने गोद लिया है। जिलाधिकारी ने निश्चय मित्र अभियान को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया। मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह ने स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति समय से ऑनलाइन दर्ज करने के निर्देश दिए।

मोदीनगर में मकान का ताला तोड़कर लाखों के जेवरात और 95 हजार रुपये चोरी

मोदीनगर (शिखर समाचार)। नगर की वैशाली एंक्लेव कॉलोनी में शुक्रवार रात बदमाशों ने एक मकान का ताला तोड़कर सोने, चांदी और हीरे के जेवरात के साथ 95 हजार रुपये की नकदी चोरी कर ली। चोरी की वारदात कॉलोनी में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। वैशाली एंक्लेव निवासी जगपाल सिंह अपने परिवार के साथ रहते हैं और एक कॉलेज का संचालन करते हैं। बताया गया कि शुक्रवार रात जगपाल सिंह, उनकी पत्नी और परिवार के अन्य सदस्य एक कमरे में सो रहे थे। इसी दौरान कुछ बदमाश दीवार के रास्ते मकान में दाखिल हो गए। बदमाशों ने दूसरे कमरे का ताला तोड़कर वहां रखे सोने, चांदी और हीरे के जेवरात तथा 95 हजार रुपये की नकदी चोरी कर ली और फरार हो गए। शनिवार सुबह परिवार के सदस्य जागे तो दूसरे कमरे का ताला टूटा देखकर चोरी की जानकारी हुई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में बदमाश वारदात को अंजाम देते दिखाई दे रहे हैं। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान और उनकी गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है। सहायक पुलिस आयुक्त भास्कर वर्मा ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं और जल्द ही चोरी की घटना का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा के विरोध पर भड़का आक्रोश, सोमवार को डीएम को ज्ञापन देगा मोर्चा

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। बिजनौर के त्रिमूर्ति चौक पर रामायण के रचयिता आदि कवि महर्षि वाल्मीकि की स्थापित प्रतिमा का कुछ व्यापारियों द्वारा विरोध किए जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। विरोध के खिलाफ राष्ट्रीय वाल्मीकि क्रांतिकारी मोर्चा सोमवार को जिलाधिकारी जसजीत कौर को ज्ञापन सौंपेगा। मोर्चा की ओर से विरोध करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की जाएगी। राष्ट्रीय वाल्मीकि क्रांतिकारी मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव एवं प्रदेश महामंत्री मनोज वाल्मीकि ने बताया कि ज्ञापन देने की तैयारियों को लेकर पदाधिकारियों और कार्यकताओं से सोमवार को पूर्वाह्न 11 बजे बिजनौर स्थित लोक निर्माण विभाग के अतिथि गृह में एकत्र होने का आह्वान किया गया है। इसके बाद सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपने के लिए रवाना होंगे। मनोज वाल्मीकि ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा का विरोध केवल किसी एक संगठन का विषय नहीं है, बल्कि यह पूरे वाल्मीकि समाज की आस्था, सम्मान और भावनाओं से जुड़ा मामला है। उन्होंने कहा कि समाज के सभी संगठनों, नेताओं, कार्यकताओं और युवाओं को इस मुद्दे पर एकजुट होकर अपनी बात प्रशासन के समक्ष रखनी चाहिए। मोर्चा ने प्रशासन से मामले की गंभीरता से जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। सोमवार को होने वाले ज्ञापन कार्यक्रम को लेकर कार्यकताओं में उत्साह है।

मनोज बाल्मीकि

नए पुलिस अधीक्षक केके बिश्नोई ने संभाला बिजनौर का कार्यभार

बिजनौर (शिखर समाचार)। वर्ष 2018 बैच के भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी केके बिश्नोई ने शनिवार को बिजनौर पहुंचकर पुलिस अधीक्षक का कार्यभार ग्रहण कर लिया। वह संभल जिले से स्थानांतरित होकर बिजनौर आए हैं। कार्यभार संभालने से पहले पुलिस लाइन पहुंचने पर अधिकारियों और पुलिसकर्मियों ने उन्हें सलामी दी। इसके बाद पुलिस अधीक्षक केके बिश्नोई ने पुलिस कार्यालय में जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में उन्होंने जनपद की कानून व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और पुलिस की कार्यप्रणाली की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाए रखने के साथ अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। नए पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों से कहा कि आम लोगों की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए और फरियादियों के साथ संवेदनशीलता से व्यवहार किया जाए। उन्होंने अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने तथा पुलिस गश्त को और मजबूत करने पर भी जोर दिया। कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने जिले की प्रमुख कानून व्यवस्था संबंधी चुनौतियों और पुलिस की प्राथमिकताओं की जानकारी ली। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में नए पुलिस अधीक्षक की कार्यशैली के अनुरूप जिले में अपराध नियंत्रण और पुलिस व्यवस्था को लेकर कई स्तरों पर बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

खोड़ा में दोहरा हत्याकांड : पति ने पत्नी और बड़ी बेटी को उतारा मौत के घाट, दूसरी बेटी पर भी किया हमला

मृतका - सना तबस्सुम

मृतका - बीबी तबस्सुम

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। खोड़ा थाना क्षेत्र के लोकप्रिय विहार में सनसनीखेज वारदात से हड़कंप मच गया। जहाँ पति ने अपनी पत्नी और 15 वर्षीय बेटी की चाकू से हत्या कर दी, जबकि दूसरी 14 वर्षीय बेटी पर भी हमला कर दिया। किशोरी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और अब वह पूरी तरह स्वस्थ है। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया। इसी कड़ी में लोकप्रिय विहार की गली नंबर-3 स्थित एक मकान की चौथी मंजिल पर रात करीब 12 बजे हत्या की सूचना पुलिस को मिली थी। सूचना मिलते ही खोड़ा पुलिस मौके पर पहुंची। घर के अंदर महिला और उसकी 15 वर्षीय बेटी खून से लथपथ हालत में मिली थी। दोनों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। मृतकों की पहचान बीबी तबस्सुम और उनकी 15 वर्षीय बेटी सना तबस्सुम के रूप में हुई है। वहीं वारदात में घायल दूसरी बेटी रूबी तबस्सुम को पुलिस ने तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने घटनास्थल की जांच के बाद दोनों शवों का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मौके से ही पति राजा अंसारी को हिरासत में ले लिया था। आरोपी मूल रूप से औरैया बिहार का रहने वाला है पर गाजीपुर मंडी में मुंशी का काम किया करता है। पुलिस पूछताछ में उसने बताया कि वह आर्थिक तंगी का शिकार चल रहा था। इसी कारण घर में अक्सर विवाद होता था। उसने गुस्से में आकर अपनी पत्नी और बड़ी बेटी की हत्या कर दी। वह छोटी बेटी की भी हत्या करना चाहता था लेकिन उसकी पत्नी ने उसे भगा दिया था। दोनों की हत्या का उसे बहुत अफसोस है। उसने हत्या के लिए चाकू एक दुकान से खरीदा था। दूसरी तरफ घायल किशोरी ने पुलिस को बताया कि उसे यह जानकारी नहीं है कि उसकी मां और बहन की हत्या कैसे और क्यों की गई। पुलिस अब किशोरी के बयान के साथ ही घटनास्थल से मिले साक्ष्यों और आरोपी के बयानों का मिलान कर रही है। सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम सूर्यबली मौर्य ने बताया कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि वारदात के पीछे केवल आर्थिक परेशानी थी या इसके अलावा कोई अन्य पारिवारिक अथवा व्यक्तिगत कारण भी मौजूद था।

विभागीय गणित-विज्ञान मेले में मुरादनगर के विद्यार्थियों ने लहराया परचम

मुरादनगर (शिखर समाचार)। शनिवार को साहिबाबाद स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में आयोजित विभागीय गणित-विज्ञान मेले में लाल बहादुर शास्त्री सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, मुरादनगर के विद्यार्थियों और आचार्यों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट स्थान हासिल किए। विद्यालय के प्रतिभागियों ने विज्ञान और गणित से जुड़ी प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा और रचनात्मक सोच का परिचय दिया।

विज्ञान पत्र वाचन प्रतियोगिता में विद्यालय की आचार्या श्वेता ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। विज्ञान एवं गणित मॉडल प्रदर्शन तथा पत्र वाचन की विभिन्न प्रतियोगिताओं में भी विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कक्षा सात के छात्र वंश ने विज्ञान मॉडल प्रदर्शन में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि इसी कक्षा के अरुण ने द्वितीय स्थान हासिल किया। कक्षा सात की छात्रा इशिता ने पत्र वाचन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। गणित मॉडल प्रदर्शन में कक्षा आठ की छात्रा वंदना ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि सोना ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। विद्यार्थियों की सफलता पर विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल रहा। प्रधानाचार्य संजीव राजपूत, प्रबंध समिति और समस्त विद्यालय परिवार ने सभी विजेता विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों तथा मार्गदर्शक आचार्यों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता उनके परिश्रम, प्रतिभा और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। विद्यालय परिवार ने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

खैर की लकड़ी से भरी होंडा सिटी बरामद, तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार

बिजनौर (शिखर समाचार)। बढ़ापुर क्षेत्र की साहूवाला वन क्षेत्र में वन विभाग की टीम ने शुक्रवार रात कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित खैर की लकड़ी से भरी होंडा सिटी कार बरामद की। वनकर्मियों की घेराबंदी और पीछा करने पर तस्कर कार को हरेवली मार्ग पर ग्राम भगोता के पास छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए फरार हो गए। वन विभाग ने कार और बरामद लकड़ी को कब्जे में लेकर तस्करों की तलाश शुरू कर दी है। वन क्षेत्राधिकारी रामवृक्ष राव ने बताया कि साहूवाला वन क्षेत्र से खैर के पेड़ों के अवैध कटान और लकड़ी की तस्करी की सूचना मिल रही थी। सूचना के आधार पर वन दरोगा अजय कुमार, मोहित कुमार तथा वन रक्षक नितिन कुमार और विक्रम सिंह की टीम गठित कर जंगल में भेजी गई। टीम ने संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हुए एक कार का पीछा शुरू किया। वनकर्मियों को पीछे आता देखकर कार सवार तस्कर हरेवली मार्ग पर ग्राम भगोता के पास वाहन छोड़कर फरार हो गए। वनकर्मियों ने कार की तलाशी ली तो उसकी डिग्गी से खैर की कीमती लकड़ी के कई बोटे बरामद हुए। टीम कार और लकड़ी को कब्जे में लेकर इनायतपुर वन चौकी ले आई। वन विभाग ने बरामद लकड़ी की जांच शुरू कर दी है। वन क्षेत्राधिकारी ने बताया कि अज्ञात तस्करों की पहचान और तलाश की जा रही है। आरोपियों की पहचान होने के बाद उनके खिलाफ वन अधिनियम के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

महात्मा विदुर चिकित्सा महाविद्यालय में अंगदान और देहदान के प्रति किया जागरूक, नुक्कड़ नाटक से दिया संदेश

बजनौर (शिखर समाचार)। महात्मा विदुर स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में शनिवार को अंगदान जीवन संजीवनी अभियान के तहत अंगदान, देहदान, नेत्रदान और त्वचादान को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम प्रधानाचार्य डॉ. चौधरी ललिता के निर्देशन में हुआ। संयोजन डॉ. दिनेश, डॉ. आलोक त्रिपाठी और डॉ. अनुज बर्मन ने किया, जबकि मंच संचालन डॉ. संगीता यादव ने किया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने लोगों से अंगदान और देहदान के लिए आगे आने की अपील की। नेत्र रोग विभागाध्यक्ष डॉ. अनुज बर्मन ने कहा कि किसी व्यक्ति के जीवन में रोशनी लाना महादान से कम नहीं है। उन्होंने लोगों से नेत्रदान का संकल्प लेने का आह्वान किया। शरीर रचना विभाग के डॉ. विदित दीक्षित ने कहा कि मानव शरीर की संरचना चिकित्सा शिक्षा की पहली सीढ़ी है, इसलिए चिकित्सा विद्यार्थियों के अध्ययन और प्रशिक्षण के लिए देहदान अत्यंत महत्वपूर्ण है।

प्रधानाचार्य डॉ. चौधरी ललिता ने चिकित्सकों और छात्र-छात्राओं को अंगदान एवं देहदान के प्रति जागरूक होने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि मस्तिष्क मृत घोषित किए जाने की स्थिति में किडनी, यकृत और हृदय जैसे अंग दान किए जा सकते हैं। उन्होंने सामाजिक रूढ़ियों से ऊपर उठकर निर्भीकता से अंगदान और देहदान करने की अपील की। उप-प्रधानाचार्य डॉ. तुहिन वासिष्ठ ने हृदय प्रत्यारोपण के महत्व पर प्रकाश डाला। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सुनील मलिक और उप-चिकित्सा अधीक्षक डॉ. दिनेश गोस्वामी ने भी देहदान को आधुनिक चिकित्सा शिक्षा के लिए आवश्यक बताया। इस अवसर पर एमबीबीएस के छात्र-छात्राओं ने अस्पताल परिसर में नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर लोगों को अंगदान और देहदान के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय एवं अस्पताल का समस्त स्टाफ और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

सिंभावली में सर्व समाज एकता मंच की बैठक, सामाजिक मुद्दों पर हुई चर्चा

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। कस्बा सिंभावली स्थित विनायक होटल में शनिवार को सर्व समाज एकता मंच, हरोड़ा मोड़ सिंभावली की बैठक आयोजित की गई। बैठक में समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही संगठन की आगामी गतिविधियों और सामाजिक सरोकारों को लेकर पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने अपने विचार रखे।

बैठक के दौरान समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों की भूमिका तथा उन्हें सौंपे जाने वाले दायित्वों पर भी चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि समाज में आपसी भाईचारा, सहयोग और एकता को मजबूत करने के लिए सभी वर्गों को मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है। सामाजिक समस्याओं के समाधान के लिए लोगों को जागरूक करने तथा जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए संगठन की भूमिका को प्रभावी बनाने पर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक में मौजूद सदस्यों ने सामाजिक हित से जुड़े विषयों पर एकजुट होकर कार्य करने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि सर्व समाज के सहयोग से ही क्षेत्र में सकारात्मक वातावरण बनाया जा सकता है और सामाजिक समस्याओं का बेहतर समाधान संभव है। बैठक में संगठन की गतिविधियों को आगे बढ़ाने तथा अधिक से अधिक लोगों को मंच से जोड़ने पर भी विचार किया गया। इस अवसर पर मास्टर नरेंद्र सिंह, अल्लाहमैहर, जय भगवान राठी, देवेंद्र प्रधान, अरुण भारद्वाज, संजीव यादव, देवेंद्र शर्मा, भूपेंद्र शर्मा, राजकुमार, हैप्पी, अरविंद नगर, संजय प्रधान सहित संगठन के पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

मंडल स्तरीय माध्यमिक विद्यालयीय जूडो प्रतियोगिता में हापुड़ की टीम प्रथम

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। आरआरके इंटर कॉलेज, सिंभावली, हापुड़ में आयोजित मंडल स्तरीय माध्यमिक विद्यालयीय जूडो प्रतियोगिता का शनिवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। 22 अगस्त को संपन्न हुई प्रतियोगिता में मंडल के विभिन्न जनपदों से आई टीमों के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग कर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विभिन्न मुकाबलों में खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह और खेल भावना के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता के अंतिम परिणाम में हापुड़ जनपद की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि गाजियाबाद की टीम द्वितीय स्थान पर रही। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर आरआरके इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. राजीव कुमार गोहित ने विजयी प्रतिभागियों को शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रधानाचार्य ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले सभी खिलाड़ियों, शिक्षकों और विभिन्न जनपदों से आए प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने खिलाड़ियों को भविष्य में भी इसी प्रकार मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता के दौरान विद्यालय प्रबंधन समिति के चौधरी शीशपाल सिंह, संदीप कुमार नीटू, सरदार राजेंद्र सिंह, मास्टर हरि सिंह, मास्टर ऋषिपाल, मारूफ खां सहित अन्य लोग मौजूद रहे। अंत में राष्ट्रगान के गायन के साथ प्रतियोगिता के समापन की घोषणा की गई।

संक्षिप्त समाचार

2.77 करोड़ की लागत से बन रहे रोडवेज बस अड्डे का 56 फीसदी कार्य पूर्ण

कानपुर , एजेंसी। कानपुर देहात। पुखरायां में पुराने जर्जर हो चुके बस स्टेशन को ध्वस्त कर नए सिरे से 2.77 करोड़ की लागत से नए रोडवेज बस अड्डे का निर्माण किया जा रहा है। शुक्रवार को सीडीओ ने बस अड्डे का निरीक्षण कर कार्य प्रगति जानी। परियोजना प्रबंधक ने उन्हें 56 फीसदी काम पूरा होने की जानकारी दी। पुखरायां में परिवहन निगम जर्जर हो चुके बस अड्डे का निर्माण के लिए 210.92 लाख का सीएनडीएस को कार्यदायी संस्था नामित करते हुए अनुबंध किया गया है। मुख्य विकास अधिकारी विधान जायसवाल ने परियोजना प्रबंधक से निर्माण संबंधी जानकारी लेते हुए कार्य की गुणवत्ता की नियमित जांच करने और परियोजना को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए। सीडीओ ने बताया कि परियोजना में अब तक की भौतिक प्रगति 56 प्रतिशत और वित्तीय प्रगति 48.50 प्रतिशत पाई गई है। बस स्टेशन का निर्माण कार्य 15 फरवरी 2026 को शुरू हुआ था। जिसे एक वर्ष में 14 फरवरी 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। शासन से अब तक एक करोड़ की धनराशि प्राप्त हो चुकी है। जिसमें करीब 48.50 लाख रुपये निर्माण कार्य में खर्च किए गए हैं। कहा कि बस अड्डे पर अब तक बोरिंग, मिट्टी भराई, मुख्य भवन की छत ढलाई, प्लास्टर और टॉयलेट ब्लॉक का प्लास्टर का कार्य पूरा हो चुका है। वर्तमान में चाहर दिवारी का निर्माण, फ्रंट फेस, फ्लोरिंग और फिनिशिंग का काम तेजी से चल रहा है। सीडीओ ने कार्यदायी संस्था और परियोजना प्रबंधक को हिदायत दी कि निर्माण कार्य को निर्धारित समय के भीतर पूरा कराया जाए। कहा कि उपयोग की जाने वाली सामग्री की गुणवत्ता में किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाए। जांच में मानक के विपरीत कार्य पाया गया तो संबंधित अधिकारियों व ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मेडिकल कॉलेज में जल्द शुरू होगी कंप्यूटर आधारित पढ़ाई, ई-लाइब्रेरी से मिलेंगे शोधपत्र

कानपुर , एजेंसी। कानपुर देहात। मेडिकल में विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए कंप्यूटर असिस्टेड लर्निंग (सीएएल) लैब और ई-लाइब्रेरी विकसित की जा रही है। इससे मेडिकल छात्रों को पढ़ाई के साथ व्यावहारिक अवधारणाओं को डिजिटल और वर्चुअल माध्यम से समझने का अवसर मिलेगा। मेडिकल कॉलेज अकबरपुर के प्राचार्य डॉ. अंबरीश कुमार गुप्ता ने बताया कि महाविद्यालय परिसर की कंप्यूटर लैब में उपलब्ध आठ कंप्यूटरों को सक्रिय कर सीएएल लैब शुरू की जाएगी। इसमें फार्माकोलॉजी, फिजियोलॉजी समेत विभिन्न विषयों से जुड़े डिजिटल और इंटरैक्टिव सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया जाएगा। इसके माध्यम से विद्यार्थी कंप्यूटर आधारित शिक्षण के साथ वर्चुअल माध्यम से विभिन्न व्यावहारिक अवधारणाओं को आसानी से समझ सकेंगे। इससे पारंपरिक शिक्षण के साथ वैकल्पिक डिजिटल शिक्षण विधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय में आधुनिक ई-लाइब्रेरी की स्थापना भी की जा रही है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों और फैकल्टी को देश-विदेश की महत्वपूर्ण पुस्तकों, शोधपत्रों और अंतरराष्ट्रीय जर्नल्स की डिजिटल सामग्री उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। इससे छात्रों को नवीनतम चिकित्सा शोध और अध्ययन सामग्री तक आसानी से पहुंच मिल सकेगी। ई-लाइब्रेरी के संचालन और विकास की जिम्मेदारी पैथोलॉजी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सोनल अमित को प्रभारी व डॉ. श्वेता को को-नोडल बनाया गया है। दोनों के समन्वय से ई-लाइब्रेरी को व्यवस्थित रूप से विकसित किया जाएगा। प्राचार्य ने बताया कि डिजिटल संसाधनों के बढ़ने से विद्यार्थियों की अध्ययन क्षमता और शोध कार्य को भी गति मिलेगी।

पूर्ति विभाग की टीम ने चीनी गोदामों का खंगाला स्टॉक, जमाखोरी करने वालों पर होगी कार्रवाई

बरेली। चीनी की बढ़ती कीमतों ने लोगों की चिंता बढ़ा रखी है। बरेली में चीनी के दाम 63 रुपये प्रति किलो के पार पहुंच गए। इस बीच जिला पूर्ति विभाग ने जमाखोरी रोकने के लिए अभियान शुरू कर दिया है। विभागीय टीम ने शुक्रवार को कई चीनी गोदामों में स्टॉक की जांच की गई। बरेली में चीनी की बढ़ती कीमतों के बीच जमाखोरी की आशंका पर अंकुश लगाने के लिए शुक्रवार को पूर्ति अधिकारी ने टीम के साथ थोक, फुटकर विक्रेताओं के गोदाम का औचक निरीक्षण किया। स्टॉक रजिस्टर जांचा। चार हजार क्विंटल से अधिक स्टॉक मिलने पर कार्रवाई की चेतावनी दी। जिला पूर्ति अधिकारी मनीष कुमार सिंह के मुताबिक, मुख्य सचिव की अध्यक्षता में 20 अगस्त को हुई वीडियो कॉन्फ्रेंस में व्यापारियों के स्टॉक की सीमा निर्धारण की जानकारी दी गई। जारी आदेश के तहत कोई भी चीनी व्यापारी चार हजार क्विंटल से अधिक चीनी का स्टॉक नहीं रख सकेगा। स्टॉक सीमा से अधिक चीनी मिलने पर संबंधित व्यापारी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। चीनी कारोबारियों के स्टॉक की जांच के निर्देश पर शुक्रवार को पूर्ति निरीक्षक के साथ स्टॉक देखा गया। हालांकि, निर्धारित मात्रा से अधिक चीनी का स्टॉक कहीं भी नहीं मिला। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि चीनी की कोई कमी नहीं है। लोगों से अपील की है कि चीनी की कमी से संबंधित किसी अफवाह पर ध्यान न दें। अनावश्यक खरीदारी कर भंडारण न करें। अफवाह फैलाने वालों पर भी कार्रवाई होगी। चीनी की उपलब्धता, स्टॉक की निगरानी हो रही है। चीनी के बढ़ते भाव के बीच माह भर में ही अन्य खाद्य सामग्री की कीमतों में भी तेजी आई है। धनिया 90 से 180 रुपये प्रति किलो पहुंच गया है। इसके अलावा गुड़ और इससे बनने वाला बूरा जो पिछले माह प्रति किलो 50-55 रुपये पर बिका वह 70 रुपये, खील 80 से 90-95 रुपये प्रति किलो, बादाम 920 रुपये से 1,120 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गया है। श्यामगंज के किराना कारोबारी हार्दिक अरोड़ा ने कहा कि चीनी मिल एथेनॉल उत्पादन बढ़ाने पर फोकस कर रही हैं। उत्पादन घटने की वजह से ही चीनी के दाम बढ़ रहे हैं। अन्य खाद्यान्न के भाव परिवहन व पैकेजिंग लागत में वृद्धि के चलते बढ़ने की बात कही।

सीवर का पानी, नालों से आती दुर्गंध और दूर से झांकता ताज;

विश्व में धूमिल हो रही आगरा की छवि

आगरा, एजेंसी। एक तरफ मुहब्बत की निशानी ताजमहल और इसके आसपास सिल्ट, कचरे और दुर्गंध से भरे खुले नाले। दुनियाभर से ताज की एक झलक पाने के लिए आगरा आने वाले लाखों सैलानी ताजमहल की खूबसूरती पर बदनुमा दाग लगा रहे खुले नालों को देखकर हैरत में पड़ जाते हैं।

सीवर और कतरन से भरे बदबूदार नालों से उठती दुर्गंध न केवल पर्यटकों के अनुभव को खराब करती है बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शहर की छवि भी धूमिल करती है। ताज की छांव में बहते खुले नाले दुनिया के सातवें अजूबे पर धब्बे की तरह हैं। ताजमहल के पूर्वी गेट के प्रवेश द्वार के ठीक सामने ही पाठक प्रेस नाला खुला पड़ा है। क्षेत्र के लोगों ने पहले भी इसे ढकने की मांग की थी लेकिन अनसुना कर दिया गया। पूर्वी गेट पर हाथीखाना के आगे ताज टेनरी के पास यही नाला यमुना में गिर रहा है जहां सीवर और कचरे की मौजूदगी के कारण एनजीटी सफाई के कई बार आदेश जारी कर चुका है।

पूर्वी गेट नाला : आठ फीट तक गहरा और तीन किमी. लंबा ये नाला खुला पड़ा है। दशहरा घाट के पास इस नाले के नजदीक हवेली आगा खां है जहां से सैलानी ताज की तस्वीर लेते हुए इस नाले की गंदगी भी कैद करते हैं।

राजनगर नाला : 12 फीट तक गहरा, ढाई किमी. लंबा ये नाला भी खुला है। सिल्ट, कतरन, प्लास्टिक कचरे से भरे नाले की दीवारें टूट चुकी हैं। हजारों लोग इसके किनारे से निकलते हैं। ढकने से पहले इसकी मरम्मत जरूरी है।

ताजगंज नाला : 1200 मीटर लंबे और करीब सात फीट गहराई वाला यह नाला ताजगंज के चारों कटरों और बाजार के अंदर से निकलता है। हाल में ही कई जगह धंस चुका है और इसके किनारे हजारों लोग रहते हैं। आगरा टूरिज्म डेवलपमेंट फाउंडेशन के अध्यक्ष संदीप अरोड़ा का कहना है कि ताजमहल के पास जितने नाले हैं उन्हें ढकने की जरूरत है। दुर्गंध के साथ कचरे से भरे नाले सैलानियों को विचलित करते हैं। पूर्वी गेट नाले पर पर्यावरण कार्यकर्ता लिसिप्रिया ने वीडियो डाला लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ। होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश चौहान ने कहा कि पर्यटक हमें ताजमहल का जितना अच्छा फीडबैक देते हैं उतना ही खराब शहर की व्यवस्थाओं का। खुले नाले, गंदगी, दुर्गंध देखकर उन्हें निराशा होती है। ये नाले ताजमहल पर दाग हैं।

'अरबों की टैक्स चोरी पर शिकंजा'

इस्पात कंपनियों के निदेशकों के खिलाफ एनबीडब्लू, अब गिरफ्तारी की तलवार

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में मेसर्स रिमझिम इस्पात लिमिटेड व जूही एलॉयज लिमिटेड के पांच निदेशकों के खिलाफ टैक्स चोरी के 12 साल पुराने मामले में स्पेशल सीजेएम सुदेश कुमारी की कोर्ट ने शुक्रवार को गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। हमीरपुर के सुमेरपुर थाना प्रभारी को सभी को 15 सितंबर तक गिरफ्तार कर कोर्ट में हाजिर करने के आदेश दिए हैं। डायरेक्टर जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस ने वर्ष 2014 में हमीरपुर के भरुआ सुमेरपुर स्थित रिमझिम इस्पात की फैक्टरी व कार्यालय में छापा मारकर करीब छह करोड़ 68 लाख रुपये की जीएसटी चोरी पकड़ी थी

जांच के बाद मेसर्स रिमझिम इस्पात लिमिटेड, कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अग्रवाल, जूही एलॉयज लिमिटेड व उसके निदेशक योगेश अग्रवाल के अलावा मुकुल अग्रवाल, कपिल व लक्ष्मीकांत गोयल के खिलाफ कोर्ट में परिवाद दर्ज कराया गया था। कोर्ट ने सभी आरोपियों को तलब कर लिया था। तलबी आदेश के खिलाफ आरोपी हाईकोर्ट गए तो वहां से उन्हें ट्रायल कोर्ट में ही आरोपमुक्ति प्रार्थना पत्र देने के लिए कहा गया।

सभी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

जब आरोपियों ने ट्रायल कोर्ट में आरोप मुक्ति प्रार्थना पत्र दिए, तो कोर्ट ने उन्हें खारिज कर दिया। इस आदेश के खिलाफ आरोपी फिर हाईकोर्ट पहुंचे लेकिन राहत न मिलने पर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। सुप्रीम कोर्ट से भी याचिका खारिज होने के बाद फाइल ट्रायल कोर्ट भेज दी गई। ट्रायल कोर्ट ने आरोपियों को हाजिर होने के आदेश दिए थे, लेकिन हाजिर न होने पर सभी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया गया है।

दहेज हत्या के अनुमान पर हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, कहा- सामान्य आरोप पर्याप्त नहीं; तीन आरोपियों की सजा रद्द

लखनऊ, एजेंसी। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने दहेज हत्या के मामलों में महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि भारतीय दंड संहिता की धारा 304-बी के तहत दहेज हत्या का अनुमान तभी लागू हो सकता है, जब अभियोजन यह साबित करे कि महिला की मौत से ठीक पहले उसे दहेज की मांग को लेकर क्रूरता या उत्पीड़न का सामना करना पड़ा था। केवल दहेज उत्पीड़न का सामान्य आरोप पर्याप्त नहीं है। इस आधार पर कोर्ट ने करीब 30 वर्ष पुराने मामले में तीन आरोपियों की सजा रद कर उन्हें बरी कर दिया।

न्यायमूर्ति मनोज बजाज ने शिव नारायण उर्फ सूर्य नारायण, जय नारायण और पटेश्वर की अपील स्वीकार करते हुए फैजाबाद(अब अयोध्या) के अपर सत्र न्यायाधीश-द्वितीय द्वारा 30 अप्रैल 1996 को सुनाई गई दोषसिद्धि और 13 मई 1996 को सुनाई गई सजा निरस्त कर दी।

कुएं से बरामद हुआ

ट्रायल कोर्ट ने तीनों को धारा 498-ए, 304-बी, 201 और 120-बी आइपीसी के तहत दोषी ठहराया था। मामला उर्मिला की वर्ष 1991 में हुई मौत से जुड़ा था। अभियोजन के अनुसार 19/20 सितंबर 1991 की रात उर्मिला लापता हुई थी। 21 सितंबर को उसका शव ससुराल के पास स्थित कुएं से बरामद हुआ। आरोप लगाया गया था कि दहेज के लिए प्रताड़ित करने के बाद उसकी हत्या कर शव कुएं में फेंक दिया गया।

हाईकोर्ट ने पाया कि शव बरामद होने के समय मृतका के पिता और अन्य करीबी रिश्तेदारों ने कुएं में डूबने की आशंका जताई थी। उस समय हत्या या दहेज हत्या का आरोप नहीं लगाया गया था। घटना के 12 दिन बाद दो अक्टूबर 1991 को एफआइआर दर्ज की गई, लेकिन इस देरी का पर्याप्त स्पष्टीकरण अभियोजन नहीं दे सका।

ट्रैप कार्रवाई के विरोध में लेखपालों की कलम बंद हड़ताल, शामली में धरना

शामली (शिखर समाचार)। एंटी करप्शन एवं विजिलेंस की कथित अनुचित ट्रैप कार्रवाई के विरोध में उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के आह्वान पर शनिवार को प्रदेशभर के लेखपालों ने एक दिवसीय कलम बंद हड़ताल कर धरना-प्रदर्शन किया। इसी क्रम में शामली तहसील स्थित लेखपाल भवन में भी लेखपालों ने धरना देकर अपनी मांगें उठाईं। इस दौरान प्रदेशभर में आयोजित थाना समाधान दिवस का भी बहिष्कार किया गया। लेखपाल संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रदेशव्यापी विरोध 20 अगस्त को अयोध्या की सोहावल तहसील में लेखपाल उत्कर्ष राज के साथ हुई घटना के विरोध और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर किया गया। संगठन ने वायरल वीडियो, फुटेज और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर प्रकरण की स्वतंत्र एवं उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। संघ के अनुसार घटना के बाद

प्रदेश अध्यक्ष निलेश रंजन राव परमार और प्रदेश महामंत्री राहुल पटेल समेत वरिष्ठ पदाधिकारी मौके पर पहुंचे थे। विभिन्न जिलों से लेखपालों ने भी अयोध्या पहुंचकर समर्थन जताया था। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि लेखपाल शासन और जनता के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं और कठिन परिस्थितियों में कार्य करते हैं। भूमि विवाद, पैमाइश या नियमविरुद्ध कार्य से इनकार करने पर निजी रंजिश के चलते झूठी शिकायत की आशंका रहती है। इसलिए ट्रैप कार्रवाई से पहले शिकायत की सत्यता, शिकायतकर्ता की पृष्ठभूमि और उसके उद्देश्य की गहन जांच होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि संघ भ्रष्टाचार का समर्थन नहीं करता और दोषी कर्मचारी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन झूठी शिकायत या अनुचित प्रक्रिया से निर्दोष कर्मचारी को फंसाना स्वीकार नहीं किया जाएगा। संघ ने सोहावल प्रकरण की स्वतंत्र जांच, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की समीक्षा और गलत कार्रवाई पाए जाने पर संबंधित लेखपाल को न्यायोचित राहत देने की मांग की। धरने में अध्यक्ष यतेन्द्र बालियान, प्रशांत चौहान, राकेश कुमार, विशु कटारिया, संदीप कुमार, रविन्द्र देशवाल, आकाश कुमार आदि मौजूद रहे।

रोडवेज में अब आउटसोर्स नहीं, सीधे अनुबंध पर रखे जाएंगे परिचालक; सीएम और परिवहन मंत्री का जताया आभार

वाराणसी , एजेंसी। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम में अब परिचालकों की भर्ती पूर्व की भांति निगम में सीधे अनुबंध के आधार पर की जाएगी। इस संबंध में शासन के परिवहन विभाग की ओर से शासनादेश जारी कर दिया गया है। नए आदेश के बाद परिचालकों को आउटसोर्स के बजाय सीधे निगम से अनुबंध के आधार पर आबद्ध किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश रोडवेज कर्मचारी संघ लंबे समय से इसकी मांग कर रहा था। संगठन की ओर से महिला परिचालकों की तरह पुरुष परिचालकों को भी आउटसोर्स व्यवस्था से हटाकर पूर्व की भांति सीधे निगम में अनुबंध के आधार पर आबद्ध करने की मांग लगातार उठाई जा रही थी।

संघ का तर्क था कि परिवहन निगम में परिचालकों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। परिचालक यात्रियों से किराये के रूप में निगम की आय सीधे नकद प्राप्त करते हैं और उसे निगम के खजाने में जमा करते हैं। ऐसे में इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी वाले पद पर निगम के प्रति उत्तरदायी कर्मचारी की नियुक्ति होनी चाहिए।

संघ की मांग के बाद अब शासन स्तर से इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है। शासनादेश के अनुसार उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम में परिचालकों की भर्ती पूर्व की व्यवस्था के अनुसार सीधे निगम में अनुबंध के आधार पर की जाएगी। इससे पुरुष

परिचालकों को आउटसोर्स एजेंसी के माध्यम से रखने की व्यवस्था में बदलाव होगा। संघ के महामंत्री भारत भूषण और प्रदेश अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने संगठन की ओर से प्रदेश के मुख्यमंत्री और परिवहन मंत्री का आभार व्यक्त किया।

महिला परिचालकों की तरह पुरुषों को भी सीधे जोड़ने की थी मांग : रोडवेज कर्मचारी संघ का कहना था कि महिला परिचालकों को जिस तरह निगम से सीधे अनुबंध के आधार पर जोड़ा जाता है, उसी तरह पुरुष परिचालकों को भी निगम से सीधे आबद्ध किया जाना चाहिए। संघ ने इस मांग को लेकर लगातार शासन और निगम प्रबंधन के समक्ष अपना पक्ष रखा था। संघ के अनुसार परिचालक निगम के राजस्व से सीधे जुड़े पद पर कार्य करते हैं। रोजाना यात्रियों से किराया वसूलने और निगम के खाते में जमा करने की जिम्मेदारी परिचालकों की होती है।

पौधों से कैसे मिलता है सेहतमंद दूध, सेहत के लिए है वरदान

आगरा, एजेंसी। हर साल 22 अगस्त को विश्व प्लांट मिल्क डे मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य वनस्पति दूध के विकल्पों जैसे बादाम, सोया, ओट्स और नारियल से बने दूध के प्रति जागरूकता फैलाना है। आजकल खानपान में बदलाव और लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों के चलते प्लांट-बेस्ड मिल्क (पौधों से बना दूध) लोगों की पहली पसंद बनता जा रहा है।

चिकित्सकों और आहार विशेषज्ञों के अनुसार, यह दूध न केवल पाचन तंत्र को दुरुस्त रखता है बल्कि कई गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों के लिए भी बेहद फायदेमंद साबित होता है। एसएन मेडिकल कॉलेज के सह प्रभारी अधिकारी फार्मेसी डॉ. रवींद्र राना ने बताया कि जिन लोगों को गाय या भैंस का दूध पीने से पेट में गैस, ब्लोटिंग, दर्द या दस्त की समस्या होती है, उनके लिए प्लांट मिल्क सबसे सुरक्षित विकल्प है। इसमें

लेक्टोज नहीं होता, जिससे यह आसानी से पच जाता है।

डेयरी दूध में सैचुरेटेड फैट और कोलेस्ट्रॉल होता है, जबकि बादाम और ओट्स मिल्क में कोलेस्ट्रॉल शून्य होता है। यह ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने और दिल को स्वस्थ रखने में मदद करता है। उन्होंने बताया कि बादाम और नारियल के दूध में डेयरी मिल्क की तुलना में कैलोरी काफी कम होती है। वजन नियंत्रित करने या घटाने के सफर में यह एक बेहतरीन डाइट विकल्प है।

सोया, ओट्स या बादाम को रातभर पानी में भिगोकर, सुबह पानी के साथ ब्लेंड करके और छानकर आसानी से ताजा प्लांट मिल्क तैयार किया जा सकता है।

---

57 शिक्षकों की नियुक्ति संदिग्ध, निदेशक को भेजी जाएगी सूची; 77 को वेतन भुगतान का आदेश

संदिग्ध नियुक्ति वाले शिक्षकों को मिलेगा अंतिम मौका, जारी होगा नोटिस

वाराणसी , एजेंसी। संस्कृत माध्यमिक विद्यालयों और महाविद्यालयों में नियम विरुद्ध नियुक्तियों की जांच में 57 शिक्षकों-कर्मियों के अभिलेख संदिग्ध मिले हैं। जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट जिलाधिकारी को सौंप दी है। वहीं, 77 शिक्षकों-कर्मियों की नियुक्ति से संबंधित अभिलेख सही पाए गए हैं। इनके वेतन भुगतान का आदेश भी जारी कर दिया गया है। संदिग्ध पाए गए शिक्षकों की सूची निदेशक को भेजकर आगे की कार्रवाई के संबंध में मार्गदर्शन मांगा जाएगा।

जिलाधिकारी के निर्देश पर संस्कृत विद्यालयों में नियुक्तियों और वेतन भुगतान की जांच के लिए चार सदस्यीय समिति गठित की गई थी। समिति ने विद्यालयों से 30 बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी मांगी थी। संबंधित अभिलेखों को प्रबंधक और प्रधानाचार्य की मुहर एवं प्रमाणन के साथ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए थे। जांच के दौरान नियुक्ति संबंधी अभिलेख, सेवा पुस्तिका, शैक्षिक प्रमाणपत्र, वेतन भुगतान का विवरण, उपस्थिति पंजिका सहित अन्य प्रशासनिक दस्तावेजों का परीक्षण किया गया।

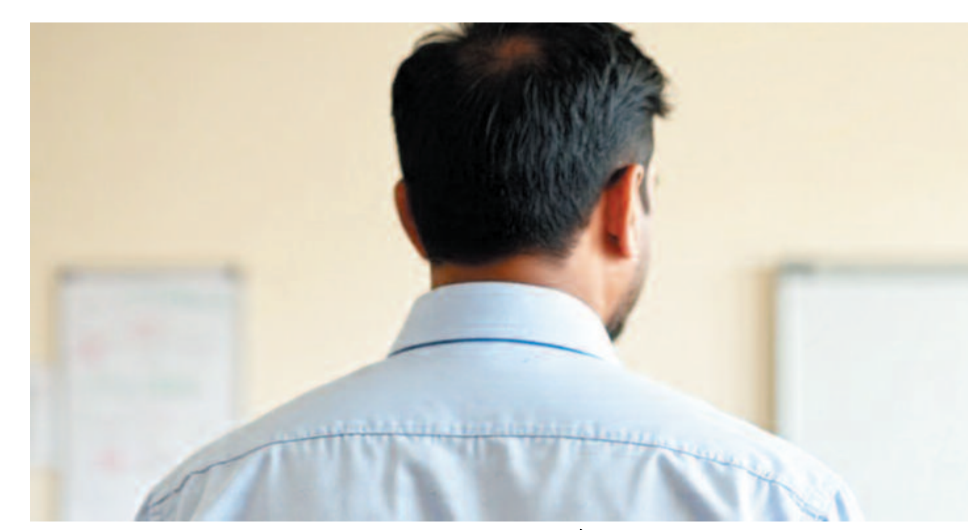

जांच में सामने आया कि 57 शिक्षकों-कर्मियों के अभिलेखों में खामियां हैं। इनमें करीब 50 प्रतिशत ऐसे शिक्षक बताए जा रहे हैं, जिनकी नियुक्ति वर्ष 2011 के बाद हुई है। विभागीय अधिकारियों के अनुसा कुछ शिक्षकों के शैक्षिक और नियुक्ति संबंधी अभिलेखों में भी गड़बड़ियां मिली हैं।

डीआईओएस अजय कुमार ने बताया कि अशासकीय सहायता प्राप्त संस्कृत माध्यमिक विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में नियम विरुद्ध और अनियमित चयन-नियुक्ति की जांच पूरी कर ली गई है। 77 शिक्षकों-कर्मियों का चयन और नियुक्ति उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर सही पाई गई है। इनके वेतन भुगतान के लिए वित्त एवं लेखाधिकारी (माध्यमिक शिक्षा), आजमगढ़ को आदेशित किया जा चुका है।

उन्होंने बताया कि 57 संदिग्ध शिक्षकों-कर्मियों के संबंध में अलग से निर्णय लिया जाना है। उनकी सूची निदेशक को भेजकर आगे की कार्रवाई के लिए मार्गदर्शन मांगा जाएगा। इसके बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

वर्ष 2011 के बाद डीआईओएस को नहीं था नियुक्ति का अधिकार : संस्कृत विद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्तियों को लेकर जांच में नियमों की अनदेखी का मामला सामने आया है। डीआईओएस अजय कुमार ने बताया कि शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) के 19 जनवरी 2011 के आदेश के मुताबिक संस्कृत विद्यालयों में चयन का अधिकार जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) को कभी प्राप्त नहीं रहा। इसके बावजूद नियमों की अनदेखी कर चयन प्रक्रिया पूरी की गई।

संस्कृत माध्यमिक विद्यालयों और महाविद्यालयों में संदिग्ध नियुक्तियों के मामले में 57 शिक्षकों-कर्मियों को विभाग की ओर से अंतिम मौका दिया जाएगा। इन सभी को नोटिस जारी कर नियुक्ति से संबंधित अभिलेख और अपना पक्ष प्रस्तुत करने के लिए कहा जाएगा। जवाब और दस्तावेजों के परीक्षण के बाद ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

संस्कृत विद्यालयों में नियमविरुद्ध नियुक्तियों के मामले में इसी माह 10 शिक्षकों की सेवाएं समाप्त की जा चुकी हैं। प्राचीन धर्म संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, प्रयागपुर भुवना बुजुर्ग में वर्ष 2022 में हुई 10 सहायक अध्यापकों की नियुक्तियां जांच में नियमविरुद्ध पाई गई थीं। मामले में तत्कालीन प्रबंधक पर कूटरचित अभिलेख तैयार करने और तत्कालीन डीआईओएस उमेश कुमार त्रिपाठी की मिलीभगत से नियमों के विपरीत चयन कराने का आरोप है।

आईटीएस मोहन नगर में बिजनेस, तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के भविष्य पर मंथन

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आईटीएस मोहन नगर में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए आयोजित 'ओरिएंटेशन-2026' कार्यक्रम के तहत बिजनेस, तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बदलते स्वरूप पर विशेष परिचर्चा आयोजित की गई। चाणक्य सभागार में आयोजित पैनल चर्चा का विषय 'बिजनेस, टेक्नोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का संगम' रहा। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और उद्योग विशेषज्ञों से करियर को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम का शुभारंभ एम्स नई दिल्ली के मुख्य सूचना अधिकारी डॉ. सुशील कुमार मेहर, कॉन्टेक ग्लोबल के ग्रुप मुख्य सूचना प्रौद्योगिकी अधिकारी भरत आनंद, एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड के महाप्रबंधक अवनीश वत्स, ईवाई पार्थेनॉन-जीडीएस के एसोसिएट मैनेजर अंशुल गुप्ता, आईटीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के उपाध्यक्ष अर्पित चड्ढा, आईटीएस स्नातक परिसर की प्रधानाचार्य डॉ. नैंसी शर्मा और डीन एकेडमिक्स डॉ. विदुषी सिंह ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। अर्पित चड्ढा ने कहा कि बिजनेस, तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब एक-दूसरे से अलग नहीं हैं। एआई भविष्य के व्यवसाय को बदलने वाली महत्वपूर्ण शक्ति है। विद्यार्थियों को इसे केवल तकनीकी उपकरण नहीं, बल्कि

सीखने, नवाचार और समाज की समस्याओं के समाधान के माध्यम के रूप में अपनाना चाहिए।

डॉ. नैंसी शर्मा ने कहा कि बिजनेस की समझ, तकनीकी ज्ञान और एआई का समन्वय आज सफलता की कुंजी है। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को डेटा विश्लेषण, डिजिटल तकनीक, संवाद कौशल, समस्या समाधान, नेतृत्व क्षमता और परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढालने जैसी क्षमताएं विकसित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि एआई रोजगार खत्म करने के बजाय काम करने के तरीके बदल रहा है।

परिचर्चा के दौरान विद्यार्थियों ने रोजगार, इंटर्नशिप, उच्च शिक्षा, तकनीकी कौशल और उद्योग की अपेक्षाओं से जुड़े सवाल पूछे। विशेषज्ञों ने उन्हें व्यावहारिक ज्ञान, परियोजनाओं, अध्ययन-विषय आधारित कार्य और उद्योग से जुड़ने के अवसरों का लाभ उठाने की सलाह दी।

खुर्जा अंडरपास पर सीढ़ियों का निर्माण और स्थानीय लोगों को टोल में राहत की मांग, 24 अगस्त को प्रदर्शन करेगी भाकियू

जेवर (शिखर समाचार)। यमुना एक्सप्रेसवे के खुर्जा अंडरपास के पास सीढ़ियों का निर्माण कराने और जेवर टोल प्लाजा पर क्षेत्रीय लोगों को आधार कार्ड के आधार पर टोल से राहत देने की मांग को लेकर भारतीय किसान यूनियन 24 अगस्त को जेवर तहसील पर प्रदर्शन कर घेराव करेगी। प्रदर्शन की तैयारियों को लेकर शनिवार को गांव चौरोली में यूनियन की बैठक आयोजित की गई, जिसमें आंदोलन की रणनीति पर चर्चा की गई। भारतीय किसान यूनियन नेता चौधरी पवन महेंद्र सिंह चौरौली ने बताया कि यमुना एक्सप्रेसवे के खुर्जा अंडरपास से प्रतिदिन हजारों लोग आवागमन करते हैं। अंडरपास पर लंबे समय से सीढ़ियों के निर्माण की मांग की जा रही है। उन्होंने बताया कि यूनियन की ओर से पूर्व में धरना-प्रदर्शन किए जाने के बाद सीढ़ियों का निर्माण जल्द पूरा कराने का आश्वासन दिया गया था। इसके बाद निर्माण कार्य शुरू भी हुआ, लेकिन कुछ समय बाद कार्य रोक दिया गया। इससे किसानों और स्थानीय लोगों में रोष है। उन्होंने कहा कि यूनियन अब सीढ़ियों का निर्माण जल्द पूरा कराने के साथ जेवर से ग्रेटर नोएडा आने-जाने वाले स्थानीय किसानों, व्यापारियों, छात्र-छात्राओं और आम नागरिकों को आधार कार्ड के आधार पर यमुना एक्सप्रेसवे पर टोल से राहत देने की मांग को लेकर आंदोलन करेगी। उन्होंने बताया कि 24 अगस्त को जेवर तहसील पर प्रदर्शन कर घेराव किया जाएगा। बैठक में कार्यकताओं से अधिक संख्या में पहुंचकर आंदोलन को सफल बनाने का आह्वान किया गया।

रक्षाबंधन से पहले खाद्य विभाग की बड़ी कार्रवाई, 350 किलो पनीर नष्ट कराया

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। रक्षाबंधन पर्व के मद्देनजर जनपदवासियों को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने जांच अभियान तेज कर दिया है। अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने लखनावली, ग्रेटर नोएडा में लगभग 350 किलोग्राम पनीर पकड़ा। प्रथम दृष्टया मानव उपयोग के लिए अनुपयुक्त प्रतीत होने पर पनीर को नष्ट करा दिया गया, जबकि एक नमूना जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है।

सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय सर्वेश मिश्रा ने बताया कि आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तर प्रदेश तथा जिलाधिकारी के निर्देश पर दूध और दूध से बने उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। 21 और 22 अगस्त की रात मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी वीरेंद्र द्विवेदी के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारी मुकेश कुमार और अमर बहादुर सरोज की टीम ने कार्रवाई की। टीम ने लखनावली, ग्रेटर नोएडा में दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न जिलों में पनीर की आपूर्ति करने वाली महगोरा, अलीगढ़ स्थित सुरेंद्र की डेयरी का लगभग 350 किलोग्राम पनीर वाहन संख्या यूपी 85 जीटी 2219 से ले जाते हुए पकड़ा।

पनीर प्रथम दृष्टया मिलावटी अथवा मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त प्रतीत होने पर उसका नमूना लेकर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजा गया। शेष पनीर को

लखनावली स्थित सिद्ध बाबा डेयरी में सुरक्षित रखवाया गया था। 22 अगस्त की सुबह ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सहयोग से लगभग 350 किलोग्राम पनीर नष्ट कराया गया। विभाग ने कहा कि आगे भी अभियान जारी रहेगा और खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर उनकी गुणवत्ता की जांच कराई जाएगी।

कड़ी मेहनत और लगन से पढ़ाई करें, सफलता जरूर मिलेगी : जिलाधिकारी आलोक यादव

शामली (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में शनिवार को जिलाधिकारी आलोक यादव ने आरके पीजी कॉलेज पहुंचकर छात्र-छात्राओं से संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों को सफलता के लिए लक्ष्य निर्धारित कर नियमित रूप से मेहनत करने तथा असफलताओं से सीख लेकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि निरंतर अभ्यास, अनुशासन, कड़ी मेहनत और लगन के बल पर कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। संवाद कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने जिलाधिकारी से उनके सिविल सेवा के सफर, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और सफलता की रणनीति को लेकर विभिन्न सवाल पूछे। आलोक यादव ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए नियमित एवं अनुशासित अध्ययन, प्रभावी समय प्रबंधन, विषयवार तैयारी, निरंतर अभ्यास और आत्मविश्वास बेहद जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों से धैर्य और निरंतरता बनाए रखने का आह्वान किया। छात्र-छात्राओं ने शिक्षा और कॉलेज से संबंधित समस्याएं एवं अपनी जिज्ञासाएं भी जिलाधिकारी के समक्ष रखीं। जिलाधिकारी ने उनकी समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया तथा कॉलेज में उपलब्ध सुविधाओं और विद्यार्थियों की जरूरतों की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी में प्रतिभा और आगे बढ़ने की क्षमता है। सही दिशा, सकारात्मक सोच और निरंतर प्रयास से सफलता हासिल की जा सकती है। उन्होंने विद्यार्थियों को समाज कल्याण विभाग के तत्वावधान में आरके इंटर कॉलेज में मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत संचालित निःशुल्क कोचिंग कक्षाओं का लाभ लेने की जानकारी भी दी। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक ऐश्वर्या लक्ष्मी जयसवाल, डॉ. अमित मलिक, प्राचार्य डॉ. मनमोहन कृष्ण जैली, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

गढ़ खादर में बाढ़ प्रभावितों के बीच पहुंचे विधायक और एसडीएम, राहत सामग्री बांटी

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। गढ़ गंगा खादर क्षेत्र के करीब एक दर्जन गांवों के जंगल में गंगा का बाढ़ का पानी पहुंचने से ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। बाढ़ की स्थिति को देखते हुए प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने प्रभावित लोगों की मदद के लिए राहत कार्य तेज कर दिए हैं। शनिवार को क्षेत्रीय विधायक हरेंद्र सिंह तेवतिया और उपजिलाधिकारी गढ़ श्रीराम यादव ने सहयोगियों के साथ बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया और पीड़ित परिवारों को राहत सामग्री वितरित की। विधायक और उपजिलाधिकारी ने प्रभावित गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों से सीधे बातचीत की तथा बाढ़ की स्थिति और उनकी समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने जलभराव वाले क्षेत्रों का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान प्रभावित परिवारों को राशन और

अन्य आवश्यक राहत सामग्री उपलब्ध कराई गई। अधिकारियों ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि प्रशासन की ओर से बाढ़ प्रभावित परिवारों की हरसंभव सहायता की जाएगी और राहत कार्य लगातार जारी रहेगा। ग्रामीणों ने बाढ़ के कारण उत्पन्न समस्याओं से विधायक और उपजिलाधिकारी को अवगत कराया। उन्होंने प्रभावित परिवारों की आवश्यकताओं की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। प्रशासन की ओर से बाढ़ की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। ग्रामीणों से भी सतर्क रहने और किसी भी आपात स्थिति में तत्काल प्रशासन को सूचना देने की अपील की गई है। क्षेत्र में राहत एवं बचाव कार्यों को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां जारी हैं।

हापुड़ में खोआ निर्माण इकाइयों पर छापेमारी, सात क्विंटल मिलावटी खोआ नष्ट

हापुड़ (शिखर समाचार)। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने शनिवार को धौलाना तहसील क्षेत्र के ग्राम लालपुर सोलाना में खोआ निर्माण इकाइयों पर औचक छापेमारी कर बड़ी कार्रवाई की। अभियान के दौरान एक इकाई से सात क्विंटल कथित मिलावटी खोआ बरामद कर मौके पर ही नष्ट कराया गया। इसकी अनुमानित कीमत 1.75 लाख रुपये बताई गई है। कार्रवाई के दौरान विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने भी लिए गए, जिन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय चन्द्र शेखर मिश्र के नेतृत्व में गठित सचल दल ने शाहरुख पुत्र हनीफ की खोआ निर्माण इकाई पर छापा मारकर खोआ के दो नमूने, स्किम्ड मिल्क पाउडर का एक और वनस्पति का एक नमूना लिया। मौके पर 700 किलोग्राम

मिलावटी खोआ मिलने पर उसे जब्त कर नष्ट कराया गया। इसके बाद टीम ने मोमिना पत्नी मोमीन की इकाई से स्किम्ड मिल्क पाउडर और रिफाइंड ऑयल के नमूने लिए। यहां 268 किलोग्राम रिफाइंड ऑयल, जिसकी कीमत 53,600 रुपये तथा 510 किलोग्राम स्किम्ड मिल्क पाउडर, जिसकी कीमत 1,78,500 रुपये बताई गई है, को सीज किया गया। वहीं प्रदीप कुमार सिंह की खोआ निर्माण इकाई से खोआ के दो नमूने लिए गए। विभाग के अनुसार सभी नमूनों को जांच के लिए खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। जांच रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने खोआ और पनीर कारोबारियों को चेतावनी दी है कि निर्माण में वनस्पति, रिफाइंड ऑयल, स्किम्ड मिल्क पाउडर, डिटर्जेंट या किसी रासायनिक पदार्थ का प्रयोग न किया जाए। नियमों का उल्लंघन मिलने पर विक्रेता के साथ संबंधित आपूर्तिकर्ता के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

डिजिटल अरेस्ट की 42 लाख की ठगी में मंदिर समिति का खाता बना माध्यम, दो गिरफ्तार

शामली (शिखर समाचार)। थानाभवन पुलिस ने साइबर ठगी की रकम के लेन-देन में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से आठ लाख रुपये की नकदी बरामद की है। पुलिस के अनुसार साइबर अपराधियों ने डिजिटल अरेस्ट के नाम पर एक व्यक्ति से 42.30 लाख रुपये ठगे थे। ठगी की रकम में से आठ लाख रुपये गांव बाढ़ स्थित श्री संत शिरोमणि रविदास मंदिर समिति के बैंक खाते में पहुंचाए गए थे।

शनिवार को पुलिस लाइन में पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह ने बताया कि साइबर सेल से सीसीआरपी पोर्टल के माध्यम से मिली सूचना के आधार पर भारतीय स्टेट बैंक की हसनपुर लुहारी शाखा से जुड़े संदिग्ध खाते की जांच की गई। जांच में सामने आया कि 29 जुलाई को खाते से चेक के माध्यम से आठ लाख रुपये निकाले गए थे। बैंक अभिलेखों और अन्य साक्ष्यों की जांच में ग्राम बाढ़ निवासी पंकज कुमार, किरोड़ीमल और गौरव कुमार की भूमिका सामने आई। पुलिस ने पंकज कुमार पुत्र ईसम सिंह और किरोड़ीमल पुत्र रतीराम, निवासी ग्राम बाढ़, थाना चरथावल, मुजफ्फरनगर को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में पंकज ने बताया कि वह मंदिर समिति का अध्यक्ष है और खाते की पासबुक व चेकबुक उसके पास रहती थी। 25 और 26 जुलाई को व्हाट्सऐप के जरिए एक अज्ञात व्यक्ति ने उससे संपर्क कर ठगी की रकम मंदिर खाते में मंगाने और हिस्सा देने का लालच दिया। इसके बाद खाते में करीब नौ लाख रुपये आए, जिनमें से आठ लाख रुपये निकाल लिए गए। पुलिस ने पंकज से 6.30 लाख और किरोड़ीमल से 1.70 लाख रुपये बरामद किए। पुलिस के अनुसार मामले में जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है। किरोड़ीमल के पुत्र गौतम से पूछताछ में उसकी साइबर अपराध में संलिप्तता नहीं मिलने पर उसे हिदायत देकर छोड़ दिया गया।

सिंभावली पुलिस से अभद्रता और धक्का-मुक्की का आरोपी गिरफ्तार

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। सिंभावली थाना क्षेत्र में रात्रि गश्त के दौरान पुलिस टीम के साथ अभद्रता और धक्का-मुक्की करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी ने सरकारी कार्य में बाधा डालते हुए पुलिसकर्मियों के साथ अभद्र व्यवहार किया था। शिकायत मिलने के बाद पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर आरोपी की तलाश शुरू की और उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी मोन्टी सांगवान उर्फ मोटू पुत्र योगेश, निवासी ग्राम कुराना, थाना सिंभावली, जनपद हापुड़ है। मामले में थाना सिंभावली पर मुकदमा अपराध संख्या 220/2026 दर्ज किया गया है। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 121(1), 132, 324(3), 352 और 351(3) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद उसके खिलाफ अग्रिम कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए रात्रि गश्त और निगरानी लगातार की जा रही है। पुलिस टीम के साथ अभद्रता या सरकारी कार्य में बाधा डालने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक पिंकू कुमार, उपनिरीक्षक राजवीर सिंह, कांस्टेबल अक्षय कुमार और रिजर्व कांस्टेबल विवेक कुमार शामिल रहे। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी को नियमानुसार न्यायालय के समक्ष पेश करने की प्रक्रिया की जा रही है।

बारावफात पर मेरठ परिक्षेत्र में 1795 पुलिसकर्मी संभालेंगे सुरक्षा व्यवस्था

मेरठ (शिखर समाचार)। बारावफात यानी ईद-मिलाद-उन-नबी के पर्व को शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न कराने के लिए मेरठ परिक्षेत्र में व्यापक पुलिस प्रबंध किए गए हैं। चंद्र दर्शन के अनुसार 26 अगस्त को प्रस्तावित पर्व के दौरान जलसे, जुलूस और मजलिस आयोजित होंगी। सुरक्षा व्यवस्था के लिए परिक्षेत्र के जनपदों में कुल 1795 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। इनमें पांच अपर पुलिस अधीक्षक, 24 क्षेत्राधिकारी, 67 निरीक्षक, 335 उपनिरीक्षक, 474 मुख्य आरक्षी, 535 आरक्षी, 355 होमगार्ड एवं पीआरडी जवान तथा एक कंपनी पीएसी शामिल है।

पुलिस के अनुसार मेरठ परिक्षेत्र में कुल 36 जुलूस और 11 मजलिस प्रस्तावित हैं। इनमें मेरठ में पांच जुलूस और छह मजलिस, बुलंदशहर में 28 जुलूस और तीन मजलिस तथा हापुड़ में तीन जुलूस और दो मजलिस आयोजित होंगे। सुरक्षा की दृष्टि से 34 संवेदनशील स्थल चिन्हित किए गए हैं, जिनमें मेरठ में 10, बुलंदशहर में 22 और हापुड़ में दो स्थल शामिल हैं।

पर्व को लेकर पुलिस ने पीस कमेटी, धर्मगुरुओं, शांति समितियों एवं संभ्रांत लोगों के साथ 113 बैठकें की हैं। विभिन्न विभागों के साथ 113 तथा आयोजकों और

संचालकों के साथ 83 गोष्ठियां आयोजित की जा चुकी हैं। डीआईजी मेरठ परिक्षेत्र कलानिधि नैथानी ने अधिकारियों को जुलूस मार्गों का भौतिक निरीक्षण, नई परंपरा पर रोक, संवेदनशील स्थानों पर पुलिस पिकेट और आवश्यकतानुसार स्थायी मजिस्ट्रेट की तैनाती के निर्देश दिए हैं। जुलूस मार्गों पर तार, पत्थर, ईंट, बोतल जैसी बाधाओं को हटाने, सीसीटीवी और ड्रोन से निगरानी तथा सोशल मीडिया पर अफवाहों और आपत्तिजनक सामग्री पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए हैं। पुलिस बल को हेलमेट और शरीर सुरक्षा कवच से लैस रखने के साथ आतिशबाजी से होने वाली घटनाओं को लेकर विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया है।

पाल-बघेल-धनगर समाज की एकजुटता पर जोर, लखनऊ सम्मेलन में राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने का आह्वान

शामली (शिखर समाचार)। पाल, बघेल और धनगर समाज को संगठित कर सामाजिक एवं राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से लखनऊ में प्रदेश स्तरीय समिति एवं संवाद सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में प्रदेश के करीब 55 जिलों से समाज के प्रतिनिधियों, कांग्रेस पदाधिकारियों, नेताओं और कार्यकताओं ने भाग लिया। शामली जिले से भी दर्जनों प्रतिनिधि सम्मेलन में शामिल हुए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी राजेंद्र पाल ने कहा कि किसी भी समाज की सबसे बड़ी ताकत उसकी एकता होती है। संगठित समाज अपनी समस्याओं और अधिकारों की आवाज मजबूती से उठा सकता है। उन्होंने कहा कि आपसी बिखराव समाज को कमजोर करता है, जबकि एकजुटता और मजबूत संगठन से सामाजिक पहचान और प्रभाव बढ़ता है। उन्होंने कहा

कि पिछड़े, वंचित और कमजोर वर्गों के अधिकारों के लिए राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में कांग्रेस मजबूती से आवाज उठा रही है। आगामी विधानसभा चुनाव में पाल, बघेल और धनगर समाज की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। सम्मेलन के संयोजक एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव तथा ऑल इंडिया धनगर महासभा के राष्ट्रीय सचिव शेखर पाल ने कहा कि समाज की वास्तविक शक्ति संख्या में नहीं, बल्कि एकता और मजबूत संगठन में निहित है। उन्होंने कहा कि आपसी मतभेद भुलाकर एक मंच पर आने से समाज की सामाजिक और राजनीतिक ताकत कई गुना बढ़ सकती है। उन्होंने शिक्षा, रोजगार, सामाजिक न्याय और सम्मान के लिए मजबूत संगठन खड़ा करने की जरूरत बताई। इस अवसर पर प्रतिभा अटल पाल, सुभाष पाल, प्रेम नारायण पाल, संदीप पाल, मोहित पाल, रघुराज पाल, द्वारिका पाल, प्रेमवीर बघेल, दिनेश पाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

दादरी में पुलिस ने दो स्मैक तस्करों को दबोचा, नकदी और बाइक बरामद

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी पुलिस ने सेक्टर म्यू-2 के समीप गश्त के दौरान दो कथित स्मैक तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मादक पदार्थ, 6,470 रुपये की नकदी और एक बाइक बरामद की है। दोनों आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि पुलिस टीम सेक्टर म्यू-2 के समीप गश्त कर रही थी। इसी दौरान बाइक पर सवार दो संदिग्ध आते दिखाई दिए। पुलिस को देखकर दोनों ने बाइक मोड़कर भागने का प्रयास किया, लेकिन तेज गति में बाइक फिसलकर गिर गई। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर दोनों को पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार तलाशी लेने पर आरोपियों के कब्जे से मादक पदार्थ और 6,470 रुपये की नकदी बरामद हुई। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम बाली निवासी ग्राम घोड़ी बछेड़ा तथा आंसू निवासी जीटीवी एंक्लेव, शाहदरा, दिल्ली बताए। पुलिस के मुताबिक पूछताछ के दौरान दोनों ने बताया कि वे मादक पदार्थ को ठिकाने लगाने के लिए ले जा रहे थे और पुलिस को देखकर डर के कारण भागने का प्रयास किया। पुलिस ने बरामद मादक पदार्थ, नकदी और बाइक को कब्जे में लेकर दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर मादक पदार्थ की आपूर्ति से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाने का प्रयास कर रही है।

संपादकीय

वंदे मातरम पर सियासत नहीं, राष्ट्रीय चेतना की गरिमा जरूरी

वंदे मातरम को लेकर देश की राजनीति एक बार फिर तीखी बहस के दौर में पहुंच गई है। 22 अगस्त 2026 को भारतीय जनता पार्टी ने राष्ट्रीय गीत के सम्मान, गरिमा और ऐतिहासिक विरासत की रक्षा को लेकर दस सूत्रीय प्रस्ताव पारित कर कांग्रेस कार्यसमिति के 19 अगस्त के उस निर्णय का विरोध किया, जिसमें कांग्रेस के कार्यक्रमों में वंदे मातरम् के केवल प्रथम दो पदों के गायन की पुरानी व्यवस्था को दोहराया गया है। भाजपा ने इसे राष्ट्रीय चेतना और स्वतंत्रता आंदोलन की विरासत से जुड़ा विषय बताते हुए देशव्यापी जागरूकता अभियान चलाने का भी निर्णय लिया है।

यह विवाद केवल इस बात पर नहीं है कि कोई राजनीतिक दल राष्ट्रीय गीत के कितने पद गाता है। असली प्रश्न यह है कि स्वतंत्रता आंदोलन की स्मृतियों और राष्ट्रीय प्रतीकों को आज की राजनीति किस दृष्टि से देखती है। वंदे मातरम् भारत के स्वतंत्रता संघर्ष में महज एक गीत नहीं था। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की रचना ने उन्नीसवीं सदी के अंतिम वर्षों से ही भारतीयों में मातृभूमि के प्रति भावनात्मक लगाव जगाया और स्वदेशी आंदोलन के दौर में यह प्रतिरोध तथा राष्ट्रीय जागरण का प्रभावशाली स्वर बन गया। संसद के हालिया कानून ने भी इसके राष्ट्रीय महत्व को एक नए कानूनी आयाम से जोड़ा है।

जुलाई 2026 में संसद ने राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम संशोधन विधेयक पारित किया और राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद यह कानून बन चुका है। इसके माध्यम से वंदे मातरम् को राष्ट्रगान जन गण मन के समान वैधानिक संरक्षण दिया गया है। जानबूझकर राष्ट्रीय गीत के गायन को रोकना या उसके गायन में जुटे समूह को बाधित करना अब कानून के दायरे में आता है। इसका अर्थ यह नहीं कि नागरिकों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता समाप्त हो गई, बल्कि यह राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान और सार्वजनिक गरिमा की रक्षा के लिए कानूनी व्यवस्था को मजबूत करता है।

यही वह बिंदु है जहां वर्तमान राजनीतिक बहस को संयम और तथ्य के साथ देखने की आवश्यकता है। कांग्रेस का कहना है कि उसका निर्णय 1937 के ऐतिहासिक संदर्भ से जुड़ा है और उसने प्रथम दो पदों को इसलिए चुना था क्योंकि बाद के पदों की धार्मिक भाषा को लेकर उस समय कुछ समुदायों में आपत्तियां थीं। इतिहास में यह तथ्य मौजूद है कि राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान कांग्रेस ने व्यापक सामाजिक स्वीकार्यता और सांप्रदायिक सद्भाव को ध्यान में रखते हुए प्रथम दो पदों के उपयोग को प्राथमिकता दी थी।

दूसरी ओर भाजपा का तर्क है कि 1937 का राजनीतिक निर्णय 1950 के संवैधानिक निर्णयों और 2026 के संसदीय कानून से ऊपर नहीं हो सकता। भाजपा ने अपने प्रस्ताव में कहा है कि राष्ट्रीय गीत को सांप्रदायिक दबाव, राजनीतिक तुष्टीकरण या वोट बैंक की राजनीति के अधीन नहीं किया जाना चाहिए। पार्टी ने यह भी तय किया है कि उसके कार्यकर्ता देशभर में वंदे मातरम् के इतिहास, अर्थ और राष्ट्रीय महत्व को लेकर अभियान चलाएंगे, विशेषकर युवा पीढ़ी को इससे जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। इस विवाद का एक सकारात्मक पहलू यह है कि देश को अपने इतिहास की ओर फिर देखने का अवसर मिल रहा है। राष्ट्रीय प्रतीकों का महत्व तभी कायम रहता है जब नई पीढ़ी उनके पीछे की कहानी समझे। दुर्भाग्य यह है कि राजनीतिक दल अक्सर इतिहास को अपने अपने वैचारिक चश्मे से प्रस्तुत करते हैं। इससे इतिहास संवाद का विषय बनने के बजाय राजनीतिक हथियार बन जाता है। वंदे मातरम को भी इसी खतरे से बचाने की जरूरत है।

~ मौलिक चिंतन ~

संयुक्त परिवार के लिए जरूरत होती है संवाद की, सम्मान की और मैं से हम की यात्रा की।

© विनय संकोची

शिक्षा के मंदिर में भरोसे का संकटः स्कूलों में छात्राओं से छेड़खानी

डॉ. प्रियंका सौरभ

स्कूल केवल पढ़ाई की जगह नहीं होते। वे बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण, संस्कार, अनुशासन और सुरक्षित भविष्य की नींव रखते हैं। माता-पिता जब अपने बच्चों को विद्यालय भेजते हैं तो उनके मन में यह विश्वास होता है कि शिक्षक उनके बच्चे को ज्ञान देने के साथ-साथ उसकी सुरक्षा और गरिमा का भी ध्यान रखेंगे। लेकिन जब इसी भरोसे की आड़ में किसी शिक्षक द्वारा छात्रा के साथ छेड़खानी, अनुचित व्यवहार या यौन उत्पीड़न की घटना सामने आती है, तो चोट केवल एक बच्ची को नहीं लगती; पूरा शैक्षणिक तंत्र कटघरे में खड़ा हो जाता है।

विद्यालयों में छात्राओं के साथ शिक्षकों द्वारा अनुचित व्यवहार की खबरें समय-समय पर सामने आती रही हैं। हर घटना की प्रकृति और तथ्य अलग हो सकते हैं, इसलिए किसी व्यक्ति को केवल आरोप के आधार पर दोषी ठहराना उचित नहीं है। लेकिन शिकायत सामने आने के बाद उसे दबा देना, बच्ची को चुप कराने की कोशिश करना या संस्थान की प्रतिष्ठा बचाने के लिए मामले को टालना उससे भी अधिक गंभीर समस्या है। किसी भी विद्यालय की प्रतिष्ठा बच्चों की सुरक्षा से बड़ी नहीं हो सकती।

शिक्षक और विद्यार्थी का रिश्ता मूलतः विश्वास पर आधारित होता है। एक शिक्षक के पास ज्ञान के साथ-साथ अधिकार भी होता है। छात्र शिक्षक की बात को स्वाभाविक रूप से महत्व देता है और कई बार उसे अपने माता-पिता के बाद सबसे विश्वसनीय वयस्क मानता है। यही कारण है कि यदि कोई शिक्षक इस विश्वास और अधिकार का दुरुपयोग करता है तो बच्ची के लिए विरोध करना आसान नहीं होता। किशोरावस्था में बच्चे कई बार यह समझ ही नहीं पाते कि किसी वयस्क का व्यवहार सामान्य है या अनुचित। डर, शर्म, सामाजिक दबाव, परीक्षा और भविष्य को लेकर चिंता तथा यह भय कि उनकी बात पर विश्वास किया जाएगा या नहीं–उन्हें शिकायत करने से रोक सकते हैं। इसलिए केवल यह पूछना कि 'बच्ची ने पहले शिकायत क्यों नहीं की?' पर्याप्त नहीं है। असली सवाल यह होना चाहिए कि क्या विद्यालय ने ऐसा सुरक्षित वातावरण बनाया है जिसमें बच्ची बिना डर अपनी बात कह सके?

ऐसे मामलों में सबसे खतरनाक तत्व अक्सर चुप्पी होती है। कई परिवार सामाजिक बदनामी के डर से शिकायत नहीं करना चाहते। कुछ लोग यह सोचकर मामले को दबा देते हैं कि बच्ची की पढ़ाई प्रभावित होगी। विद्यालय प्रशासन भी कभी-कभी संस्थान की छवि खराब होने की चिंता में शिकायत को आंतरिक स्तर पर समाप्त करने की कोशिश कर सकता है। लेकिन ऐसी चुप्पी गलत व्यवहार को बढ़ावा दे सकती है। यदि किसी बच्ची की शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया जाता तो उसे यह संदेश मिल सकता है कि उसकी सुरक्षा से अधिक महत्वपूर्ण संस्थान की प्रतिष्ठा है। यह संदेश किसी भी सभ्य समाज के लिए बेहद चिंताजनक है।

इसलिए अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यालय प्रबंधन को यह समझना होगा कि शिकायत करना बदनामी नहीं, बल्कि सुरक्षा की दिशा में उठाया गया कदम है। आरोप की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोष सिद्ध होने पर कानून तथा संस्थागत नियमों के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। विद्यालय प्रशासन की भूमिका केवल घटना होने के बाद कार्रवाई करने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। सुरक्षा की व्यवस्था पहले से मजबूत होनी चाहिए। शिक्षकों और कर्मचारियों की नियुक्ति के दौरान उचित सत्यापन, स्पष्ट आचार-संहिता, विद्यार्थियों के साथ व्यवहार के नियम तथा शिकायत की सुरक्षित व्यवस्था आवश्यक है।

विद्यालयों में बच्चों को यह बताया जाना चाहिए कि अच्छा और अनुचित स्पर्श क्या होता है, असहज व्यवहार की पहचान कैसे करें और किसी विश्वसनीय वयस्क को इसकी जानकारी कैसे दें। यह शिक्षा केवल छात्राओं के लिए नहीं, बल्कि सभी बच्चों के लिए होनी चाहिए। उन्हें यह भी समझाया जाना चाहिए कि किसी भी अनुचित व्यवहार के लिए वे स्वयं जिम्मेदार नहीं हैं। स्कूलों में ऐसी शिकायत व्यवस्था होनी चाहिए जहां बच्चा बिना भय के अपनी बात रख सके। महिला शिक्षक, प्रशिक्षित काउंसलर या अन्य विश्वसनीय वयस्क की उपलब्धता इस दिशा में महत्वपूर्ण हो सकती है। भारत में बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण देने के लिए POCSO Act, 2012 मौजूद है। 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के साथ यौन अपराधों के मामलों में यह कानून महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रदान करता है। विद्यालयों और उनके कर्मचारियों को इस कानून की मूलभूत जानकारी होना आवश्यक है। किसी गंभीर शिकायत को केवल 'विद्यालय का आंतरिक मामला' मानकर दबा देना उचित नहीं है। मामले की प्रकृति के अनुसार सक्षम अधिकारियों को सूचना और सहयोग देना आवश्यक हो सकता है। कानूनी प्रक्रिया का उद्देश्य केवल आरोपी को दंडित करना नहीं, बल्कि पीड़ित बच्चे की सुरक्षा, गरिमा और अधिकारों की रक्षा करना भी है। समाज में आज भी कई बार ऐसी घटनाओं के बाद सवाल बच्ची के व्यवहार, कपड़े, समय, दोस्ती या सोशल मीडिया गतिविधियों पर उठाए जाते हैं। यह सोच गलत और नुकसानदायक है। किसी बच्ची का पहनावा, उसकी बातचीत या उसका किसी शिक्षक पर विश्वास किसी वयस्क को अनुचित व्यवहार का अधिकार नहीं देता। जिम्मेदारी उस व्यक्ति की है जो अपनी स्थिति, उम्र और अधिकार का दुरुपयोग करता है। बच्चियों को सुरक्षा के नाम पर डराने के बजाय उन्हें आत्मविश्वास देना होगा। उन्हें यह भरोसा मिलना चाहिए कि यदि कोई व्यक्ति उन्हें असहज करता है तो वे बिना शर्म और भय के अपनी बात कह सकती हैं।

अधिकांश शिक्षक पूरी ईमानदारी और समर्पण से बच्चों का भविष्य बनाते हैं। इसलिए कुछ लोगों के कथित या सिद्ध गलत आचरण का दाग पूरे शिक्षक समुदाय पर लगाना उचित नहीं है। लेकिन इसी कारण शिक्षकों के पेशेवर आचरण की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। शिक्षक के पास बच्चों के साथ लगातार संपर्क होता है। इसलिए उसे सीमाओं और पेशेवर मर्यादाओं का विशेष ध्यान रखना चाहिए। व्यक्तिगत संदेश, अनुचित टिप्पणी, अनावश्यक शारीरिक संपर्क या एकांत में बुलाने जैसी स्थितियों को लेकर विद्यालयों में स्पष्ट नियम होने चाहिए। शिक्षक का व्यवहार ऐसा होना चाहिए जिसमें सम्मान, समानता और सुरक्षा की भावना दिखाई दे।

विद्यालय प्रशासन को स्पष्ट संदेश देना चाहिए कि बच्चों के साथ किसी भी प्रकार का यौन या अनुचित व्यवहार स्वीकार्य नहीं है। लेकिन 'जीरो टॉलरेंस' का अर्थ यह नहीं होना चाहिए कि बिना जांच किसी पर कार्रवाई कर दी जाए। इसका सही अर्थ है–हर शिकायत को गंभीरता से लेना, निष्पक्ष प्रक्रिया अपनाना, बच्चे की सुरक्षा सुनिश्चित करना और जांच के निष्कर्ष के आधार पर उचित कार्रवाई करना। शिकायत मिलने पर विद्यालय को आरोपी शिक्षक और छात्रा के बीच ऐसी परिस्थितियों को रोकना चाहिए जिनसे बच्ची पर दबाव पड़े या उसकी सुरक्षा प्रभावित हो। जांच प्रक्रिया को प्रभावित करने, गवाहों को डराने या शिकायत वापस लेने के लिए दबाव बनाने जैसी किसी भी कोशिश को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। अभिभावकों को भी बच्चों के साथ संवाद का वातावरण बनाना होगा। यदि बच्चा किसी शिक्षक या अन्य व्यक्ति के व्यवहार को लेकर असहज महसूस करता है तो उसकी बात बीच में काटने के बजाय ध्यान से सुनना चाहिए।

जिनपिंग की भारत यात्रा- बॉर्डर पर तैनाती और निगरानी बढ़ाने का समय आ गया

संतोष कुमार पाठक

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत आने की तैयारी कर रहे हैं। भारत यात्रा के दौरान चीन के राष्ट्रपति 18वें ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होंगे। जिनपिंग इससे पहले वर्ष 2019 में शिखर वार्ता के लिए भारत आएं थे। चीनी राष्ट्रपति के भारत यात्रा के दौरान जाहिर तौर पर दोनों देशों के बीच शीर्ष स्तर पर भी बातचीत होगी। हाल के दिनों में भारत चीन सीमा पर खासकर अरुणाचल प्रदेश को लेकर जो खबरें आ रही है, उसने पूरे देश को चिंतित कर दिया है। बदले माहौल में अब भारत की कोई भी सरकार सिर्फ शांति और व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने के नाम पर पड़ोसी देश की इस तरह की नापाक हरकतों को ठंडे बस्ते में नहीं डाल सकती है। ऐसे में नई दिल्ली में स्वागत की तैयारियों से भी ज्यादा जरूरी हो जाता है भारत-चीन सीमा पर सैनिकों को पूरे साजो-सामान के साथ 24 घंटे रेडी मोड में रखना। चीन का इतिहास भी यही बताता है कि भारत को अब और ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है।

भारत-चीन संबंधों के बीच सबसे बड़ी विडंबना शीर्ष नेताओं के दौरे के दौरान या दौरे के आसपास ही शुरू होती है। आमतौर पर जब भी किसी दो देशों के बीच शीर्ष स्तर पर यात्रा की कोई योजना बनती है तो दोनों ही देश, इस बात को सुनिश्चित करते हैं कि यात्रा से पहले और यात्रा के दौरान तो कम से कम कहीं कोई तनाव न पैदा हो। लेकिन चीन इसके बिल्कुल उल्टा करता है। चीन का इतिहास यह बताता है कि भारत की तरफ से संबंध सुधारने के लिए जब भी शीर्ष स्तर पर कोई नेता चीन जाता है या फिर भारत के निमंत्रण पर जब भी चीन से कोई शीर्ष नेता भारत आता है तो अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति और राजनयिक शिष्टाचार को पूरी तरह से धत्ता बताते हुए चीन की सेना सीमा पर खुराफात शुरू कर देती है। एक तरफ शीर्ष स्तर पर बातचीत, शांति और व्यापारिक संबंधों के ढोल बज रहे होते हैं तो वहीं दूसरी तरफ चीन की सेना भारत के क्षेत्र में जबरदस्ती घुसपैठ करने और भारतीय सेना से लड़ती-भिड़ती नजर आती है। आपको बता दें कि, चीन की सेना पाकिस्तानी सेना की तरह बेलगाम नहीं है यानी चीन की सेना जो कुछ भी करती है वह राष्ट्रपति की मंजूरी से ही करती है।

वैसे तो शीर्ष स्तर पर यात्राओं के दौरान चीन की इस तरह की हरकतों का लंबा इतिहास रहा है। लेकिन आपके सामने कुछ महत्वपूर्ण घटनाओं को उदाहरण के तौर पर रख देते हैं।

वर्ष 2003 में भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की चीन यात्रा के दौरान ही चीनी सेना की एक टुकड़ी ने अरुणाचल प्रदेश के अपर सुबनसिरी जिले के असफीला इलाके में छअउ पार करके भारतीय सीमा में न केवल घुसपैठ किया था बल्कि भारतीय सैनिकों की एक छोटी सी टुकड़ी से उनके हथियार तक छीन लिए थे। चीनी सेना ने इससे भी बड़ी नापाक हरकत वर्ष 2013 में अपने ही प्रधानमंत्री ली केकियांग के भारत दौरे से पहले की थी। मनमोहन सिंह सरकार के दौरान वर्ष 2013 में चीनी प्रधानमंत्री की भारत यात्रा से पहले ढछअ यानी चीनी सेना पूर्वी लद्दाख (भारतीय क्षेत्र) में 19 किलोमीटर तक न केवल अंदर घुस आई थी बल्कि वहां तंबू लगाकर कब्जा भी कर लिया था। दोनों देशों की सेनाएं आमने-सामने आ गई थी और लगभग 20 दिनों तक यह गतिरोध बना रहा था।

नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद वर्ष 2014 में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत यात्रा पर आएं। जिनपिंग के भारत पहुंचने से महज कुछ घंटे पहले ही चीन की सेना ने लद्दाख में घुसपैठ कर, अवैध तरीके से सड़क बनाना शुरू कर दिया। यहां भी दोनों देशों की सेनाएं लगभग दो सप्ताह तक आमने-सामने खड़ी रहीं। इस तरह के अनगिनत उदाहरण भरे पड़े हैं जब भारत और चीन के शीर्ष नेता बातचीत कर रहे थे या बातचीत करने की तैयारी कर रहे थे, ठीक उसी समय चीन की सेना नापाक हरकतें कर रही थी।

ऐसे में बड़ा सवाल तो यही खड़ा हो रहा है कि क्या चीन सितंबर के महीने में बॉर्डर पर फिर से कोई बड़ी खुराफात करने की योजना तो नहीं बना रहा है ? यह सवाल इसलिए खड़ा हो रहा है क्योंकि भारत में 12-13 सितंबर को 18वां ब्रिक्स सम्मेलन होने जा रहा है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इसमें शामिल होने के लिए भारत आएंगे। चीन के राष्ट्रपति के भी इस सम्मेलन में आने की तैयारियां चल रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत के विदेश मंत्रालय के सूत्र यह बता रहे हैं कि जिनपिंग के दौरे की अभी आधिकारिक तौर पर औपचारिक सूचना भले ही न मिली हो लेकिन एडवांस टीमों के दौरे और बाकी तैयारियों से यह लग रहा है कि वह भारत आ सकते हैं।

अगर ऐसा है तो भारत और चीन की सीमा पर चौकसी को और ज्यादा बढ़ाने का समय आ गया है। बॉर्डर से लगती भारत की हर चौकी पर सेना को पूरी ताकत और साजो-सामान के साथ तैनात करना पड़ेगा। वहां पर संचार के साधन और बिजली की उपलब्धता को हर हाल में सुनिश्चित करने वाली व्यवस्था करनी होगी। रिजर्व फौज को भी तैयार रखना होगा ताकि आपात स्थिति में तुरंत मदद पहुंचाई जा सके। दोनों देशों के बीच सीमा पर हथियार नहीं चलाने का समझौता हो रखा है तो ऐसे में जाहिर तौर पर लड़ने के लिए अलग तरह की तैयारियां तो करनी ही पड़ेगी। इस तरह के हालात में सैन्य साजो-सामान, हथियार, बेहतर संचार के साधन, 24 घंटे बिजली की उपलब्धता, बेहतर सड़क और खाने-पीने के सामानों की भरपूर उपलब्धता के साथ ही बड़ी-बड़ी नुकीले कील लगे डंडे की भी जरूरत पड़ती है। सबसे जरूरी बात यह है कि नई दिल्ली की तरफ से इनके पास स्पष्ट ऑर्डर होना चाहिए कि चीनी सेना की नापाक हरकतों का जवाब कैसे और किस हद तक जाकर देना है।

कश्मीर पर अमेरिकी सुर बदलेः भारत का कद बढ़ा, पाक बेचैन

ललित गर्ग

गोर का बयान इसलिए भारत से एक उपलब्धि से अधिक एक संकेत है-संकेत इस बात का कि जम्मू-कश्मीर को लेकर अंतरराष्ट्रीय विमर्श धीरे-धीरे बदल रहा है। पाकिस्तान के लिए यह चेतावनी है कि केवल पुराने नारों और कूटनीतिक दबाव से वह कश्मीर को विश्व राजनीति के केंद्र में नहीं रख सकता और अमेरिका के लिए यह उसके बदलते हितों के अनुरूप संतुलन साधने की कोशिश है।

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर का 19 अगस्त 2026 को श्रीनगर में दिया गया यह बयान कि जम्मू-कश्मीर 'भारत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा' है, सामान्य कूटनीतिक टिप्पणी मानकर नजरअंदाज करने योग्य नहीं है। यह ऐसे समय आया है जब कश्मीर को लेकर भारत और पाकिस्तान की धारणाओं के बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार नए समीकरण बन रहे हैं। गोर ने जम्मू-कश्मीर की निरन्तर सुधर रही सुरक्षा स्थिति की बात कही और अमेरिकी यात्रा संबंधी परामर्श पर पुनर्विचार के संकेत भी दिए। पाकिस्तान ने इस बयान पर अमेरिका के शीर्ष राजनयिक को तलब कर तीखा विरोध दर्ज कराया। इस पूरे घटनाक्रम को केवल कश्मीर के संदर्भ में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसे भारत-अमेरिका संबंधों में आ रहे व्यापक परिवर्तन, दक्षिण एशिया की बदलती सामरिक संरचना और पाकिस्तान की घटती कूटनीतिक प्रभावशीलता के संदर्भ में समझना अधिक उचित होगा।

अमेरिका की कश्मीर नीति में लंबे समय से एक प्रकार की सावधानी रही है। वाशिंगटन सामान्यतः भारत और पाकिस्तान के बीच संवाद तथा शांतिपूर्ण समाधान की बात करता रहा है। अमेरिकी विदेश विभाग की पूर्व घोषित नीति भी जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति और राजनीतिक-आर्थिक स्थिरता की वापसी का समर्थन करती रही है। इसलिए गोर का श्रीनगर में जाकर जम्मू-कश्मीर को भारत का 'महत्वपूर्ण हिस्सा' कहना निश्चित रूप से भाषा के स्तर पर एक उल्लेखनीय परिवर्तन है। लेकिन इसे अमेरिका की पूरी कश्मीर नीति में तत्काल और औपचारिक परिवर्तन मानना भी जल्दबाजी होगी। किसी राजदूत का बयान और किसी सरकार की औपचारिक नीति में अंतर होता है। फिर भी कूटनीति में शब्दों का अपना महत्व होता है। विशेष रूप से तब, जब वही शब्द उस भूभाग में बोले जाएं जिसे पाकिस्तान दशकों से अंतरराष्ट्रीय विवाद के रूप में प्रस्तुत करता रहा है। इस दृष्टि से गोर का बयान भारत के लिए मनोवैज्ञानिक और कूटनीतिक दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण है। इस बयान का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष जम्मू-कश्मीर की बदलती जमीन से जुड़ा है। गोर ने सुरक्षा व्यवस्था में सुधार का उल्लेख करते हुए यात्रा संबंधी अमेरिकी परामर्श में कमी लाने की संभावना जताई है। इसका अर्थ यह है कि वाशिंगटन अब कश्मीर को केवल सुरक्षा संकट या आतंकवाद की दृष्टि से देखने के बजाय पर्यटन, आर्थिक गतिविधियों और सामान्य जनजीवन की संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में भी देख रहा है। यहीं से भारत-अमेरिका संबंधों की नई रोशनी दिखाई देती है। दोनों देशों के संबंध अब केवल व्यापार या रक्षा तक सीमित नहीं हैं। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव, समुद्री सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, आपूर्ति-श्रृंखला और वैश्विक शक्ति-संतुलन जैसे विषयों ने भारत को अमेरिका के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बना दिया है। हालांकि दोनों देशों के बीच व्यापार और शुल्क जैसे मुद्दों पर मतभेद भी मौजूद हैं, फिर भी व्यापक सामरिक साझेदारी अपनी उपयोगिता बनाए हुए है। हाल में अमेरिकी विदेश मंत्री की भारत यात्रा का उद्देश्य भी तनावों के बीच संबंधों को सुदृढ़ करना और व्यापार तथा ऊर्जा सहयोग को आगे बढ़ाना था।

इसलिए कश्मीर पर अमेरिकी भाषा को भारत-अमेरिका संबंधों के व्यापक पुनर्संतुलन का हिस्सा मानना अधिक तार्किक होगा। अमेरिका के लिए भारत अब केवल दक्षिण एशिया का एक बड़ा देश नहीं, बल्कि एशिया में शक्ति-संतुलन का प्रमुख आधार है। भारत के लिए भी अमेरिका महत्वपूर्ण है, लेकिन भारत ने अपनी विदेश नीति को किसी एक शक्ति के साथ पूर्ण निर्भरता के बजाय रणनीतिक स्वायत्तता पर आधारित रखा है। यही कारण है कि भारत अमेरिका के साथ साझेदारी बढ़ाते हुए रूस, यूरोप, पश्चिम एशिया और अन्य शक्तियों के साथ भी अपने संबंध बनाए रखता है। कश्मीर के संदर्भ में यह घटनाक्रम पाकिस्तान के लिए निश्चित रूप से असहज करने वाला है। इस्लामाबाद ने गोर के बयान को अस्वीकार करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर एक विवादित क्षेत्र है और उसका अंतिम निर्धारण होना बाकी है। पाकिस्तान ने इसे अमेरिका की पूर्व स्थिति से विचलन बताते हुए औपचारिक विरोध दर्ज कराया।

पाकिस्तान की समस्या यह है कि वह कश्मीर को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी विदेश नीति का केंद्रीय विषय बनाए रखना चाहता है, जबकि विश्व राजनीति की प्राथमिकताएं तेजी से बदल रही हैं। आतंकवाद, आर्थिक स्थिरता, चीन का बढ़ता प्रभाव, पश्चिम एशिया का संकट, समुद्री सुरक्षा और वैश्विक आपूर्ति-श्रृंखलाएं आज बड़ी शक्तियों की चिंता के केंद्र में हैं। ऐसे वातावरण में केवल कश्मीर के प्रश्न को बार-बार अंतरराष्ट्रीयकरण करने की पाकिस्तानी कोशिशों की प्रभावशीलता सीमित होती जा रही है। भारत ने दूसरी ओर लगातार यह रेखांकित किया है कि जम्मू-कश्मीर से जुड़े विषय भारत की संप्रभुता और द्विपक्षीय संबंधों के दायरे में आते हैं। गोर का श्रीनगर दौरा स्वयं इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि एक प्रमुख अमेरिकी राजनयिक ने जम्मू-कश्मीर की यात्रा की, वहां के निर्वाचित नेतृत्व से मुलाकात की और क्षेत्र की सुरक्षा तथा आर्थिक संभावनाओं पर सकारात्मक टिप्पणी की। यह पाकिस्तान की उस कोशिश के विपरीत है जिसमें वह कश्मीर को केवल विवाद और अस्थिरता के चश्मे से प्रस्तुत करना चाहता है।

फिर भी भारत को इस बयान से अत्यधिक उत्साहित होकर यह मान लेने से बचना चाहिए कि अमेरिका ने कश्मीर पर अपनी संपूर्ण नीति बदल दी है। अमेरिका की विदेश नीति परिस्थितियों के अनुसार बदलती रहती है और वह भारत तथा पाकिस्तान दोनों के साथ अपने हितों को संतुलित करने की कोशिश करता है। आज भी वाशिंगटन के लिए पाकिस्तान आतंकवाद-रोध, क्षेत्रीय सुरक्षा और अफगानिस्तान सहित कुछ विषयों में उपयोगी साझेदार है। अतः भारत के लिए इस बयान का वास्तविक महत्व किसी औपचारिक अमेरिकी नीति-परिवर्तन से अधिक उस कूटनीतिक वातावरण में है, जिसमें भारत की स्थिति को पहले की तुलना में अधिक गंभीरता से लिया जा रहा है। यहां एक और महत्वपूर्ण बात है। कूटनीति में किसी देश का महत्व केवल इस बात से तय नहीं होता कि कितने देश उसके पक्ष में बयान दे रहे हैं, बल्कि इससे तय होता है कि वैश्विक शक्तियों के हित उसके साथ कितने गहरे जुड़े हैं। आज भारत की आर्थिक क्षमता, विशाल बाजार, तकनीकी सामर्थ्य, लोकतांत्रिक संस्थाएं, युवा शक्ति और सामरिक स्थिति उसे विश्व व्यवस्था का महत्वपूर्ण स्तंभ बनाती हैं। इसी बदलती वास्तविकता का प्रभाव कश्मीर पर भी दिखाई देना स्वाभाविक है।

गोर का बयान इसलिए भारत के लिए एक उपलब्धि से अधिक एक संकेत है-संकेत इस बात का कि जम्मू-कश्मीर को लेकर अंतरराष्ट्रीय विमर्श धीरे-धीरे बदल रहा है। पाकिस्तान के लिए यह चेतावनी है कि केवल पुराने नारों और कूटनीतिक दबाव से वह कश्मीर को विश्व राजनीति के केंद्र में नहीं रख सकता और अमेरिका के लिए यह उसके बदलते हितों के अनुरूप संतुलन साधने की कोशिश है। अंततः कश्मीर की स्थायी शांति केवल अंतरराष्ट्रीय बयानों से नहीं, बल्कि लोकतंत्र, विकास, सुरक्षा, जनभागीदारी और सीमा-पार आतंकवाद के अंत से सुनिश्चित होगी। भारत को इस नए कूटनीतिक वातावरण का उपयोग आक्रामक प्रचार के बजाय जिम्मेदार और आत्मविश्वासी राष्ट्र की तरह करना चाहिए। सर्जियो गोर का बयान इस बदलती तस्वीर की एक महत्वपूर्ण झलक है- जहां कश्मीर को लेकर भारत की स्थिति पहले की अपेक्षा अधिक स्पष्ट अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता प्राप्त करती दिखाई दे रही है और पाकिस्तान की कूटनीतिक चुनौती पहले से अधिक कठिन होती जा रही है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

बच्चे क्यों करते हैं शिकायत

मम्मा! देखो यह मुझे डॉल से खेलने नहीं दे रहा, इसने मेरी बुक फाड़ दी, यह मुझे चिढ़ा रहा है...पेरेंट्स को अकसर ऐसी शिकायतों से रूबरू होना पड़ता है, पर कुछ बच्चों को बेवजह हर बात पर बड़ों से शिकायत करने की आदत पड़ जाती है। ऐसी स्थिति में यह समझना बहुत ज़रूरी है कि बच्चे को वास्तव में कोई परेशानी है या उसकी आदत ही ऐसी है।

स्वाभाविक है यह

दो-ढ़ाई साल की उम्र से ही बच्चों में ऐसी आदतें दिखने लगती हैं। यह उनके भावनात्मक विकास का ज़रूरी हिस्सा है। इस उम्र से ही बच्चों में अधिकार की भावना विकसित हो जाती है। वे किसी के साथ अपनी चीज़ें शेयर नहीं करना चाहते। इसी उम्र में खुद से उनका जुड़ाव होता है। जब भी उन्हें ऐसा लगता है कि कोई दूसरा उन्हें नुकसान पहुंचाने वाला है तो वे शोर मचा कर विरोध प्रदर्शित करते हैं। उनका ऐसा व्यवहार सुरक्षा की दृष्टि से बेहद कारगर साबित होता है, लेकिन दिक्क़त तब होती है जब बच्चे बेवजह छोटी बातों पर नाराज़ होकर शिकायत करते हैं या पांच साल की उम्र के बाद भी उनमें यही आदत बनी रहती है।

क्या है असली वजह

दरअसल छोटे बच्चे स्थितियों और व्यवहार से जुड़ी बारीक़ियों को समझने में असमर्थ होते हैं। उनके लिए कोई भी बात पूरी तरह सही या ग़लत होती है। सही-ग़लत के काले-सफ़ेद रंगों के बीच मौजूद ग्रे शेड को पहचानकर उसके अनुकूल व्यवहार करने की क्षमता इतनी छोटी उम्र में विकसित नहीं होती। भाई-बहनों और दोस्तों से छोटी-छोटी शिकायतें करते हुए ही बच्चे सही-ग़लत की पहचान करना सीखते हैं। इसी के साथ उनमें नैतिकता की भावना विकसित होती है। खेलकूद के दौरान होने वाले छोटे-छोटे झगड़ों से भी कई ऐसी बातें सीखने को मिलती हैं, जो ताउम्र उसके काम आती हैं। ऐसे में उसे आपके सहयोग की ज़रूरत होती है। आप उसे समझाएं कि छोटी-छोटी बातों के लिए मम्मी-पापा से शिकायत नहीं करनी चाहिए। अगर किसी दोस्त से तुम्हारा झगड़ा हो तो उसे खुद सुलझाने की कोशिश करो। हां, जब भी तुम्हें किसी से डर लगे या कोई ख़तरा महसूस हो तो हमें ज़रूर बताओ।

कैसे निबटें शिकायतों से

सबसे पहले बड़ों को यह समझने की कोशिश करनी चाहिए कि क्या सचमुच उनके बच्चे को कोई परेशानी है? उसकी पूरी बात सुने बिना अपने आप यह मान लेना अनुचित है कि बच्चे तो ऐसा करते ही हैं। चाहे कितनी भी व्यस्तता हो, दो मिनट रुक कर धैर्यपूर्वक उसकी पूरी बात ज़रूर सुनें। ऐसा करना बहुत ज़रूरी है क्योंकि कई बार बच्चे सचमुच बहुत परेशान होते हैं और उनकी सुरक्षा के लिए बड़ों का बीच में बोलना ज़रूरी होता है। बच्चों में यह तय करने की क्षमता नहीं होती कि कौन सी स्थितियां उसकी सुरक्षा की दृष्टि से नुकसानदेह साबित हो सकती हैं। ऐसे में जो व्यक्ति बच्चों के साथ होता है, उसकी यह ज़िम्मेदारी बनती है कि उन पर नज़र रखते हुए वह समझने की कोशिश करे कि उनके बीच खिलौनों के लिए मामूली छीना-झपटी हो रही है या मारपीट। कुछ बच्चों का व्यवहार बेहद आक्रामक होता है। इसलिए बेहतर यही होगा कि आप अपने बच्चे को समझाएं कि तुम किसी से झगड़ा मत करना, लेकिन तुम्हें जब भी कोई ख़तरा महसूस हो तो आसपास मौजूद अंकल या आंटी को ज़रूर बताना।

समझदारी से बनेगी बात

यह सच है कि बच्चों के बीच होने वाले छोटे-छोटे झगड़े उनकी नासमझी की वजह से होते हैं। ऐसे में उन्हें बड़ों के सहयोग की ज़रूरत होती है। अगर कोई दूसरा बच्चा आपके बेटे से उसका मनपसंद खिलौना छीन लेता है और वह रोता हुआ आपके पास शिकायत लेकर आता है तो ऐसी स्थिति में आप उन दोनों को बारी-बारी से खेलने सलाह दे सकती हैं। अगर वे फिर भी न मानें तो वह खिलौना वापस मांग कर अपने पास रख लें और उनसे कोई दूसरा गेम खेलने को कहें। जब भी आपके बच्चे का किसी से कोई झगड़ा हो तो हल के रूप में उसके सामने कम से कम दो-तीन विकल्प ज़रूर रखें। इससे वह आसानी से अपने विवाद सुलझाना सीख जाएगा।

क्या है असली मंशा

पेरेंट्स के लिए बच्चे की असली मंशा समझना बहुत ज़रूरी है। कुछ बच्चे आठ-दस साल की उम्र तक पहुंचने के बाद भी हर बात के लिए माता-पिता के पास पहुंच जाते हैं या अपनी छोटी सी परेशानी को भी बहुत बढ़ा-चढ़ा कर बताते हैं। बच्चे की भलाई के लिए यह बेहद ज़रूरी है कि माता-पिता निष्पक्ष रूप से अपने उसकी ख़ूबियों-ख़ामियों का विश्लेषण करें। कुछ बच्चों को झूठी शिकायत करके अपने दोस्तों को डांट सुनवाने में मज़ा आता है तो कुछ बड़ों के सामने अच्छा इंप्रेशन बनाने के लिए भी भाई-बहनों की शिकायत करते हैं। कई बार वे दोस्तों पर रौब जमाने के लिए भी ऐसा करते हैं। जिन बच्चों में दूसरों का ध्यान अपनी ओर खींचने की आदत होती है, वे भी बेवजह चुगली करते हैं। अगर आपका बच्चा ऐसी वजहों से शिकायत करता है तो आप उसकी इस आदत को किसी भी हाल में बढ़ावा न दें। अगर आप पूरी बात जाने-समझे बिना उसकी हर शिकायत पर दूसरे बच्चों को डांटेंगी तो वह कभी भी अपनी समस्याएं सुलझाना सीख नहीं पाएगा। हां, अगर वह आपका ध्यान अपनी ओर खींचने के लिए ऐसा कर रहा हो तो उस वक़्त आप भले ही उसकी बातों को नज़रअंदाज़ कर दें, पर बाद में उसके साथ भरपूर क्वॉलिटी बिताएं और उसकी सारी बातें ध्यान से सुनें।

ठीक नहीं है मनमानी

केवल भाई-बहनों या दोस्तों के बीच मनमानी करने के लिए अगर वह आपसे शिकायत करता है तो उसकी ऐसी बातों को गंभीरता न लें। जब आपको ऐसा लगे कि सचमुच उसकी शिकायत जायज़ है तभी दूसरे बच्चे को टोकें। अगर आप अपने बच्चे की उम्र और मानसिक परिपक्वता को लेकर संतुष्ट हैं कि वह अपने झगड़े खुद सुलझा लेगा तो उसे और उसके साथ मौजूद दोस्तों को प्यार से समझा दें कि जब तक बहुत ज़रूरी न हो वे आपके पास कोई शिकायत लेकर न आएं। पेरेंटिंग के मामले में यह समझना बहुत ज़रूरी है कि दो बच्चों के बीच छोटी-छोटी बातों को लेकर मामूली विवाद होना स्वाभाविक है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं होता कि सिर्फ़ एक शरारत के आधार पर किसी बच्चे को आप हमेशा ग़लत समझें। छोटी सी ग़लती की वजह से कोई बच्चा हमेशा के लिए दोषी नहीं बन जाता। ऐसी स्थिति कुछ पेरेंट्स ग़लती नहीं करने वाले बच्चे को कुछ विशेषाधिकार सौंप देते हैं कि तुम अपने दूसरे भाई-बहनों पर निगरानी रखो। अगर वे ग़लती करें तो मुझे बताओ। ऐसा करना ठीक नहीं है क्योंकि कई बार यही %आज्ञाकारी बच्चे' माता-पिता की शह पा पाकर भाई-बहनों पर बेवजह रौब जमाने लगते हैं, शिकायत की धमकी देकर वे कई बार भाई/बहन से अपने सारे काम करवा लेते हैं। इसलिए अगर घर में एक से ज्य़ादा बच्चे हैं तो सभी को समान रूप से अनुशासित करने की ज़िम्मेदारी माता-पिता की होनी चाहिए। अपने एक बच्चे को दूसरे का अभिभावक न बनने दें । इससे कोई भी अनुशासित नहीं होगा। इतना ही नहीं इसकी वजह से बड़े होने के बाद भी उनके आपसी रिश्ते में

धैर्य और आत्मविश्वास से निखरती है प्रतिभा

हर किसी में छुपी होती है एक खास प्रतिभा, बस उसे पहचानने भर की देर है, फिर देखिए आपकी छिपी हुई खूबी निखरकर कैसे आपकी एक अलग पहचान बनाती है। पूरे धैर्य व आत्मविश्वास से किए गए कार्य में सफलता अवश्य मिलती है। यह सब मैंने पापा से बचपन से सुना है, लेकिन इस बात का एहसास मुझे 14 वर्ष की उम्र में हुआ, जब मैंने अपने अंदर छिपी हुई प्रतिभा को पहचाना। किताबों में बने चित्र या कैलेंडर में बने देवी-देवताओं के चित्र मुझे बचपन से ही लुभाते रहे हैं, लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं भी इस तरह के सुंदर चित्र बना पाऊंगी। मैं सोचती रहती कि जिस भगवान ने इंसान व प्रकृति की इतनी सुंदर व सजीव आकृतियां बनाई हैं, जिसकी सबसे सुंदर कृति हम इंसान हैं, क्या कभी मैं उन भगवान के चित्र को खुद अपनी कला में उतार पाऊंगी? पर यह असंभव कार्य तब संभव हुआ, जब पापा की दी हुई सीख को ध्यान में रखकर एक दिन मैंने भगवान कृष्ण का चित्र बनाने की कोशिश की। मेरे अथक प्रयास व धैर्य से बनाने पर कृष्ण का बड़ा ही सुंदर व मनमोहक चित्र उभरकर सामने आया, जिसे देखकर मैं और मेरे घरवाले बहुत खुश हुए। तब से लेकर आज तक मैंने तमाम चित्र बनाए हैं और मेरी चित्रकारी ने एक अलग पहचान बनाई है। जब पास-पड़ोस के लोग मुझसे देवी-देवताओं का या कोई और चित्र बनवाने के लिए आते हैं, तो बहुत सुकून मिलता है। इसलिए दोस्तो, मैं आप सभी से यही कहना चाहूंगी कि आप भी अपनी प्रतिभा को पहचानें और उसी कार्य को करें जिसे करने में आपको आनंद आता हो। चाहे वह पढ़ाई हो, एक्टिंग, सिंगिंग, चित्रकारी या समाजसेवा से जुड़ा कोई कार्य। पूरे जोश व आत्मविश्वास के साथ उस काम को करिए तथा धैर्य के साथ सफलता पाने के लिए प्रयास करते रहिए। अंत में इन पंक्तियों से अपनी बात समाप्त करना चाहूंगी = साधना में धैर्य रखना बड़ी बात है, बीज बोकर कितनी प्रतीक्षा करनी होती है, एक दिन प्रतीक्षा प्राप्ति में बदलती है, बीज फटकर पौधे के रूप में आ जाते हैं भूमि से बाहर।

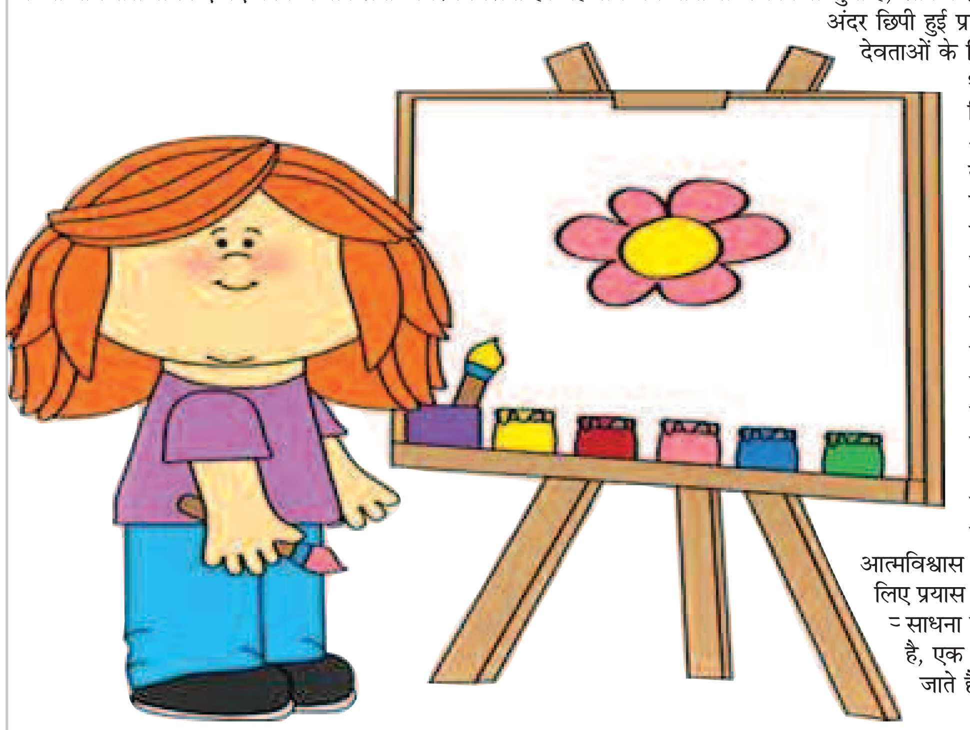

बचपन को बनाएं खुशहाल

बच्चों के तनाव को हल्के में न लें, क्योंकि उनकेमस्तिष्क पर इसका स्थायी प्रभाव पड़ता है। वॉशिंगटन स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कान्सिन-मैडिसन के शोधकर्ताओं के एक दल ने यह पाया कि उपेक्षा और शारीरिक उत्पीडऩ से पैदा होने वाले तनाव का बच्चे पर नकारात्मक और स्थायी प्रभाव पड़ सकता है। शोधकर्ताओं के अनुसार ऐसे अनुभवों से बच्चे केमस्तिष्क का विकास प्रभावित होता है। इससे उनकी याद रखने की क्षमता कमजोर हो जाती है। ऐसे बच्चों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और संतुलन का भी अभाव देखने को मिलता है। यही नहीं युवा होने के बाद ऐसे बच्चों की सेहत, कॅरियर और दांपत्य जीवन पर भी नकारात्मक प्रभाव नजर आता है। इस अध्ययन में सौ से अधिक बच्चों को शामिल किया गया था, जिनकी उम्र बारह वर्ष थी और कई वजहों से उनका बचपन तनावग्रस्त था। शोधकर्ताओं का कहना है कि यदि आप चाहती हैं कि आपका बच्चा एक समझदार इंसान बने और वह अपनी पूरी जिंदगी हंसी-खुशी से व्यतीत करे तो आपको उसका बचपन खुशहाल बनाने की पूरी कोशिश करनी चाहिए।

मदद करने से मिलती है 'खुशी'

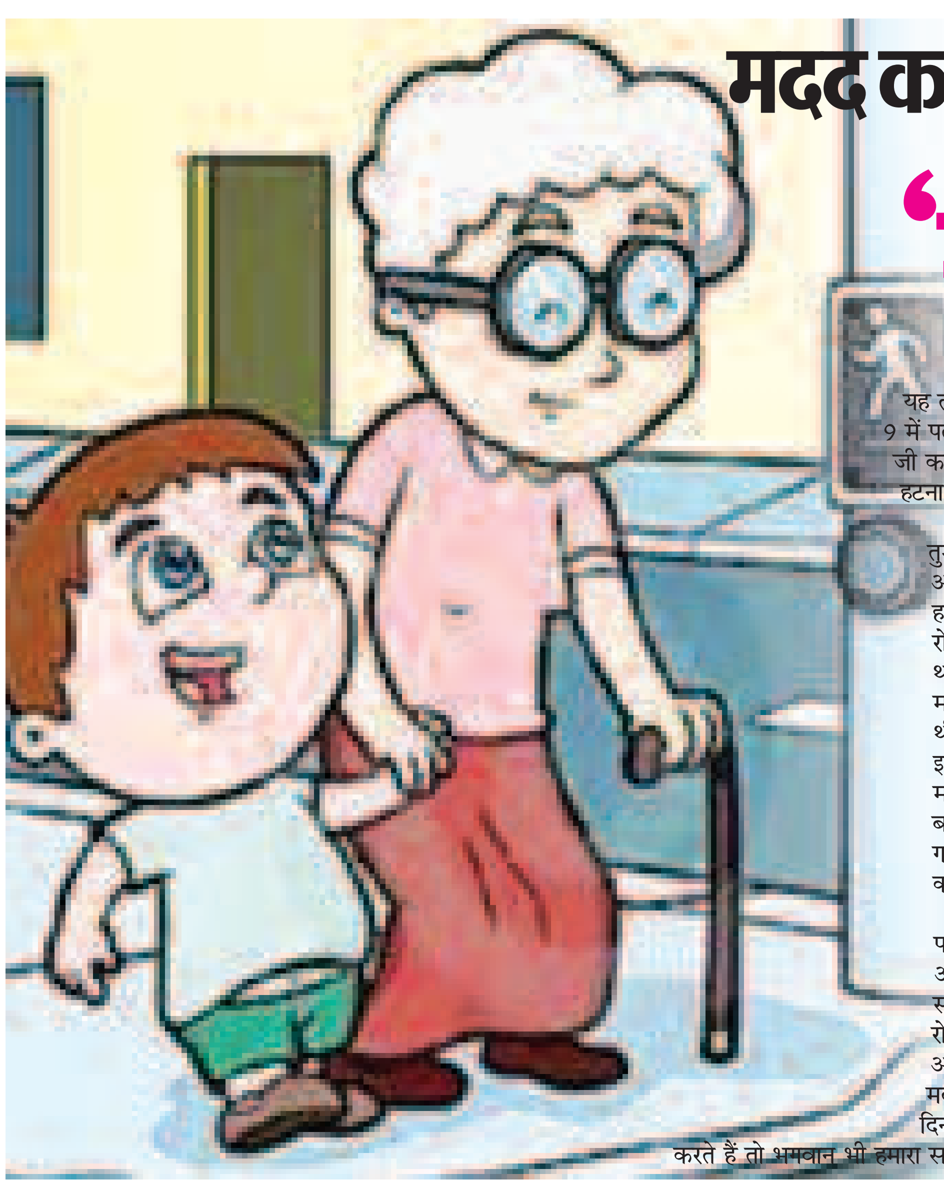

यह तब की बात है जब मैं 13 साल का था और कक्षा 9 में पढ़ता था। अब मैं 14 साल का हो गया हूं। मेरे पिता जी कहते हैं कि लोगों की मदद करने से कभी पीछे नहीं हटना चाहिए।

अगर तुम किसी की मदद करना चाहते हो तो तुम्हारे अंदर अपने आप हिम्मत आ जाएगी और एक अलग तरह की खुशी का भी अनुभव होगा। एक बार हम सपरिवार घर के बाहर गये थे। हम लोग जी.टी. रोड के किनारे पैदल ही चल रहे थे। मैं पापा से पीछे था। तभी मैंने देखा कि सड़क के किनारे एक वृद्ध महिला खड़ी हैं। असल में वह रोड पार करना चाहती थीं, मगर सड़क पर बहुत तेज गाडिय़ा चल रही थीं, इसलिए यह संभव नहीं हो रहा था। कोई भी उनकी मदद करता नहीं दिख रहा था। तभी मुझे पापा कि बात याद आई और मैं दौड़ कर उन महिला के पास गया और कहा, आइए अम्मा मैं आप को रोड पार करा देता हूं।

उन्होंने मेरा हाथ पकड़ा और चलने लगीं। सड़क पर काफी तेजी से वाहन आ-जा रहे थे। लेकिन मेरे अंदर पता नहीं कैसे हिम्मत आ गयी थी। मुझे थोड़ा सा भी डर नही लग रहा था। मैंने उनको आराम से रोड पार करा दिया। उसके बाद उन्होंने मुझे खूब आशीर्वाद दिया और चली गयी। वास्तव में उस समय मदद करने के बाद मुझे बहुत खुशी महसूस हुई। उस दिन मुझे यह पता चला कि जब हम किसी कि मदद करते हैं तो भगवान भी हमारा साथ देता है और हमें हिम्मत देता है।

संगीत से बढ़ती है बुद्धि

बहुत से बच्चे संगीत के शौकीन होते हैं। यदि आपका बच्चा भी संगीत का शौकीन है तो उसे रोकें-टोकें नहीं। कारण, संगीत का शौक रखने वाले बच्चे अधिक बुद्धिमान होते हैं। ऐसा हम नहीं कह रहे हैं, बल्कि यह कहना है कनाडा के अध्ययनकर्ताओं का। अध्ययनकर्ताओं के अनुसार यदि छोटे बच्चों को संगीत का प्रशिक्षण दिया जाए तो उनके सीखने की कला, याददाश्त तथा आई क्यू लेवल बढ़ता है। अध्ययनकर्ताओं ने चार से छह साल के कुछ बच्चों को दो समूह में बांटा। एक समूह में संगीत सीखने वाले बच्चों को रखा तो दूसरे में संगीत में रुचि न रखने वाले बच्चों को। एक साल बाद जब अध्ययनकर्ताओं ने इन बच्चों का आई क्यू लेवल और मेमोरी टेस्ट लिया तो परिणाम से पता चला कि संगीत सीखने वाले बच्चों की याददाश्त और आई क्यू तेज निकला, जबकि वे बच्चे जो संगीत से दूर थे सामान्य ही रहे। इसलिए यदि आप अपने बच्चे को काबिल बनाने की तमन्ना रखती हैं तो उसकी रुचि संगीत में जगाइए।

वैश्विक दबाव में रहा बाजारः कच्चे तेल और भू-राजनीतिक तनाव ने बढ़ाई अनिश्चितता

हफ्ते के अंत में बाजार ने कुछ सुधार दिखाया, लेकिन अनिश्चितता का माहौल बरकरार रहा

मुंबई ।

बीते हफ्ते भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों को उतार-चढ़ाव भरे माहौल का सामना करना पड़ा। पश्चिमी एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें शुरुआती दिनों में बाजार पर हावी रहीं, जिससे प्रमुख सूचकांकों में लगातार गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, हफ्ते के अंत में बाजार ने कुछ सुधार दिखाया, लेकिन अनिश्चितता का माहौल बरकरार रहा। कच्चे तेल और भू-राजनीतिक दबाव (सोमवार से बुधवार) हफ्ते की शुरुआत निवेशकों के लिए निराशाजनक रही। सोमवार को भारतीय बाजार में गिरावट के साथ शुरुआत हुई, जहां सेंसेक्स 281.09 अंक गिरकर 77,728.16 पर और निफ्टी 78.35 अंक गिरकर 24,287.65 पर बंद हुआ। यह लगातार पांचवां कारोबारी सत्र था जब बाजार में गिरावट दर्ज की गई थी। मंगलवार को भी यह सिलसिला जारी रहा] सेंसेक्स 492.70 अंक गिरकर 77,235.46 पर और निफ्टी 132.75 अंक फिसलकर 24,154.90 के स्तर पर आ गया। बुधवार को भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण बाजार में और कमजोरी आई। सेंसेक्स 325.78 अंक गिरकर

76,909.68 पर और निफ्टी 76.60 अंक गिरकर 24,078.30 पर बंद हुआ। इस तरह सेंसेक्स में चार दिनों में कुल 1,170.28 अंकों की गिरावट दर्ज की गई, जबकि निफ्टी ने लगातार सात दिनों तक नुकसान झेला। लंबी गिरावट के बाद गुरुवार को निवेशकों के चेहरे पर खुशी लौटी। अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में गिरावट और शॉर्ट-कवरिंग के चलते बाजार ने जोरदार वापसी की। निफ्टी ने लगातार सात दिनों की गिरावट के सिलसिले को तोड़ते हुए 24,200 का स्तर पार किया।

अमेरिका कनाडा के 20 अरब डॉलर के आयात पर लगाएगा 50 फीसदी शुल्क

करीबी सहयोगी देशों के संबंध और बिगड़ेंगे

वाशिंगटन ।

अमेरिका ने कनाडा के साथ व्यापार वार्ता असफल होने के बाद उससे आयात किए जाने वाले 20 अरब डॉलर मूल्य के उत्पादों पर शनिवार से 50 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की है। इस कदम से ऐतिहासिक रूप से करीबी सहयोगी रहे दोनों देशों के पहले से तनावपूर्ण संबंधों में और खटास आने की आशंका है। एक अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ने बताया कि कनाडा ने इस सप्ताह की शुरुआत में जिन शर्तों पर सहमति बनी थी, उनके आधार पर व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने से इनकार कर दिया। ग्रीर ने कनाडा पर नई मांगें रखने और कुछ पुरानी प्रतिबद्धताओं से पीछे हटने का आरोप लगाया, जिससे पिछले कुछ दिनों में बनी सहमति का संतुलन बिगड़ गया। इसके जवाब में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिका की ओर से प्रस्तावित शर्तों में अंतिम समय में किए गए बदलावों को अनुचित और आर्थिक रूप से अव्यावहारिक बताया। उन्होंने कहा कि ये बदलाव किसी भी समझौते की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करते हैं। प्रस्तावित आयात शुल्क कनाडा से हर साल अमेरिका भेजे जाने वाले कुल सामान के लगभग पांच प्रतिशत (880 अरब में से 20 अरब डॉलर) पर पड़ेगा, जिसमें हॉकी स्टिक से लेकर टंग डिप्रेसर जैसे उत्पाद शामिल हैं। हालांकि, इसका राजनीतिक असर आर्थिक प्रभाव से कहीं अधिक होने की संभावना है। ये शुल्क पहले बुधवार को लागू होने थे, लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बातचीत जारी रखने के लिए समयसीमा तीन दिन बढ़ा दी थी। इसके बावजूद, दोनों देश तय समय के भीतर किसी समझौते पर नहीं पहुंच सके।

तनाव के बावजूद भारत पर चीनी मोबाइल ब्रांडों की भारी निर्भरता

- रिपोर्ट के मुता बिक चीन के बाहर भारत इनका सबसे बड़ा बाजार, उत्पादन बढ़ाने पर जोर

नई दिल्ली ।

भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद चीनी मोबाइल ब्रांड भारतीय बाजार पर अपनी भारी निर्भरता बनाए हुए हैं। चीन के बाहर भारत उनके लिए सबसे बड़ा निर्यात बाजार बन गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, वीवो, ओप्पो और रियलमी जैसे प्रमुख ब्रांडों के वैश्विक निर्यात में भारत का महत्वपूर्ण योगदान है, जिसने उन्हें यहां स्थानीय उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। रिपोर्ट बताती है कि 2025 में वीवो के वैश्विक निर्यात में भारत का हिस्सा 34 फीसदी था। यह ब्रांड भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाला स्मार्टफोन है, जिसने 2026 की दूसरी तिमाही में कुल बाजार का 18 फीसदी हिस्सा हासिल किया। अब वीवो, डिक्सन टेक्नॉलजीज के साथ संयुक्त उपक्रम के जरिये भारत में अपने स्मार्टफोन उत्पादन को बढ़ाने पर जोर दे रही है। वीवो जैसी ही कहानी अन्य चीनी ब्रांडों की भी है। 2025 में ओप्पो के वैश्विक निर्यात में भारत का हिस्सा 23 फीसदी, रियलमी के लिए 35 फीसदी और वनप्लस के लिए 32 फीसदी तक पहुंच गया था। ये चारों ब्रांड (वीवो, ओप्पो, रियलमी और वनप्लस) चीन की दिग्गज कंपनी बीबीके इलेक्ट्रॉनिक्स के स्वामित्व में हैं। मोटोरोला, जिसका नियंत्रण अब चीनी कंपनी लेनोवो के पास है, के लिए भी भारत उसके वैश्विक निर्यात में 20 फीसदी का योगदान देता है और कंपनी भारत में असेंबल किए गए फोन सीधे तौर पर अमेरिका को निर्यात कर रही है। लंदन मुख्यालय वाली स्मार्टफोन निर्माता नथिंग के वैश्विक निर्यात में तो भारत की हिस्सेदारी 71 फीसदी हो गई है। ओएमडीआईए के विश्लेषक संयम चौरसिया के अनुसार, श्याओमी को छोड़कर ज्यादातर चीनी ब्रांड वैश्विक स्तर पर उतने मजबूत नहीं हैं, और चीन के बाद भारत उनके लिए दूसरा सबसे अहम और बड़ा बाजार है, जो उनकी व्यावसायिक सफलता के लिए अपरिहार्य है।

मेटा के एआई कंटेंट मॉडरेशन पर सरकार की चिंता, मानव समीक्षा की वकालत

बिना मानव हस्तक्षेप के एआई द्वारा सामग्री हटाने पर आपत्ति, खालिस्तान मामले का दिया उदाहरण

नई दिल्ली। भारत सरकार ने मेटा के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित कंटेंट मॉडरेशन सिस्टम पर गंभीर चिंता व्यक्त की है, खासकर उसमें मानव समीक्षकों की अनुपस्थिति को लेकर। इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने हाल ही में मेटा के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हुई बैठक में कंपनी से ऐसे सिस्टम बनाने को कहा है जो सिर्फ एआई इंजन के फैसलों के आधार पर उपयोगकर्ताओं की सामग्री न हटाएं।

आईआईटी हैदराबाद में स्थापित होगा जिंदल स्टील उत्कृष्टता केंद्र

उच्च क्षमता, मूल्यवर्धित और लागत-प्रभावी इस्पात उत्पादों व समाधानों पर केंद्रित होगा

नई दिल्ली ।

जिंदल स्टील (जेएसपीएल) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) हैदराबाद ने देश के बुनियादी ढांचे, इंजीनियरिंग और रणनीतिक औद्योगिक क्षेत्रों में उन्नत इस्पात समाधानों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए हाथ मिलाया है। इस महत्वपूर्ण साझेदारी के तहत आईआईटी हैदराबाद परिसर में एक जिंदल स्टील उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया जाएगा, जिसका लक्ष्य उच्च क्षमता और लागत-दक्षता वाले इस्पात उत्पादों का विकास और प्रचार करना है। यह उत्कृष्टता केंद्र विशेष रूप से उच्च क्षमता, मूल्यवर्धित और लागत-प्रभावी इस्पात उत्पादों व समाधानों पर केंद्रित होगा। इसका मुख्य उद्देश्य डिजाइनरों, सलाहकारों, इंजीनियरों, ईपीसी कंपनियों और उपकरण निर्माताओं के साथ मिलकर उन्नत इस्पात ग्रेड के उपयोग की संभावनाओं को पहचानना और उन्हें बढ़ावा देना है। जिंदल स्टील के एक अे धिकारी ने बताया कि यह साझेदारी भारत के बुनियादी ढांचे, इंजीनियरिंग और औद्योगिक क्षेत्रों में उच्च क्षमता और लागत-प्रभावी इस्पात के उपयोग को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने जोर दिया कि आईआईटी हैदराबाद की तकनीकी क्षमता और जिंदल स्टील की विनिर्माण, धातुकर्म तथा इंजीनियरिंग विशेषज्ञता को मिलाकर यह केंद्र विभिन्न क्षेत्रों में मजबूत, हल्के, तेज और अधिक दक्ष इस्पात समाधान विकसित करेगा।

आरबीआई ने श्रीराम फाइनेंस और प्रॉगफिन पर लगाया लाखों का जुर्माना

निदेशक नियुक्ति, केवायसी और जोखिम वर्गीकरण नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई

मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कुछ नियमों और निर्देशों का पालन न करने के कारण श्रीराम फाइनेंस कॉर्पोरेशन और प्रॉगफिन पर मौद्रिक जुर्माना लगाया है। आरबीआई के अनुसार श्रीराम फाइनेंस पर 8.10 लाख रुपये और प्रॉगफिन पर 2.70 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है, जो वित्तीय नियमों के अनुपालन में गंभीरता को दर्शाता है। आरबीआई ने श्रीराम फाइनेंस पर निदेशक की नियुक्ति करते समय केंद्रीय बैंक से पूर्व लिखित अनुमति न लेने के लिए जुर्माना लगाया, जिसके कारण प्रबंधन में बदलाव हुआ। इसके अतिरिक्त, कंपनी ग्राहकों को कम, मध्यम और उच्च जोखिम वाली श्रेणियों में वर्गीकृत करने की प्रणाली बनाने में विफल रही और कुछ ग्राहकों के केवाईसी (अपने ग्राहक को जानें) रिकॉर्ड को निर्धारित समय-सीमा के भीतर केंद्रीय केवाईसी रिकॉर्ड्स रजिस्ट्री में अपलोड नहीं कर पाई। वहीं प्रॉगफिन पर खातों के जोखिम वर्गीकरण की समय-समय पर समीक्षा करने की व्यवस्था (जो नियमों के अनुसार हर छह महीने में एक बार अनिवार्य है) लागू करने में विफल रहने के कारण जुर्माना लगाया गया है। यह कार्रवाई वित्तीय संस्थाओं के लिए सख्त नियामक अनुपालन के महत्व को रेखांकित करती है।

चीनी की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि अनुचित, जमाखोरों पर होगी कार्रवाईः सरकार

इथेनॉल उत्पादन को कीमत वृद्धि का कारण बताने से सरकार का इनकार

नई दिल्ली

सरकार ने चीनी की कीमतों में हालिया बेतहाशा वृद्धि को पूरी तरह अनुचित करार देते हुए उन दावों को खारिज कर दिया है जिनमें कहा जा रहा था कि इथेनॉल उत्पादन के लिए चीनी के उपयोग से कीमतों में उछाल आया है। खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने स्पष्ट किया कि देश में चीनी का पर्याप्त भंडार है, और बढ़ती कीमतें उद्योग की जमाखोरी का परिणाम हैं। खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने बताया कि घरेलू मांग पूरी होने के बावजूद चीनी उद्योग द्वारा कीमतों में तेज वृद्धि अनुचित है। उन्होंने राज्यों को चीनी की जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। सरकार ने एहतियाती कदम के तौर पर 31 अक्टूबर तक 10 लाख टन कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति दी है, साथ ही थोक उपभोक्ताओं पर 1 सितंबर से 15 दिन की खपत से अधिक चीनी के भंडारण पर रोक लगाई है।

चोपड़ा ने स्पष्ट किया कि देश में चीनी का पर्याप्त भंडार है। 2025-26 विपणन सत्र में उत्पादन अनुमान 343 लाख टन से

घटकर 306 लाख टन रह जाने के बावजूद, सालाना घरेलू मांग 280-285 लाख टन की तुलना में यह पर्याप्त है। उन्होंने इस तीव्र मूल्य वृद्धि को अनुचित बताया, जिसमें खुदरा कीमतें 48 से 56 रुपये और मिल-स्तर पर 47-48 से 62 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई हैं। उन्होंने कहा कि इथेनॉल उत्पादन के लिए केवल 28 लाख टन चीनी का उपयोग हुआ है, जिसका अधिकांश हिस्सा अब मक्के से बनता है, अतः कीमत वृद्धि का कोई वास्तविक कारण नहीं है।

सरकार को उम्मीद है कि इन कदमों से त्योहारी मौसम में चीनी की उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

राशन वितरण में आएगा बदलाव, डिजिटल रुपया रोकेगा धोखाधड़ी

रियल-टाइम ट्रैकिंग प्रणाली लीकेज और हेराफेरी को काफी हद तक कम करेगी

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में धोखाधड़ी और सब्सिडी लीकेज पर अंकुश लगाने के लिए केंद्र सरकार ने एक महत्वाकांक्षी योजना तैयार की है। इसके तहत प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना की खाद्य सब्सिडी अब सीधे लाभार्थियों के केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) आधारित डिजिटल रुपया वॉलेट में हस्तांतरित की जाएगी। यह कदम देशभर में लगभग 78.85 करोड़ लाभार्थियों को प्रति माह वितरित होने वाले 19,000 करोड़ रुपये के खाद्यान्न में पारदर्शिता सुनिश्चित करेगा। यह उद्देश्य-आधारित डिजिटल सब्सिडी लाभार्थियों को सूचीबद्ध दुकानदारों से खाद्यान्न खरीदने की सुविधा देगी। वे एक सुरक्षित और ट्रैक करने योग्य डिजिटल भुगतान तंत्र का उपयोग कर सकेंगे। रियल-टाइम ट्रैकिंग प्रणाली लीकेज और हेराफेरी को काफी हद तक कम करेगी। स्मार्टफोन उपयोगकर्ता क्यूआर कोड से, जबकि साधारण मोबाइल वाले ओटीपी-आधारित वाउचर से भुगतान कर सकेंगे। अप्रयुक्त कूपन स्वतः सरकारी खाते में लौट जाएंगे, जिससे फर्जी एंट्री की संभावना समाप्त होगी और राशन डीलर द्वारा कालाबाजारी पर लगाम लगेगी। गुजरात, पुडुचेरी, चंडीगढ़ और दादरा एवं नगर हवेली में सफल परीक्षण के बाद, इस सीबीडीसी आधारित प्रत्यक्ष

लाभ
अंतरण योजना को अब उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश सहित सात और राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में लागू
करने
की तैयारी है। यह पहल राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत देश में खाद्यान्न वितरण को अधिक कुशल और भ्रष्टाचार मुक्त बनाने में अहम भूमिका निभाएगी।

परमाणु ऊर्जा उद्योग ने मांगा पारदर्शी शुल्क ढांचा

निजी भागीदारी के बाद उठाई समान अवसर की मांग

नई दिल्ली ।

परमाणु ऊर्जा उद्योग ने केंद्र सरकार से एक पारदर्शी और पूर्वानुमानित शुल्क ढांचे की मांग की है, ताकि विनिर्माताओं के मुनाफे और प्रतिस्पर्द्धी कीमतों के बीच संतुलन बनाया जा सके। 'भारत के रूपांतरण हेतु परमाणु ऊर्जा के सतत दोहन एवं विकास विधेयक (शांति) अधिनियम, 2025' के पारित होने के बाद इस क्षेत्र में निजी भागीदारी को हरी झंडी मिल चुकी है। अब उद्योग ने सरकार से यह भी अपील की है कि परमाणु ऊर्जा को बिजली के अन्य स्रोतों के साथ बराबरी पर लाने के लिए समान अवसर उपलब्ध कराए जाएं। लार्सन ऐंड टुब्रो के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि आर्थिक रूप से फायदेमंद होने के लिए शुल्क बाजार दरों के अनुरूप होने चाहिए और बिजली की अधिकतम समतूल्य लागत 8 रुपये प्रति किलोवाट-घंटा होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि जहां भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम (एनपीसीआईएल) की स्वदेशी तकनीक में औसत शुल्क लगभग 4 रुपये प्रति यूनिट है, वहीं विदेशी तकनीक अधिक महंगी है। परब ने सुझाव दिया कि स्थानीय सामग्री को 100 फीसदी तक बढ़ाने और तकनीकी फीस को 6 से 10 रिएक्टरों में विभाजित करने से विदेशी तकनीक भी फायदेमंद हो सकती है।

प्रधानमंत्री से मिले 20 स्पेस स्टार्टअप के सीईओ, निजी अंतरिक्ष क्षेत्र बढ़ाने पर दिया जोर

वैश्विक प्रतिभा और निवेश आकर्षित करने की संभावना, कृषि-पर्यावरण में नए प्रयोगों पर जोर

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली स्थित सेवा तीर्थ में देश के 20 अग्रणी स्वदेशी अंतरिक्ष स्टार्टअप के संस्थापकों और मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) से मुलाकात की। इस बैठक में उन्होंने निजी क्षेत्र के नवाचार और अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में उनके बढ़ते योगदान की सराहना की, जो भारत के तेजी से विकसित हो रहे निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए सरकार के मजबूत समर्थन को रेखांकित करती है। मोदी ने इन उद्यमियों को उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए बधाई देते हुए कहा कि निजी क्षेत्र की उपलब्धियां अंतरिक्ष क्षेत्र को खोलने के सरकार के दृष्टिकोण को सही ठहराती हैं। उन्होंने जोर दिया कि भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र का तीव्र विकास वैश्विक प्रतिभाओं, कंपनियों और निवेश को आकर्षित करने की अपार संभावनाएँ पैदा कर रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और आईएन-स्पेस के अध्यक्ष पवन गोयनका भी इस महत्वपूर्ण बैठक में उपस्थित थे। इन स्टार्टअप्स में स्काईरूट एयरोस्पेस, अग्निकुल कॉसमॉस, पिक्सेल, ध्रुव स्पेस सहित कई प्रमुख कंपनियां शामिल थीं, जो रॉकेट, उपग्रह, एविओनिक्स, उन्नत प्रणोदन और अंतरिक्ष मलबे को हटाने जैसे क्षेत्रों में काम कर रही हैं। कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों ने प्रधानमंत्री के साथ अपनी प्रगति, दृष्टिकोण और भविष्य की योजनाओं को साझा किया। उन्होंने सरकारी समर्थन और उद्योग के भीतर बढ़ते सहयोग की विशेष रूप से सराहना की। प्रधानमंत्री ने स्टार्टअप से अपनी प्रौद्योगिकियों के नए अनुप्रयोगों, विशेषकर कृषि और पर्यावरण से जुड़े क्षेत्रों में, का पता लगाने का आग्रह किया।

उन्होंने युवा छात्रों में अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए अटल टिंकरिंग लैब्स के साथ जुड़ाव को और गहरा करने की भी बात कही।

त्योहारी सीजन में चीनी का कड़वा वार, कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर

एक महीने में 20 फीसदी का उछाल, इथेनॉल उत्पादन के लिए गन्ने का डायवर्जन

नई दिन्ल्ली।

त्योहारों से ठीक पहले चीनी के दामों ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। पिछले एक महीने में चीनी की कीमतें 20 फीसदी बढ़कर 65 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई हैं, जो अब तक का रिकॉर्ड स्तर है। इसका मुख्य कारण इथेनॉल उत्पादन में गन्ने का अधिक इस्तेमाल बताया जा रहा है, जिसने आम आदमी का बजट बिगाड़ दिया है। भारत में चीनी की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं, जिसने त्योहारों के मौसम में आम उपभोक्ता को मुश्किल में डाल दिया है। एक महीने पहले 48.18 रुपए प्रति किलो मिलने वाली चीनी अब खुदरा बाजारों में 65 रुपए प्रति किलो तक बिक रही है। यह उछाल ऐसे समय में आया है जब देश में गन्ने की पर्याप्त पैदावार है और सरकार ने घरेलू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए चीनी के निर्यात पर भी रोक लगा रखी है। बावजूद इसके दामों का बढ़ना बाजार के एक अजीब संकट की ओर इशारा करता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस संकट की मुख्य वजह इथेनॉल बनाने के लिए गन्ने का बढ़ता उपयोग है। इथेनॉल कार्यक्रम देश की ऊर्जा सुरक्षा के

लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन यह चीनी की उपलब्धता को प्रभावित कर रहा है। पंजाब में चीनी 65 रुपये प्रति किलो बिक रही है, जबकि मुंबई और भोपाल जैसे शहरों में भी कीमतें 58-63 रुपये प्रति किलो के बीच हैं। गणेश चतुर्थी, दशहरा और दिवाली जैसे त्योहारों के आने से चीनी की मांग में तेज़ी आएगी, जिससे सरकार के सामने कीमतों को नियंत्रण में रखने और महंगाई को बढ़ने से रोकने की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है।

मोबाइल विनिर्माण को 62,500 करोड़ का बूस्टर, केंद्र ने नई प्रोत्साहन योजना शुरू की

निर्माताओं को 2.5 से 5 फीसदी तक मिलेगा इंसेंटिव, घरेलू पुर्जों की खरीद पर अतिरिक्त लाभ

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने देश में मोबाइल फोन विनिर्माण को बढ़ावा देने और भारतीय ब्रांडों को मजबूत करने के उद्देश्य से एक महत्वाकांक्षी नई योजना की घोषणा की है। मोबाइल फोन निर्माण योजना (स्कल्स) नामक इस पहल के तहत, सरकार अगले पांच वित्तीय वर्षों (2027 से 2031) के लिए 62,500 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन देगी, जिसका लक्ष्य घरेलू मूल्यवर्धन बढ़ाना और निर्यात को गति देना है। यह योजना भारत को वैश्विक विनिर्माण हब बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

इस योजना में मोबाइल फोन निर्माताओं को उनके पात्र उत्पादन पर 2.5 प्रतिशत से लेकर 5 प्रतिशत तक का इंसेंटिव दिया जाएगा। इसके साथ ही, भारत में प्रमुख पुर्जों और सब-असेंबली की घरेलू खरीद को प्रोत्साहित करने के लिए 1.5 प्रतिशत तक का अतिरिक्त लाभ भी मिलेगा। सरकार का मानना है कि इससे न केवल देश में विनिर्माण क्षमताओं का विस्तार होगा, बल्कि एक मजबूत स्वदेशी आपूर्ति श्रृंखला भी विकसित होगी।

योजना को दो मुख्य लक्षित खंडों में बांटा गया है- पहला, मोबाइल फोन विनिर्माण को बढ़ावा देना और दूसरा, भारतीय मोबाइल फोन ब्रांडों को मजबूत करना। इंसेंटिव प्राप्त करने के लिए आवेदन करने वाली कंपनियों, जिनमें इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण सेवा कंपनियां भी शामिल हैं, का भारत में पंजीकृत होना अनिवार्य होगा। साथ ही, वित्तीय वर्ष 2026 में उनका कारोबार कम से कम 10,000 करोड़ रुपये होना जरूरी है। यह योजना पिछली सफल नीतिगत पहलों की निरंतरता है, जिनके परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 2015 के बाद से इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में सात गुना और निर्यात में 11 गुना बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

पहले सेगमेंट में पात्र बिक्री पर इंसेंटिव की दर धीरे-धीरे कम होगी, जो वित्त वर्ष 2027 और 2028 में 2.75 प्रतिशत, 2029 और 2030 में 2.5 प्रतिशत, और 2031 में 2.25 प्रतिशत रहेगी। वहीं दूसरे सेगमेंट, जिसका लक्ष्य भारतीय ब्रांडों को सशक्त करना है, में अधिक इंसेंटिव मिलेगा। यह पहले दो साल में 5 प्रतिशत, वित्त वर्ष 2029 और 2030 में 4.5 प्रतिशत, और वित्त वर्ष 2031 में 4 प्रतिशत होगा। अतिरिक्त इंसेंटिव के लिए डिस्प्ले मॉड्यूल, कैमरा मॉड्यूल, एनक्लोजर, बैटरी और यूएसबी केबल व कनेक्टर जैसे मुख्य पुर्जे शामिल हैं।

ऑटो सेक्टर में उत्सव का माहौल, चुनौतियों से इनकार नहीं

त्योहारी सीजन से पहले रिकॉर्ड बुकिंग, ऑटो कंपनियों ने बढ़ाया उत्पादन

नई दिल्ली

देश का यात्री वाहन उद्योग त्योहारी सीजन के लिए कमर कस चुका है। रिकॉर्ड बुकिंग और बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए विनिर्माता उत्पादन बढ़ा रहे हैं, डीलरों के पास स्टॉक जमा कर रहे हैं और नए मॉडल उतारने की तैयारी में हैं। हालांकि, इस उत्साह के बीच कंपनियों को वित्त वर्ष 2027 की दूसरी छमाही में वृद्धि की रफ्तार धीमी पड़ने का डर सता रहा है, जिसकी वजह पिछले साल के जीएसटी लागू होने के बाद की उच्च बिक्री तुलना है। कमोडिटी की बढ़ती कीमतें और डीलरों के पास बढ़ता स्टॉक भी अतिरिक्त जोखिम पैदा कर रहा है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में 74.3 प्रतिशत डीलरों को बिक्री में वृद्धि की उम्मीद है, जो जुलाई से पहले के 51.24 प्रतिशत से काफी अधिक है। त्योहारी सीजन के लिए तैयारी अभी से शुरू हो चुकी है, और यात्री वाहनों के 53.57 प्रतिशत डीलरों ने बुकिंग में बढ़ोतरी दर्ज की है। आपूर्ति की रुकावटों को दूर कर और नए मॉडल लाने की तैयारी कर कंपनियां इस मांग को भुनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सांख्यिकीय आंकड़े भी इस तेजी की पुष्टि करते हैं। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सायम) के अनुसार; जुलाई में यात्री वाहनों का उत्पादन सालाना आधार पर 26.4 प्रतिशत बढ़कर 5,05,520 इकाई हो गया, जबकि थोक आपूर्ति 34.3 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 4,57,810 वाहनों तक पहुंच गई। अप्रैल-जून तिमाही में भी उत्पादन और थोक आपूर्ति में क्रमशः 16.8 प्रतिशत और 25.9 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि देखी गई। खुदरा बिक्री भी मजबूत बनी हुई है; फाडा के अनुसार, जुलाई में खुदरा पंजीकरण में 19.13 प्रतिशत की वृद्धि हुई। हालांकि, थोक आपूर्ति में खुदरा बिक्री की तुलना में तेजी से हुई बढ़ोतरी से पता चलता है कि यह बढ़त त्योहारों के लिए स्टॉक जमा करने की वजह से है। डीलरों के पास मौजूदा स्टॉक फाडा के सुझाए गए 21 दिनों के मुकाबले बढ़कर 33 से 35 दिन तक पहुंच गया है, जिसमें आधे से अधिक डीलरों ने उच्च स्टॉक की सूचना दी है। फाडा ने आगाह किया है कि अगस्त और सितंबर में वृद्धि का श्रेय कम आधार प्रभाव को जाएगा, क्योंकि पिछले साल जीएसटी 2.0 से पहले खरीदारों ने खरीद टाल दी थी। दीवाली और धनतेरस का नवंबर में पड़ना इस साल अक्टूबर की तुलना को और जटिल बनाएगा, जिससे थोक बिक्री के बजाय खुदरा बिक्री ही उद्योग के लिए असली कसौटी होगी।

दो टूक आलोचनाओं पर गौतम गंभीर का जवाब

मेरा काम ट्रॉफियां जीतना है

कोलंबो एजेंसी। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने आलोचनाओं और बाहरी शोर को दरकिनार करते हुए साफ कहा है कि उनका एकमात्र लक्ष्य भारत के लिए ट्रॉफियां जीतना है। श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले गंभीर ने कहा कि उन्हें आलोचना, विचारों या लाइक्स की चिंता नहीं है और उनका पूरा ध्यान भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने पर है।

आलोचनाओं पर गंभीर का दो टूक जवाब

न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में हार तथा ऑस्ट्रेलिया दौरे पर मिली शिकस्त के बाद गंभीर की कोचिंग पर सवाल उठे हैं। हालांकि, इंग्लैंड दौरे पर भारत ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराई थी। आलोचनाओं को लेकर पूछे गए सवाल पर गंभीर ने कहा, 'मेरा काम ट्रॉफियां जीतना है। मैं सिर्फ इसी में विश्वास करता हूं और इसी की परवाह करता हूं। यही मेरे और बाकी लोगों के बीच अंतर है। मुझे विचारों या लाइक्स की चिंता नहीं है।'

अगरकर से सिर्फ क्रिकेट पर फोकस

चयन समिति के अध्यक्ष अजित अगरकर के साथ अपनी बातचीत के बारे में गंभीर ने कहा कि दोनों के बीच चर्चा का मुख्य विषय भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाना और सही फैसले करना होता है। उन्होंने कहा कि बातचीत इस बात पर केंद्रित रहती है कि भारतीय क्रिकेट को किस दिशा में आगे बढ़ाया जाए, क्या महत्वपूर्ण है और खेल की बेहतरी के लिए कौन से फैसले लेने चाहिए।भारत फिलहाल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की तालिका में पांचवें स्थान पर है। उससे ऊपर ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश हैं। हालांकि, गंभीर ने रैंकिंग को लेकर ज्यादा चिंता नहीं जताई। उन्होंने कहा, 'रैंकिंग मायने नहीं रखती। हम संघर्ष नहीं कर रहे हैं। इंग्लैंड दौरे के बाद से हमने संतोषजनक टेस्ट क्रिकेट खेला है।'

कुलदीप यादव का गंभीर ने किया बचाव

दूसरे टेस्ट में टीम संयोजन में बदलाव को लेकर गंभीर ने कोई स्पष्ट संकेत नहीं दिया। हालांकि, उन्होंने बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव का समर्थन किया। गंभीर ने कहा कि टीम ऐसी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी इकाई उतारने की कोशिश करेगी, जो 20 विकेट हासिल कर सके। गॉल टेस्ट में कुलदीप ने दोनों पारियों में कुल 25 ओवर गेंदबाजी की थी। उन्हें कम ओवर दिए जाने के सवाल पर गंभीर ने कहा, 'कुलदीप एक अच्छे गेंदबाज हैं और कभी-कभी यह कप्तान पर भी निर्भर करता है।'

सुथार और पडिक्कल के प्रदर्शन को सराहा

पहले टेस्ट में भारत की 165 रन की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले मानव सुथार और देवदत्त पडिक्कल की भी गंभीर ने जमकर सराहना की। पडिक्कल ने मैच में कुल 211 रन बनाए, जबकि सुथार ने गेंद से शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 विकेट हासिल किए। गंभीर ने कहा कि क्रिकेट में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं और खिलाड़ियों को पर्याप्त मौके देकर उनका समर्थन करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि किसी खिलाड़ी के बारे में फैसला सिर्फ एक-दो मैचों के प्रदर्शन के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए।

सलाह दी द्रविड़ ने तीनों प्रारूप में खेलने का किया समर्थन

टेस्ट क्रिकेट को वैभव की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ का मानना है कि टेस्ट क्रिकेट को वैभव सूर्यवंशी जैसे खिलाड़ी की जरूरत है। द्रविड़ ने कहा कि सूर्यवंशी को लाल गेंद क्रिकेट के लिए काफी समय और एक्सपोजर की जरूरत है। वैभव सूर्यवंशी इस बार दलीप ट्रॉफी में ईस्ट जोन की तरफ से खेल रहे हैं। दलीप ट्रॉफी की शुरुआत रविवार से हो रही है। वैभव इस दौरान टीम के उपकप्तान की भूमिका में भी नजर आने वाले हैं।

नई सनसनी बनकर उभरे हैं वैभव

वैभव सूर्यवंशी क्रिकेट की नई सनसनी बनकर उभरे हैं और उन्होंने आईपीएल 2026 में दमदार प्रदर्शन किया था। वैभव ने इसी साल इंग्लैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय में डेब्यू किया था। वैभव अगले महीने होने वाले एशियाई खेलों के लिए भी भारतीय टीम का हिस्सा हैं। राहुल द्रविड़ जब राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच थे तो राजस्थान फ्रेंचाइजी ने वैभव को आईपीएल नीलामी में खरीदा था। अब द्रविड़ ने वैभव को टेस्ट क्रिकेट के लिए तैयार बता दिया है।

द्रविड़ ने यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) के अनावरण के लिए डबलिन में एक इवेंट में कहा, यह बहुत अच्छी बात है कि वैभव को भारत में आईपीएल के जरिए कुछ सीमित ओवर प्रारूप में क्रिकेट खेलने का अनुभव मिल रहा है, लेकिन उन्हें भारतीय घरेलू सिस्टम में वापस जाकर लाल गेंद क्रिकेट खेलने और अपने टेस्ट करियर को आगे बढ़ाने का भी समय मिल रहा है। इस युवा बल्लेबाज को सीमित ओवर और टेस्ट क्रिकेट के बीच संतुलन बनाने की जरूरत है। हम सभी टेस्ट क्रिकेट को जिंदा देखना चाहते हैं और आगे बढ़ते देखना चाहते हैं। हमें वैभव जैसे खिलाड़ियों की जरूरत है ताकि वे सभी प्रारूप में खेल सकें।

द्रविड़ ने संयम रखने कहा

द्रविड़ ने कहा, अच्छी बात यह है कि उसे कुछ समय लगेगा, उसे कुछ अनुभव की जरूरत होगी। उसे बहुत सारा टेस्ट क्रिकेट खेलने का मौका मिलेगा। उसने शायद उतना टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है जितना सीमित ओवर प्रारूप में क्रिकेट खेला है। वह सिर्फ 15 साल का है। मुझे लगता है कि आपको उसे कुछ समय देना होगा और उसके साथ सब्र रखना होगा। जाहिर है वह शुरू से ही बहुत सफल रहा है, लेकिन वह अपने उतार-चढ़ाव से गुजरेगा और मुझे लगता है कि लोगों को उसके साथ सब्र रखना होगा।

वैभव के तीनों प्रारूप में खेलने का भरोसा

द्रविड़ का मानना है कि टी20 मौकों का पीछा करने के बजाय घरेलू टेस्ट क्रिकेट खेलने से बतौर बल्लेबाज वैभव का विकास होगा। उन्होंने कहा, हम सब याद रखें कि वैभव सिर्फ 15 साल के हैं और उन्हें अभी लंबा रास्ता तय करना है। मुझे उम्मीद है कि सूर्यवंशी आखिरकार उच्च स्तर पर लाल गेंद क्रिकेट में कदम रख पाएंगे और इंडिया के लिए सभी प्रारूप के खिलाड़ी बन पाएंगे। यह वैश्विक क्रिकेट के लिए उत्साहजनक होगा।मालूम हो कि सूर्यवंशी ने अब तक सिर्फ आठ प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं।

संक्षिप्त समाचार

फीफा ने अर्जेंटीना पर लगाया करोड़ों का जुर्माना और तीन खिलाड़ियों पर बैन

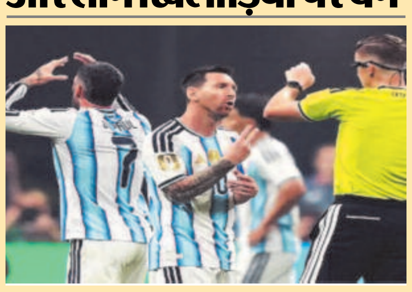

स्पेन (एजेंसी)। फुटबॉल की गवर्निंग बॉडी फीफा ने अर्जेंटीना की फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) अर्जेंटीनी खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ पर बड़ा बड़ा जुर्माना लगाया है. फीफा ने उनको ये सजा हाल ही में खत्म हुए फीफा वर्ल्ड कप में की गई गड़बड़ियों की वजह से दी है. जिसमें फाइनल में स्पेन के खिलाड़ी के साथ हुई झड़प भी शामिल है। इस झगड़े की वजह से फीफा ने अर्जेंटीना के चार और स्पेन के एक खिलाड़ी पर जुर्माना लगाया है. अर्जेंटीना के खिलाड़ियों में लिएंड्रो परेडेस को सबसे कड़ी सजा मिली है. इस मिडफील्डर को 10 मैचों के लिए सस्पेंड किया गया है और 90,000 एसडी का जुर्माना लगाया गया है. जबकि नाहुएल मोलिना को 7 मैचों का सस्पेंशन और 90,000 स्ठ और थियागो अल्माडा को एक मैच का सस्पेंशन और 30,000 स्ठ का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा स्पेन के असिस्टेंट कोच रॉबर्टो अयाला को तीन मैचों का सस्पेंशन और 30,000 स्ठ का जुर्माना लगाया गया है. वहीं स्पेन के एक खिलाड़ पाब्लो मार्टिन पेज गाविरा पर एक मैच का सस्पेंशन और 30,000 एसडी का जुर्माना लगाया गया है। खिलाड़ियों के अलावा फीफा ने अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन पर भी टूर्नामेंट के दौरान हुई कई घटनाओं के लिए 3.64 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है. जिसमें इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच जीतने के बाद खिलाड़ियों का फॉकलैंड आइलैंड्स से जुड़ा पॉलिटिकल बैनर ले जाना और समर्थकों द्वारा भेदभावपूर्ण नारे लगाना शामिल है।

लुसाने डायमंड लीग: नीरज चोपड़ा 9 सेंटीमीटर से चुके पहला स्थान

लुसाने (एजेंसी)। नीरज चोपड़ा ने 2026 सीजन का अपना बेस्ट थ्रो किया, लेकिन वो लुसाने डायमंड लीग में श्रीलंका के रुमेश पथिरागे से सिर्फ 9 सेंटीमीटर पीछे रह गए. जिसकी वजह से उनको दूसरे स्थान पर ही रहना पड़ा।नीरज चोपड़ा ने अपने दूसरे प्रयास में ही 88.05 मीटर का शानदार थ्रो किया, लेकिन पथिरागे ने अपने तीसरे प्रयास में 88.14 मीटर थ्रो करके लुसाने प्रतियोगिता अपने नाम कर ली. ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स 86.69 मीटर की दूरी के साथ तीसरे स्थान पर रहे।दो ओलंपिक पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने 83.54 मीटर के थ्रो के साथ अपनी शुरुआत की. इसके बाद उन्होंने अपने दूसरे प्रयास में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और 88.05 मीटर दूर भाला फेंककर पहले स्थान पर पहुंच गए. लेकिन श्रीलंका के उभरते हुए खिलाड़ी पथिरागे ने तुरंत अपने तीसरे प्रयास में 88.14 मीटर थ्रो करके नीरज से पहले स्थान छीन लिया। चोपड़ा अपने तीसरे थ्रो में केवल 83.72 मीटर ही दूर भाला फेंक पाए और चौथे प्रयास में फाउल कर बैठे. जबकि उन्होंने अपना पांचवां प्रयास नहीं किया. हालांकि, चोपड़ा अपने आखिरी और छठे थ्रो में जरूरी दूरी हासिल नहीं कर पाए।

बांग्लादेश की पहली पारी 64 पर ढेर

बदले की आग में मिचेल स्टार्क ने बरपाया कहर, पहले ही दिन गिरे 18 विकेट, ऑस्ट्रेलिया ने हासिल की मामूली बढ़त

मैके , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के शुरुआती दिन मामूली बढ़त हासिल कर ली। दिन का खेल समाप्त होने तक ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में आठ विकेट पर 165 रन बनाए हैं और उसे अब तक 101 रनों की बढ़त मिली है। स्टंप्स के समय कैमरन ग्रीन 51 और नाथन लियोन 10 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। इससे पहले, दूसरे ही सत्र में बांग्लादेश की पहली पारी 64 रन पर ऑलआउट हुई। लेकिन शोरिफुल इस्लाम ने ऑस्ट्रेलिया को लगातार झटके दिए जिससे टीम वापसी करने में सफल रही।

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी

बांग्लादेश को सस्ते में ऑलआउट करने के बाद उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही। शोरिफुल इस्लाम ने ऑस्ट्रेलिया को लगातार झटके दिए जिससे उसकी पारी लड़खड़ा गई। शुरुआती झटकों के बाद स्टीव स्मिथ और कैमरन ग्रीन ने ऑस्ट्रेलिया की पारी को संभाला और टीम को बढ़त दिलाई। स्मिथ 42 रन बनाकर आउट हुए और ग्रीन के साथ उनकी साझेदारी टूट गई। इसके बाद एक छोर से विकेट गिरते रहे, लेकिन ग्रीन टिके रहे और उन्होंने अर्धशतक पूरा किया। बांग्लादेश के लिए शोरिफुल ने छह विकेट लिए, जबकि तस्कीन अहमद और मेहदी हसन मिराज को अब तक एक-एक विकेट मिले।

पहला सत्र पूरी तरह ऑस्ट्रेलिया के नाम

स्टार्क ने बांग्लादेश की पारी लड़खड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। स्टार्क के आगे बांग्लादेश का बल्लेबाजी क्रम ताश के पत्तों की तरह बिखरता चला गया। इसके बाद पैट कमिंस ने मुशफिकुर रहीम को आउट कर बांग्लादेश को पहले ही सत्र में छठा झटका दिया। बांग्लादेश ने इस तरह 21 रन के स्कोर पर छह विकेट गंवा दिए। लंच तक बांग्लादेश का स्कोर छह विकेट पर 35 रन था।

चार बल्लेबाज खाता खोले बिना आउट

इससे पहले, मैके में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने इसे सही साबित करने में ज्यादा देर नहीं लगाई और बांग्लादेश को झटके पर झटके दिए। स्थिति यह रही कि पहले ही सत्र में बांग्लादेश ने छह विकेट गंवा दिए। मिचेल स्टार्क ने पहली पारी में शानदार गेंदबाजी की और शुरुआत से ही बांग्लादेश पर दबाव बनाया। स्टार्क पहली ही गेंद पर शादमान इस्लाम को पवेलियन भेजा और फिर अपने अगले ओवर की पहली गेंद पर तंजिद हसन तमीम को खाता खोले बिना आउट किया। अगली ही गेंद पर नजमुल हुसैन शांतो स्टार्क का तीसरा शिकार बने। स्टार्क हालांकि, हैट्रिक पूरी नहीं कर सके। स्टार्क ने फिर कैमरन ग्रीन के हाथों मोमिनुल हक को कैच कराया जो नौ रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद स्टार्क का पांचवां शिकार लिटन दास बने जो खाता खोले बिना आउट हुए। बांग्लादेश की बल्लेबाजी इस कदर खराब रही कि चार बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल सके।

दूसरे सत्र में हेजलवुड-कमिंस ने दिखाया दम

लंच ब्रेक के बाद जोश हेजलवुड और कमिंस ने दम दिखाया और दो विकेट झटकर बांग्लादेश को और मुश्किल में डाल दिया। कमिंस ने पहले मेहदी हसन मिराज को आउट किया जो 11 रन बनाकर आउट हुए और फिर हेजलवुड ने हसन महमूद को पवेलियन की राह दिखाई जो 10 रन बनाकर आउट हुए। कमिंस ने इसके बाद तस्कीन अहमद को आउट करने में ज्यादा देर नहीं लगाई और मैट रेनशॉ के हाथों कैच कराकर उनकी पारी का अंत किया। तस्कीन एक रन बनाकर आउट हुए। आखिरी विकेट गिराने के लिए हालांकि, ऑस्ट्रेलिया को थोड़ी मेहनत करनी पड़ी क्योंकि तैजुल इस्लाम और शोरिफुल इस्लाम के बीच 10वें विकेट के लिए 25 रनों की साझेदारी हुई। यह बांग्लादेश की पारी की सबसे बड़ी साझेदारी रही। इसे स्टार्क ने शोरिफुल को आउट कर तोड़ा। 11वें नंबर पर उतरे शोरिफुल ने बांग्लादेश के लिए पहली पारी में सबसे ज्यादा 14 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए स्टार्क ने छह, कमिंस ने तीन और हेजलवुड ने एक विकेट लिया।

मिचेल स्टार्क ने स्टेन को पीछे छोड़ा! 19वीं बार टेस्ट में लिए पांच से अधिक विकेट

ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेटों के मामले में दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन को पीछे दिया है। स्टार्क अब स्टेन को पीछे छोड़ते हुए टेस्ट क्रिकेट इतिहास के 10वें सफलतम गेंदबाज बन गए हैं। स्टार्क ने शनिवार से साउथ मैके में ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच शुरू हुए टेस्ट मैच के पहले दिन यह उपलब्धि हासिल की।

शुरुआती 22 गेंदों पर झटके पांच विकेट

साउथ मैके में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। स्टार्क ने अपनी आग उगलती गेंदबाजी से बांग्लादेश के शीर्ष क्रम बल्लेबाजी को तहस नहस कर दिया। स्टार्क ने अपनी शुरुआती 22 गेंदों पर ही पांच विकेट ले डाले। स्टार्क ने 10 ओवर की गेंदबाजी में छह मेडन फेंकते हुए मात्र 12 रन देकर छह विकेट लिए। इस दौरान पांचवां विकेट लेते ही उन्होंने डेल स्टेन को पीछे छोड़ दिया।

205 पारियों में 441 विकेट

36 साल के स्टार्क के अब 107 टेस्ट मैचों की 205 पारियों में 441 विकेट हो चुके हैं। स्टार्क टेस्ट मैच की एक पारी में 19 बार पांच या उससे अधिक विकेट ले चुके हैं, जबकि एक मैच में 10 या उससे अधिक विकेट तीन बार ले चुके हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 58 रन देकर सात विकेट है। स्टार्क से आगे अब वेस्टइंडीज के दिग्गज तेज गेंदबाज कॉर्टनी वॉल्श हैं। वॉल्श के नाम 132 टेस्ट में 519 विकेट हैं। देखना होगा कि स्टार्क इस रिकॉर्ड को तोड़ पाते हैं, या नहीं। डेल स्टेन ने 2004 से 2019 के बीच 93 टेस्ट मैचों में 439 विकेट लिए थे। स्टेन अब टेस्ट के सफलतम गेंदबाजों की सूची में 11वें नंबर पर चले गए हैं। टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट श्रीलंका के ऑफ स्पिनर मुथैया मुरलीधरन के नाम है। मुरलीधरन ने 1992 से 2010 के बीच 133 टेस्ट में 800 विकेट लिए हैं। दूसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के शेन वॉर्न हैं। वॉर्न ने 1992 से 2007 के बीच 145 टेस्ट में 708 विकेट लिए थे।

इंग्लैंड के खिलाफ पारी से हारने पर पाकिस्तान टेबल में सबसे नीचे खिसका

नईदिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट में पाकिस्तान की दूसरी पारी में सिर्फ 135 रनों पर ही सिमट गई. जिससे उनको पारी और 103 रनों से शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा. इसके साथ ही मेजबान टीम ने तीन दिन के अंदर ही शानदार जीत हासिल कर ली. पाकिस्तान की हार के लिए मुख्य रूप से रॉबिन्सन जिम्मेदार थे. उन्होंने मैच में 80 रन देकर 8 विकेट लिए और 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता।

पाकिस्तान टेबल में सबसे नीचे

पाकिस्तान ने पहली पारी में सिर्फ 171 रन बनाए थे. जबकि इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 409 रन बनाए. जिससे उनको 238 रनों की बढ़त मिल गई. इसके बाद पाकिस्तानी बल्लेबाज दूसरी पारी में इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों के जबरदस्त हमले का सामना नहीं कर सका. जोफ्रा आर्चर, जोश टोंग और ओली रॉबिन्सन ने मिलकर 9 विकेट लिए, जिससे इंग्लैंड ने एकतरफा जीत हासिल की और आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 साइकल में महत्वपूर्ण अंक प्राप्त किए।

इंग्लैंड की यह शानदार जीत जो रूट के फुल-टाइम टेस्ट कप्तान के तौर पर दूसरे कार्यकाल की मजबूत शुरुआत है. इससे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप टेबल में इंग्लैंड की स्थिति भी बेहतर हुई है. इंग्लैंड की रैंकिंग ऊपर चला गया है, जबकि पाकिस्तान वेस्टइंडीज से नीचे खिसककर 16 पॉइंट्स और 19.05 के पॉइंट्स प्रतिशत (पीसीटीक्ष्ट्र) के साथ टेबल में सबसे नीचे आ गया है। हालांकि इंग्लैंड स्टैंडिंग में सातवें स्थान पर बना हुआ है. ऑस्ट्रेलिया 77.78 पीसीटी के साथ स्टैंडिंग में टॉप पर बना हुआ है. दक्षिण अफ्रीका भी 75 पीसीटी के साथ स्टैंडिंग में दूसरे स्थान पर है।

पाकिस्तान की करारी हार

मैच की बात करें तो जब पाकिस्तान ने अपनी दूसरी पारी शुरू की, तो उन पर भारी दबाव था क्योंकि इंग्लैंड ने पहली पारी में 238 रनों की बढ़त बना ली थी. मेहमान टीम की मुश्किलें लगभग तुरंत ही शुरू हो गई जब आर्चर ने अपने पहले ही ओवर में इमाम-उल-हक (0) का विकेट ले लिया।

शान मसूद ने कई बाउंड्री लगाकर पलटवार करने की कोशिश की, लेकिन इंग्लैंड ने दबाव बनाए रखा. इसके बाद अब्दुल्ला शफीक (15) डिफेंस करते हुए एज लगने से आउट हो गए, और लंच से पहले ही पाकिस्तान और भी मुश्किल स्थिति में आ गया।

डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में बड़ा बदलाव

इसके बाद स्थिति और खराब हो गई जब टंग ने पाकिस्तान के मिडिल ऑर्डर को तहस-नहस कर दिया. सबसे पहले सऊद शकील (14) आउट हुए, और फिर इंग्लैंड के इस तेज गेंदबाज ने एक ही ओवर में मसूद (29) और सलमान आगा दोनों को आउट करके पाकिस्तान को हार की कगार पर धकेल दिया।

हालांकि मोहम्मद रिजवान ने 41 रन बनाकर कुछ हद तक संघर्ष किया, लेकिन रॉबिन्सन ने दूसरे छोर से कई सफलताएं हासिल कीं. आखिरकार गस एटकिंसन ने रिजवान की पारी का अंत किया और फिर आर्चर ने 38वें ओवर में आखिरी बल्लेबाज को आउट करके मैच खत्म कर दिया।

इससे पहले, पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम 171 रनों पर ऑल आउट हो गई थी, जिसमें रॉबिन्सन ने 51 रन देकर 5 और टंग ने 46 रन देकर 5 विकेट लिए थे. जवाब में इंग्लैंड के मिडिल ऑर्डर के चार बल्लेबाजों ने हाफ-सेंचुरी लगाई. जॉर्डन कॉक्स ने 73, जो रूट ने 66, हैरी ब्रूक ने 91 और डैन लॉरेंस ने 51 रन बनाए. इस मिली-जुली कोशिश से इंग्लैंड ने पहली पारी में 409 रन बनाए, जिससे उनको 238 रनों की बढ़त मिल गई. पाकिस्तान की तरफ से अली उस्मान ने 95 रन देकर 5 विकेट लिए।इस जीत के साथ इंग्लैंड तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे निकल गया है. सीरीज के दूसरा मैच लॉर्ड्स में 27 अगस्त से शुरू होगा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-5-6-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। आत्मचिंतन कर। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। यात्रा का योग बनेगा। विद्यार्थियों को लाभ। शुभांक-5-7-8

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा
शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। स्वविवेक से कार्य कर। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-7

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-6-7

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। उन्नति के योग हैं। शुभांक-4-5-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-7-8-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-4-6-8

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर वाले मदद करेंगे। शुभांक-5-7-9

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दे शुभांक-2-4-6

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। व्यवसायिक अभ्युदय होगा और प्रसन्नताएं बढ़ेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक यात्रा का योग हैं। शुभांक-5-6-7

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-4-6-8

काकुरो पहेली - 3986

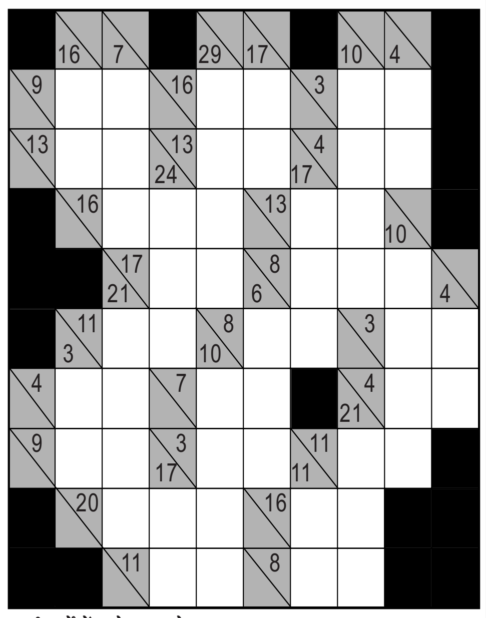

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

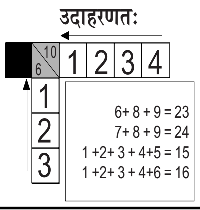

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो -3985 का हल

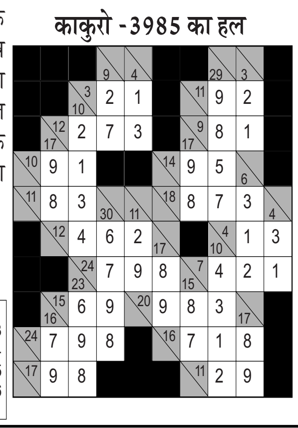

हंसी के फूव्वारें

एक बूढ़ा समाज सुधारक जेल में बंद युवक चोर को देखकर बोला- 'बेटे! तुम किसी बात की परवाह मत करो. जेल से बाहर निकलोगे तो मैं तुम्हारा पथ-प्रदर्शन करूंगा.'

'ठीक कहते हैं आप !' युवक चोर धीरे से बोला- 'दरअसल मुझसे भूल हो गई थी जो आप जैसे बुजुर्गों के पथ-प्रदर्शन के बिना ही इस रोजगार में लग गया.'

□ □ □

एक डाक्टर के पास एक वकील बैठा हुआ था. तभी एक औरत ने आकर डाक्टर से कोई सलाह ली और चली गई. उसके जाने के बाद डाक्टर ने वकील से पूछा- 'क्या मुझे इससे कुछ लेना चाहिये ?'

'क्यों नहीं !' वकील बोला- 'आखिर तुमने उसे अपनी व्यापारिक सेवाएं प्रदान की हैं.'

'मैं ऐसा ही करूंगा !' डाक्टर बोला.

वकील चला गया. फिर अगले दिन डाक्टर जैसे ही बिल बनाने के लिये मेज पर पहुँचा, उसकी नजर एक बिल पर पड़ी. लिखा था- 'कानूनी सेवाओं की फीस तीस रुपये.' नीचे वकील का नाम और पता लिखा हुआ था.

□ □ □

महिला- 'सुना है आप के सिर में गोबर भरा है.'

आदमी- 'जी हाँ पर क्यों ?'

महिला- 'जी मुझे गोबर गैस कनेक्शन लेना है.'

फिल्म वर्ग पहेली- 3986

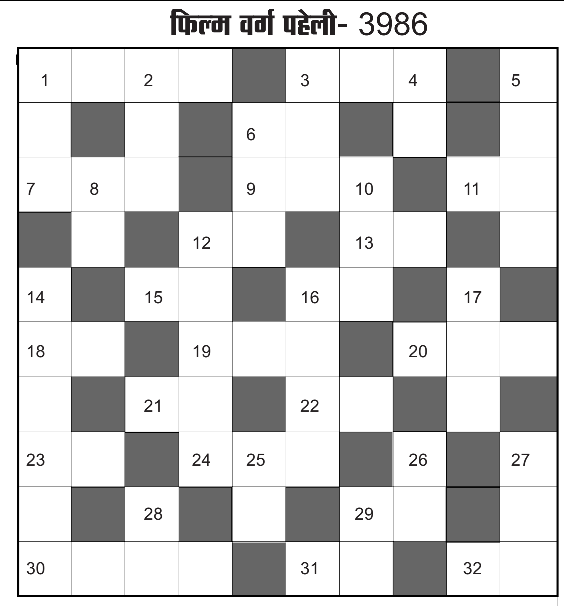

बायें से दायें:-

१. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
३. किरणकुमार, राधा सलूजा की 'दिल का नजराना ले ओ' गीत वाली फिल्म-३
६. 'आजा रे अब मेरा दिल पुकारा' गीत वाली राज कपूर, नर्गिस की फिल्म-२
७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला की 'खाई है रेहमने कसम संग रहने' गीत वाली फिल्म-३
९. करण दीवान, स्वर्णलता की सुपरहिट फिल्म-३
११. गुरूदत्त, वहीदा की फिल्म-२
१२. फिल्म 'जीत' में सलमान का नाम-२
१३. अजय, सोनाली की 'तुम आए तो आया मुझे याद' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करणनाथ, मनीषा, नतान्या सिंह की फिल्म-२
१६. सनी देओल, सुष्मिता की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-२
१८. अजय, आफजाब, विवेक, रितेश, लारा, अमृताराव की फिल्म-२
१९. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
२०. सचिन खेडेकर, तब्बू, स्मिता की अंडरवर्ल्ड पर बनी एक फिल्म-३
२१. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या की फिल्म-३
२२. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-२
२३. राजकुमार, शशि, साधना की फिल्म-२
२४. 'परदेसी तो हैं' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'दिल मेरे ना और इंतजार कर' गीत वाली शाहिद, करीना की फिल्म-२
३०. फिल्म 'रंगदे बसंती' के संगीतकार कौन थे ?-४
३१. 'दिल है छोटा सा छोटी सी आशा' गीत वाली फिल्म-२
३२. अभिषेक, उदय, जॉन, ईशा, रिमी सेन की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. नसीर, शाहरूख, रीनाराय की फिल्म-३
२. 'एक लड़की हो गई राजी' गीत वाली राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
३. जीतेंद्र, विश्वजीत, मुमताज की 'हमें तुमसे तुम्हें हमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'एक हसीना थी एक' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
५. किशोरकुमार, माला की 'प्यार का जहाँ हो छोटा सा' गीत वाली फिल्म-४
६. 'बेदर्दी बालमा तुझको मेरा मन' गीत वाली फिल्म-३
८. राज बब्बर, राजीव कपूर, डिम्पल की 'जीने दे ये दुनिया' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अली अली मैं जोगन बन गई' गीत वाली अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, रेखा की 'हाय मेरी मजबूर जवानी' गीत वाली फिल्म-२,३
१४. 'उंगली में अंगूठी' गीत वाली सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२,४
१६. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
१७. 'सगरे जगत का इक' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२५. राजेश खन्ना, पूनम ढिल्लों की 'ऐसी हसीन चाँदनी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'तू सामने जब आता है' गीत वाली फिल्म-३
२८. फिल्म 'मेहबूबा' में नायिका कौन थी-२
२९. रितिक रोशन, करिश्मा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3985

मु	सा	फि	र		प्या	र	ही	प्या	र
क्ति		जा	न	म		फ्ता		सी	
	प			ज	ह	र		शा	न
प्र	ति	ज्ञा		बू	म		उ	म	र
	ता		स	र		फू	ल		सि
सा		खौ	फ		न		झ		म्हा
व	क्त		र		म	हा	न	ता	
न		दी		नौ	क	र		ल	की
भा	ग्य	वा	न			जी	त		म
दो		ना		स	पू	त		भू	त

सूडोकु -3986

8	2	5		6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3985 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

शब्द पहेली - 3986

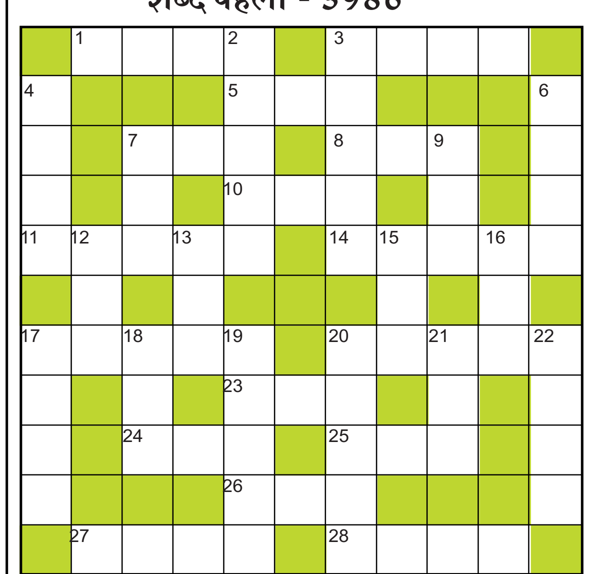

बाएँ से दाएँ

1.छुट्टी,रजा-4
3.वध,आघात-4
5.दशानन-3
7.अनमोल,अनूठा-3
8.अनाथ,बेसहारा-3
10.खजूर-3
11.रहम करना-2,3
14.गहराई नापना-2,3
17.लगातार,सतत-5
20.संतुष्ट होना-2,3
23.बीच में,दौरान-3
24.खुश,आनंदित-3
25.शिक्षा-3
26.शोक-3
27.जांचना,परखना-4
28.धार्मिक विधि का आयोजन करने वाला-4

ऊपर से नीचे

2.मयखाना,मधुशाला-5
3.प्रेमकहानी-5
4.चापलूसी-4
6.नटना,वचन तोड़ना-4
7.फिजूल,व्यर्थ-3
9.अव्यवस्थित समूह,भीड़-3
12.गुजर करना-3
13.वेग,गति-3
15.खूबसूरत-3
16.पर्वतीय मैदान, समतल पर्वत-3
17.गुजारिश,मांग-4
18.सुअर-3
19.गुस्सा होना-5
20.ममतापूर्ण-5
22.अयोग्य, असंगत-4

शब्द पहेली - 3985 का हल

क	ल	र	व				मु	का	ब	ला
मी			त	म	त	मा	ना			ज
श	व		न	या		न	दी		जी	वा
न	र	क		न	म	क		ख	रा	ब
	दा	म	न		जा		न	फा		
	न		ख	त		म	न		म	
		सा	रा		आ		द	म	न	
अ	ना	र		र	स	म		त	ह	री
मा	ता		ल	क		सौ	त		र	त
न			च	म	क	दा	र			स
त	क	दी	र				ल	ल	का	र

खुश रहने के उपाय

अगर आप खुश रहने की कला सीख जाएं तो आपके जीवन की आधी परेशानियां तो यूं ही हल हो जाएंगी। इसके लिए आपको ज्यादा कुछ करने की जरूरत नहीं है। बस, इन छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखें :

- संतुलित और पौष्टिक आहार लें, नियमित व्यायाम करें और प्रतिदिन आठ घंटे की नींद लें। इस तरह जब आपका शरीर पूर्णत: स्वस्थ होगा तो इससे मन भी प्रसन्न रहेगा।
- जीवन के प्रति अपना दृष्टिकोण सकारात्मक रखें। कभी भी अपने या दूसरों के बारे में बुरा न सोचें। हमेशा अच्छी बातें सोचें तो जीवन में सब कुछ अच्छा होगा।
- समस्याओं के बारे में चिंतित होने के बजाय उन्हें हल करने का रास्ता ढूंढें।
- अच्छा साहित्य पढने की आदत डालें। इससे आपका आत्मविश्वास बढेगा और आप अपने भीतर एक नया सकारात्मक बदलाव महसूस करेंगी।
- कभी बच्चों के साथ किसी पार्क में पिकनिक मनाने जाएं या उनके साथ खेलें बच्चों का साथ आपको खुशियों से भर देगा।
- शोध से यह साबित हो चुका है कि फूलों या पालतू जानवरों का साथ इंसान को तनावमुक्त रखने में सहायक होता है। तो फिर खुश रहने के लिए अपनी सुविधा अनुसार इन दोनों में से किसी एक का साथ चुन लें।
- किसी भी असफलता से दुखी न हों बल्कि दोगुने उत्साह के साथ फिर से मंजिल की ओर चल पडें। सफलता जरूर मिलेगी।
- प्रकृति का यह नियम है कि प्यार और खुशियां बांटने से बढती हैं। सबसे हमेशा प्यार से बातें करें। फिर देखिए, खुशियां कैसे आपके घर-आंगन में खिलखिलाती हैं।

कलर्ड बालों की बेहतर देखभाल

कलर्ड बालों की देखभाल अगर सही ढंग से न की जाए तो वे कुछ समय बाद कमजोर होकर टूटने लगते हैं। उनकीसेहत के लिए कंडीशनिंग बहुत जरूरी है। साथ ही कलर्ड बालों के लिए बने शैंपू का प्रयोग करना जरूरी होता है। बालों को चमकदार और स्वस्थ बनाने के लिए आप क्या करें, जानें।

- कलर्ड बालों को टेक्सचराइजिंग कट कराने से उनका लुक बहुत अच्छा आता है और वे ज्यादा आकर्षक लगते हैं। इतना ही नहीं कलर्ड बालों की नियमित ट्रिमिंग भी करानी जरूरी होती है।
- बालों में दही का पैक लगाएं या मेथी दाना पीसकर उसका पेस्ट बालों पर तकरीबन 20-25 मिनट तक लगाएं। इससे बालों को बॉडी मिलती है और केमिकल के कारण क्षतिग्रस्त हुए बालों को पोषण भी मिलता है।
- सूर्य की तेज अल्ट्रावॉयलट किरणों के प्रभाव से बचाने के लिए सनस्क्रीनयुक्त कंडीशनर या सीरम हफ्ते में एक-दो बार जरूर लगाएं। सीरम या कंडीशनर बालों की जड में नहीं बल्कि उनके सिरों पर लगाएं। हलका मसाज करते हुए पांच मिनट बाद बालों को साफ पानी से धो लें।
- हरी सब्जियों के छिलके पानी में उबालकर उस पानी से बालों को धोने से वे मजबूत और रेशमी मुलायम होते हैं।
- आलू के छिलके को सुखाकर रख लें। जब बाल धोने हों तो उससे पहले आलू के छिलकों को उबाल कर छान लें। जब पानी ठंडा हो जाए तब शैंपू करने के बाद उससे बाल धोने से बाल सिल्की, चमकीले और मुलायम होते हैं। यह कंडीशनर का भी काम करता है।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

मालामाल वीकली 2 में महेश मांजरेकर की एंट्री?

'मालामाल वीकली 2' को लेकर इन दिनों काफी हलचल है। फिल्म की स्टारकास्ट लगातार चर्चा में बनी हुई है। इसी बीच चर्चा शुरू हुई की फिल्म की कास्ट से अभिनेता महेश मांजरेकर भी जुड़ चुके हैं।

महेश के लिए खास किरदार, मेकर्स को भी पसंद आया

सूत्रों की माने तो इस फिल्म में महेश के लिए एक मजेदार किरदार है। मेकर्स को लगा कि इस रोल के लिए वह बिल्कुल सही रहेंगे। उन्हें भरोसा है कि महेश इस किरदार के साथ पूरा न्याय करेंगे और उनकी परफॉर्मेंस दर्शकों को पसंद आएगी। इस सीक्वल का ऑफर पाकर महेश भी खुश थे। उन्होंने हामी भी भर दी।

मैं इस बारे में ज्यादा नहीं बताना चाहता

इस बारे में जब महेश से बात की तो उन्होंने कहा, 'देखिए, मैं इस चीज का हिस्सा हो सकता हूं, या शायद नहीं भी...। सच कहूं तो मैं इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताना चाहता।' वहीं 'मालामाल वीकली' के पहले पार्ट के बारे में पूछने पर महेश ने कहा, 'जी हां, मैंने वो देखी है और मुझे वो बहुत अच्छी फिल्म लगी। वह एक मजेदार फिल्म थी। खेर, इससे ज्यादा मैं कुछ नहीं कह सकता।'

रितेश से एल्विश तक, ये सितारे आएंगे नजर

बता दें कि 'मालामाल वीकली 2' की कास्ट को लेकर अब तक सामने आई रिपोर्ट्स में रितेश देशमुख, परेश रावल, राजपाल यादव, एल्विश यादव, रवीना टंडन, परिणीति चोपड़ा, शिल्पा शिरोडकर, फरदीन खान के नाम शामिल हैं। फिल्म का निर्देशन 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' फेम अमित जोशी करेंगे और इसकी शूटिंग नवंबर से शुरू हो सकती है।

2006 में आई थी 'मालामाल वीकली'

'मालामाल वीकली' 2006 में रिलीज हुई थी। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी इस कॉमेडी फिल्म में परेश रावल, ओम पुरी, रितेश देशमुख और राजपाल यादव जैसे कलाकार नजर आए थे। गांव, लॉटरी और पैसों के लालच के इर्द-गिर्द घूमती इस कहानी ने अपनी देसी कॉमेडी से दर्शकों का खूब मनोरंजन किया था। फिल्म आज भी अपनी कॉमेडी और यादगार किरदारों के लिए जानी जाती है।

अगर मुझे सलमान सर के साथ स्टेज पर खड़े होने का मौका मिला तो मैं जरूर वापस जाऊंगी

अभिनेत्री डोनल बिष्ट अपने नए इंटरव्यू को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने बिग बॉस 15 में एक कंटेस्टेंट के तौर पर हिस्सा लिया था। वह घर में ज्यादा समय तक नहीं रह पाईं।

बातचीत के दौरान डोनल ने कहा कि वह बिग बॉस के लिए नहीं बनी थीं। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह कभी शो में वापस जाने का फैसला करेंगी, तो डोनल ने कहा कि सलमान खान उन्हें ऐसा करने नहीं देंगे। बातचीत में डोनल बिष्ट ने कहा, 'उस समय, जब मैं बाहर हुई तो बहुत से लोगों ने मुझ पर प्यार बरसाया।' उन्होंने आगे कहा 'वह प्लेटफॉर्म परखता है कि आप कितने स्मार्ट और चालाक हो सकते हैं।' वह आगे कहती हैं 'अगर आप असल जिंदगी में ऐसी चीजें नहीं जानते हैं, तो आप कुछ एक्स्ट्रा क्यों करेंगे?' अभिनेत्री ने बताया 'बिग बॉस हाउस का माहौल मुझे तब सूट नहीं किया।' डोनल बिष्ट ने यह भी बताया कि एक इंसान के तौर पर वह बिग बॉस के बाद बदल गई हैं। उन्होंने कहा, 'बिग बॉस के बाद, मैं देख पाई कि दुनिया कैसी है। मैं यह समझने लगी कि कौन दोमुंहा है और कौन मुझे नीचे खींचने की कोशिश कर रहा है। कुछ लोगों ने मुझे गुमराह किया, जिसकी वजह से मैंने कई प्रोजेक्ट्स खो दिए। मैंने हमेशा अपने आस-पास सही लोगों को रखने की कोशिश की।'

सलमान के साथ खड़ी होना चाहती हैं डोनल

जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें कभी दोबारा बिग बॉस में जाने में कोई दिलचस्पी है? इस पर डोनल बिष्ट ने कहा 'सलमान सर मुझे बिग बॉस करने नहीं देंगे। उन्होंने मुझसे कहा था कि मैं बिग बॉस के लिए नहीं बनी हूं। मैं सिर्फ काम के बारे में बात करती हूं। अगर मुझे सलमान सर के साथ स्टेज पर खड़े होने का मौका मिला तो मैं जरूर वापस जाऊंगी।'

ईशा कोप्पिकर ने ट्रोलर्स को लताड़ा

सोशल मीडिया पर साझा किया वीडियो

अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर ने खुद पर 'अंधभक्त' होने के इल्जामों पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अगर भारत से प्यार करना अंधभक्ति है तो उन्हें इस टैग पर गर्व है। जानें क्या बोंली ईशा? अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर ने एक पोस्ट इंस्टाग्राम पर साझा की। उन्होंने कहा कि वह भारत से प्यार करती हैं। इसके साथ ही वह किसी राजनैतिक पार्टी का हिस्सा नहीं हैं। ईशा ने कहा – अगर अपने देश से प्यार करना, भारत पर विश्वास करना और उसकी तरक्की चाहना भक्ति है, तो हां, मुझे अंधभक्त कहिए। मेरी भक्ति किसी राजनीतिक पार्टी के लिए नहीं, बल्कि अपने देश, अपने भारत के लिए है। राष्ट्र सबसे पहले है। इंसान जहां रहता है वह उसी जगह से प्यार और उसका सम्मान करना चाहिए। असली देशभक्ति तब है, जब कोई व्यक्ति अपने काम से देश को बेहतर बनाने की कोशिश करे। इसी सोच को देश के लिए भी बदलने की जरूरत है। हमें इसी तरह सोचना चाहिए।

एक्ट्रेस ने कहा सोच बदलना चाहिए

ईशा ने आगे अपने वीडियो में कहा, 'दोनों के बीच फर्क सिर्फ परिस्थितियों का नहीं, बल्कि सोच का है। इसी सोच को देश के लिए भी बदलने की जरूरत है। हमें हर समय यह पूछने के बजाय कि देश ने हमें क्या दिया, यह सोचना चाहिए कि हम देश को क्या दे सकते हैं। हमें यह विचार करना चाहिए कि अपने काम और सोच के जरिए भारत के लिए क्या बेहतर किया जा सकता है।'

कैप्शन में ट्रोलर्स को जवाब दिया

एक्ट्रेस ईशा कोप्पिकर ने इस वीडियो के साथ कैप्शन में भी लिखा, 'अगर भारत से प्यार करना 'अंधभक्ति' है, तो मैं इस पहचान को गर्व से अपनाती हूं। मुझे जो गलत लगता है, उस पर सवाल उठाती हूं और जो सही लगता है, उसकी तारीफ भी करती हूं। मेरे लिए मेरा देश सबसे ऊपर रहेगा।

ईशा कोप्पिकर का वर्कफ्रंट

साल 2000 में फिल्म 'फिजा' से हिंदी में अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री ईशा हाल ही में फिल्म 'लव यू लोकतंत्र' में नजर आईं। अभय निहलानी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में कृष्णा अभिषेक, अली असगरी, सपना चौधरी, रवि किशन और मनोज जोशी थे।

क्या अनुराग कश्यप करेंगे तीसरी शादी

अनुराग कश्यप ने साल 1997 में आरती बजाज से शादी की थी, 2009 में इनका तलाक हो गया। फिर निर्देशक ने साल 2011 में अभिनेत्री कल्कि केलकां से शादी की लेकिन साल 2015 में इनका भी तलाक हो गया। अब अनुराग एक शुभ्रा शेट्टी नाम की लड़की के साथ रिलेशनशिप में हैं। क्या वह शुभ्रा से तीसरी शादी करेंगे? जानिए, अनुराग ने क्या इस बारे में क्या प्रतिक्रिया दी।

शादी के सवाल पर क्या था अनुराग का जवाब?

हाल ही में जेनिस सिकेरा के यूट्यूब चैनल पर अनुराग ने अपनी जिंदगी को लेकर लंबी बातचीत की। वह इस बातचीत में अपने शादी के प्लान के बारे में कहते हैं, 'शुभ्रा शादी में यकीन नहीं रखती हैं। मैं भी उनके साथ बहुत खुश हूं। मैं उनके साथ रहना चाहता हूं। इसके लिए जो भी करना पड़े करूंगा। जिंदगी में बहुत कुछ है। एक बूढ़े आदमी की क्या इनसिक्योरिटी हो सकती है? मैं बस इतना सेहतमंद रहना चाहता हूं कि जिन लोगों से मैं प्यार करता हूं, उनसे ज्यादा समय तक जिंदा रहूं।'

एक वक्त शुभ्रा को खुद से दूर करना चाहते थे अनुराग

अनुराग, शुभ्रा के बारे में भी बताते हैं। वह कहते हैं, 'हमने कई पल साथ बिताए हैं। हम कभी-कभी झिझक महसूस करते थे। मैं ज्यादा झिझकता था और सिर्फ ज्यादा झिझकता ही नहीं था, एक समय तो मैं इतना ज्यादा झिझकने लगा था कि शुभ्रा को दूर करने की पूरी कोशिश कर रहा था। अनुराग आगे कहते हैं, 'उनके चेहरे से उनकी उम्र का पता नहीं चलता। वह आज भी वैसी ही दिखती हैं। वह अपनी उम्र की नहीं लगती हैं। तो बात यह है कि जैसे-जैसे मैं बूढ़ा होता गया और वह वैसी ही दिखती रहीं, तब मुझे थोड़ी झिझक होने लगी।' बता दें कि अनुराग कश्यप 53 साल के हैं, जबकि शुभ्रा 32 या 33 साल की हैं।

कौन है शुभ्रा शेट्टी?

शुभ्रा शेट्टी की बात करें तो वह अनुराग कश्यप की प्रोडक्शन कंपनी फैंटम फिल्म्स में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम करती थीं। अनुराग को पहली बार 2015 में शुभ्रा के साथ देखा गया था। 2018 के एक इंटरव्यू में ही अनुराग ने पहली बार माना था कि वह शुभ्रा के साथ रिलेशनशिप में हैं।

सुकृति कक्कड़ ने बताया शादी का प्लान

सिंगर सुकृति कक्कड़ ने अपने पांच साल के रिश्ते को तब तक लोगों की नजरों से दूर रखा, जब तक कि वे इसे सबके सामने लाने के लिए तैयार नहीं हो गईं। सिंगर ने इंस्टाग्राम पर मुंबई के एंटरप्रेन्योर शौमिक शेट्टी के साथ अपनी सगाई की घोषणा की। 31 जुलाई को टस्कनी में सगाई करने वाले इस कपल ने बताया कि अपने रिश्ते को प्राइवेट क्यों रखा? बातचीत में सिंगर ने कहा कि जब हम इस रिश्ते में आए, तो हमें अपने रिश्ते पर बहुत गर्व हुआ। हमने सोचा कि जब सही समय आएगा तभी इसकी घोषणा करना सही रहेगा। सुकृति कहती हैं कि जब आप रिश्ते छिपाते हैं, तो यह आपकी पर्सनैलिटी का हिस्सा बन जाता है। हमारे परिवारों और कुछ करीबी दोस्तों को हमेशा पता था। हमें इसे प्राइवेट रखना पसंद है और यह हमेशा ऐसा ही रहेगा। इसकी बहुत अहमियत है। मैं 'नजर' में बहुत विश्वास रखती हूं।

कपल ने यह भी बताया कि वे अपने रिश्ते और प्रोफेशनल जिंदगी को अलग-अलग रखना चाहते थे। कक्कड़ कहती हैं, 'हम अपने काम पर बहुत फोकस्ड हैं। इसलिए, ऐसी कोई भी चीज जो हमारे काम से ध्यान भटकाए, हम शुरुआत में नहीं चाहते थे। मगर अब हम इसे पूरी गरिमा के साथ सबके सामने लाना चाहते हैं।' इस कपल का कहना है कि उनके अलग-अलग व्यक्तित्व और प्रोफेशन उनके लिए फायदेमंद रहे हैं। शौमिक कहते हैं कि 'वह बहुत ही नारी-सुलभ और चुलबुली थीं और पार्टी की जान थीं। आप देख सकते थे कि हर कोई उनकी ओर चुंबक की तरह खिंचा चला आ रहा था। मुझे उनकी यह बात बहुत पसंद आई।'

प्रोसित रॉय की साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म में लक्ष्य की एंट्री? दिखेगा अलग अवतार

'किल', 'चांद मेरा दिल' और 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' जैसे प्रोजेक्ट्स में नजर आ चुके लक्ष्य इन दिनों अपनी आगामी फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक लक्ष्य 'राख' फेम निर्देशक प्रोसित रॉय की फिल्म में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनकी एंट्री हो गई है। यह रोमांटिक लव स्टोरी फिल्म बताई जा रही है, जो साइकोलॉजिकल थ्रिलर होगी।

कब से शुरू हो सकती है शूटिंग?

रिपोर्ट के मुताबिक, करण जौहर ने 'राख' के डायरेक्टर प्रोसित रॉय को एक अनोखी साइकोलॉजिकल लव स्टोरी डायरेक्ट करने के लिए साइन किया है। इस फिल्म की शूटिंग 2026 में शुरू होने वाली है। इसी में एक नया अपडेट यह है कि फिल्म में एक्टर लक्ष्य की एंट्री हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, प्रोसित रॉय अपनी अगली फिल्म के लिए लक्ष्य के साथ काम करने जा रहे हैं। सूत्र ने बताया, 'लक्ष्य, प्रोसित रॉय के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं। यह फिल्म एक लव स्टोरी है, जिसमें साइकोलॉजिकल ट्विस्ट है। ऐसी फिल्म पहले कभी नहीं बनी है। लक्ष्य और प्रोसित रॉय, दोनों ही इसके लिए उत्साहित हैं।

लक्ष्य का दिखेगा अलग अवतार

रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रोसित ने हाल ही में लक्ष्य को फिल्म की कहानी सुनाई और एक्टर को रोमांस का यह अनोखा अंदाज बहुत पसंद आया। लक्ष्य ने 'किल' में अपनी दमदार अदाकारी के लिए खूब तारीफें बटोरीं। लक्ष्य अब प्रोसित रॉय की अगली फिल्म के साथ एक और अलग तरह के जॉनर को आजमाना चाहते हैं। फिल्म 'किल' में लक्ष्य जबर्दस्त एक्शन करते हुए नजर आए थे। वहीं यह फिल्म उन्हें बिल्कुल अलग अवतार में पेश करती है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका के अलास्का में चार्टर विमान हुआ क्रैश, दो पायलटों समेत आठ की मौत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के अलास्का में हुए एक बड़े विमान हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई है। पश्चिमी अलास्का में चार्टर विमान क्रैश हो गया और उसमें सवार दो पायलटों समेत कुल आठ लोगों की मौत हो गई। अमेरिका की सेना ने सभी आठों लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है। एक संघीय अधिकारी ने बताया कि विमान उड़ान भरने के बाद पश्चिमी अलास्का के रिमोट इलाके में रडार से गायब हो गया था। अधिकारियों ने बताया कि चार्टर विमान ने एंकरेज इलाके से उड़ान भरी थी और गुरुवार दोपहर में वह केप न्यूनहैम इलाके में रडार से गायब हो गया। इसके बाद राहत और बचाव दल विमान की तलाश में जुटा। अब अमेरिकी सेना ने विमान के क्रैश होने की पुष्टि कर दी है और बताया कि विमान में सवार सभी लोगों की मौत हो गई है। अमेरिकी सेना ने बयान जारी कर मृतकों के प्रति संवेदना जाहिर की है।

टेक दिग्गज अपने बच्चों को सोशल मीडिया से क्यों रखते हैं दूर, दूसरों पर क्या हो रहा असर

वाशिंगटन, एजेंसी। सोशल मीडिया और डिजिटल तकनीक ने हमारी जिंदगी को आसान और तेज बनाया है। लेकिन इस तकनीक की दुनिया के बड़े नाम अपने बच्चों के मामले में इसके इस्तेमाल को सीमित रखने की कोशिश करते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि जिन लोगों ने डिजिटल दुनिया को इतना बड़ा बनाया, वे अपने बच्चों को इससे क्यों दूर रखना चाहते हैं क्या सोशल मीडिया बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और व्यवहार को प्रभावित कर रहा है विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़े क्या कहते हैं दुनिया के कई देश बच्चों के लिए सोशल मीडिया की उम्र सीमा तय करने की ओर क्यों बढ़ रहे हैं इन प्लेटफॉर्मस पर कब-कब ऐसे मामले देखने को मिले हैं भारत इस दिशा में क्या कर रहा है मेटा के प्रमुख मार्क जुकरबर्ग ने कहा था कि वह नहीं चाहते कि उनके बच्चे लंबे समय तक टीवी या कंप्यूटर के सामने बैठे रहें। उनके अनुसार लोगों के साथ बातचीत करना अच्छी बात है, लेकिन लगातार एक वीडियो से दूसरे वीडियो पर जाना उतना सकारात्मक नहीं है।

ईरान के ड्रोन हमलों के बीच अमेरिका का बड़ा फैसला, क्यों बंद की यूरोप की अहम यूनिट

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने यूरोप में ड्रोन युद्ध की तकनीक पर काम कर रही अपनी एक विशेष यूनिट को बंद करने का फैसला किया है। यह यूनिट पिछले करीब एक साल से ड्रोन बनाने, उनका इस्तेमाल करने और युद्ध के दौरान ड्रोन से लड़ने की रणनीति पर प्रयोग कर रही थी। अब इसे दोबारा एक पारंपरिक एयरबोर्न इन्फैंट्री बटालियन के रूप में काम करने का निर्देश दिया गया है। यह यूनिट इटली और जर्मनी में तैनात 173वीं एयरबोर्न ब्रिगेड का हिस्सा है। पिछले साल नवंबर में करीब 600 सैनिकों की एक बटालियन को विशेष रूप से ड्रोन युद्ध के लिए तैयार किया गया था। इसका उद्देश्य ऐसी तकनीक और रणनीति विकसित करना था, जिसे जरूरत पड़ने पर किसी भी युद्ध क्षेत्र में इस्तेमाल किया जा सके। अमेरिकी सेना ने यूक्रेन और रूस के बीच लंबे समय से चल रहे युद्ध में ड्रोन के बड़े पैमाने पर इस्तेमाल से सीख लेने के लिए यह प्रयोग शुरू किया था। यूक्रेन ने युद्ध में कम लागत वाले ड्रोन, खासकर ड्रोन, का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया है। 173वीं एयरबोर्न ब्रिगेड के सैनिक इटली में एक विशेष ड्रोन लैब में अपने हमलावर ड्रोन भी तैयार कर रहे थे। सेना के मुताबिक, सैनिक ड्रोन के साथ-साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऐसे ड्रोन विकसित करने पर भी काम कर रहे थे, जिन्हें दुश्मन की जैमिंग तकनीक से बचाया जा सके। अमेरिकी सेना के अधिकारियों के मुताबिक, विशेष ड्रोन यूनिट इस महीने और अगले महीने जर्मनी में होने वाले दो बड़े सैन्य अभ्यासों के बाद अपना प्रयोगात्मक काम पूरा करेगी। इसके बाद यूनिट की ओर से पिछले एक साल में हासिल की गई जानकारी और अनुभव सेना को सौंपा जाएगा। सेना का कहना है कि इन अनुभवों का इस्तेमाल भविष्य में सैनिकों की तैनाती, सैन्य ढांचे और ड्रोन से जुड़ी नई तकनीक के विकास की योजना बनाने में किया जाएगा। इस फैसले की खास बात यह है कि अमेरिकी सेना के लिए ड्रोन युद्ध का महत्व लगातार बढ़ रहा है। ईरान के साथ युद्ध के दौरान ईरान ने कम लागत वाले शाहेद ड्रोन का इस्तेमाल अमेरिकी जहाजों और सैन्य ठिकानों के खिलाफ किया। इन हमलों में अमेरिकी सैनिकों के मारे जाने, एक सेना के हेलिकॉप्टर के गिरने और महंगे इंटरसेप्टर मिसाइलों के इस्तेमाल की बात सामने आई है।

न्यूयॉर्क कैपिटल-टाइम्स स्[ायर उड़ाने की थी साजिश: यूएस ने नाकाम किया आईएसआईएस का बड़ा हमला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अधिकारियों ने अल्बानी स्थित न्यूयॉर्क कैपिटल पर कथित बम हमले की साजिश को नाकाम करते हुए 35 वर्षीय जेसिका बोवी को गिरफ्तार किया है। संघीय जांच ब्यूरो के अनुसार, वह आईएसआईएस के प्रति समर्थन जता चुकी थी, हमले के लिए सरकारी इमारतों की रेकी कर चुकी थी और विस्फोटक को भोजन पहुंचाने की सेवा के जरिए अंदर पहुंचाने की योजना बना रही थी। अधिकारियों ने बताया कि उसे एक निष्क्रिय विस्फोटक और नकली बंदूक दिए जाने के बाद न्यूयॉर्क कैपिटल के पास गिरफ्तार किया गया।

आतंकी संगठन को मदद देने की कोशिश का आरोप : बोवी को गुरुवार को गिरफ्तार किए जाने के बाद विदेशी आतंकवादी संगठन को मदद पहुंचाने की कोशिश के आरोप में गिरफ्तार किया गया। उसे न्यूयॉर्क की राजधानी अल्बानी की संघीय अदालत में पेश किया गया, जहां एक संघीय मजिस्ट्रेट ने उसे हिरासत में भेज दिया। उसके खिलाफ दायर शिकायत में संघीय जांच ब्यूरो ने कहा है कि करीब पांच साल पहले इस्लाम धर्म अपनाने के बाद बोवी ने कुनिया यानी सम्मानसूचक इस्लामी नाम आयशा सैफ अपना लिया था। सामाजिक माध्यमों पर उसने 2001 में अल-कायदा के आतंकवादियों द्वारा किए गए 9/11 हमलों के समर्थन में पोस्ट किए थे।

सामाजिक माध्यमों पर

अमेरिका विरोधी बयान : संघीय जांच ब्यूरो के अनुसार, बोवी ने कई अन्य अमेरिका विरोधी टिप्पणियां भी की थीं और आतंकवादी संगठनों के प्रति समर्थन जताया था। एक संघीय जांच ब्यूरो के मुखबिर ने उससे संपर्क किया। अदालत में दाखिल शिकायत के अनुसार, बातचीत के दौरान बोवी ने आतंकवादी हमला करने में रुचि दिखाई। उसने कथित तौर पर मुखबिर से कहा, काफिरों का दिमाग उड़ा देना खूबसूरत है।

आईएसआईएस प्रमुख के प्रति निष्ठा की शपथ का दावा : शिकायत के मुताबिक, अपनी प्रतिबद्धता साबित करने के लिए बोवी ने विश्वासियों के कमांडर और मुसलमानों के खलीफा, मुजाहिद शेख अबू हाफा अल-हाशिमी अल-कुरैशी के प्रति पारंपरिक इस्लामी निष्ठा की शपथ यानी बयाह पूरी कर ली है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, वह इस्लामिक स्टेट आतंकी संगठन का प्रमुख है।

अल्बानी में सरकारी इमारतों की रेकी : संघीय जांच ब्यूरो की शिकायत के अनुसार, बोवी ने अल्बानी में कई इमारतों की रेकी की। इनमें गवर्नर का कार्यालय भी शामिल था। बाद में उसने न्यूयॉर्क कैपिटल को निशाना बनाने का फैसला किया, जहां राज्य की विधायिका का कामकाज होता है। मुखबिर ने उसकी मुलाकात दो अन्य मुखबिरों से कराई। इन दोनों ने बोवी के समर्थक होने का दिखावा किया और उसकी योजना में मदद करने की पेशकश की।

जितना संभव हो सके उतना नुकसान पहुंचाने की योजना : शिकायत में आरोप लगाया गया है कि बोवी ने दोनों से कहा कि वह इमारत को जितना संभव हो सके उतना नष्ट करना और बैठक के दौरान राज्य के सीनेटरों को मारना चाहती है। उसने कहा कि जिस जोखिम का वह सामना कर रही थी, उसके बदले वह केवल एक या दो लोगों को मारना नहीं चाहती, बल्कि इससे कहीं अधिक बड़ा नुकसान करना चाहती है। संघीय जांच ब्यूरो के विशेष एजेंट क्रेग ट्रेमारोली ने पत्रकारों से कहा कि बोवी सिर्फ सांसदों को मारना नहीं चाहती थी, बल्कि वह हमारी सरकार के विनाश की मंशा रखती थी।

टाइम्स स्क्वायर और व्हाइट हाउस भी निशाने पर : अदालत में दाखिल शिकायत के अनुसार, बोवी ने हमले के बाद भाग निकलने और देश से बाहर जाने के लिए विमान पकड़ने की इच्छा जताई थी, हालांकि उसे खुद भी यकीन नहीं था कि वह ऐसा कर पाएगी। उसने धमकी दी थी कि वह वापस लौटकर और हमले करेगी। इनमें नए साल की पूर्व संध्या पर टाइम्स स्क्वायर में हमला भी शामिल था। शिकायत के अनुसार, वह व्हाइट हाउस को भी निशाना बनाना चाहती थी, लेकिन उसका मानना था कि वहां हमला करना अधिक मुश्किल होगा।

भोजन पहुंचाने वाले थैले में विस्फोटक पहुंचाने की योजना : हमले की कथित योजना के तहत बोवी ने कहा था कि विस्फोटक को खाने की डिलीवरी के सामान के रूप में अंदर पहुंचाया जाएगा। इसके लिए उसने एक भोजन पहुंचाने वाली सेवा से थैला भी हासिल किया था। संघीय जांच ब्यूरो के मुताबिक, जब उसने वह सामग्री खरीद ली।

47 परिवारों को 500 करोड़ रुपये देगा हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, मुर्दाघर प्रबंधक ने बेच दिए थे शवों के अंग

बोस्टन, एजेंसी। अमेरिका के प्रतिष्ठित हार्वर्ड मेडिकल स्कूल ने उन परिवारों को 5.3 करोड़ डॉलर (करीब 500 करोड़ रुपये) देने पर सहमति जताई है, जिनके परिजनों के शवों के अंग चोरी कर काले बाजार में बेचे गए थे। यह मामला स्कूल के पूर्व मुर्दाघर प्रबंधक सेड्रिक लॉज से जुड़ा है। अदालत की मंजूरी मिलने के बाद दो अलग-अलग सामूहिक मुकदमों के निपटारे के लिए यह रकम दी जाएगी। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के डीन जॉर्ज क्यू. डेली और बर्नार्ड एस. चांग ने एक पत्र में लॉज की करतूत को बेहद घृणित और मेडिकल समुदाय के मूल्यों के साथ विश्वासघात बताया। उन्होंने प्रभावित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना भी जताई।

47 परिवारों ने किया था मुकदमा : इस मामले में उन 47 लोगों के परिजनों ने मुकदमा दायर किया, जिन्होंने मेडिकल रिसर्च और पढ़ाई के लिए अपने शरीर दान किए थे। हार्वर्ड का कहना है कि वह यह निश्चित तौर पर नहीं बता सकता कि लॉज ने किन-किन दानदाताओं के शवों से अंग निकाले थे। स्कूल ने 2018 से मार्च 2023 के बीच दान किए गए शवों के रिकॉर्ड और संघीय जांच से मिली जानकारी की समीक्षा की। इसी आधार पर संभावित रूप से प्रभावित दानदाताओं की पहचान करने की कोशिश की गई।

दिमाग से लेकर हाथ और चेहरे तक बेचे : लॉज को 2023 में गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों के मुताबिक, वह शवों के अंग चोरी कर उन्हें दूसरे राज्यों में खरीदारों तक पहुंचाने वाले एक भयावह नेटवर्क के केंद्र में था। उसने शवों से दिमाग, त्वचा, हाथ और चेहरे तक निकालकर बेच दिए। एक मामले में उसने एक खरीदार को मानव त्वचा दी थी, जिसका इस्तेमाल चमड़ा बनाकर एक किताब की जिल्द तैयार करने में किया जाना था। अभियोजक ने इसे बेहद भयावह घटना बताया था। लॉज ने अदालत में स्वीकार किया था कि वह शवों को अंतिम संस्कार के लिए भेजे जाने से पहले उनके अंग निकालता था। हार्वर्ड ने स्पष्ट किया है कि उसने यह काम संस्थान की जानकारी या अनुमति के बिना किया। सेड्रिक लॉज को पिछले साल आठ साल जेल की सजा सुनाई गई थी। उसकी पत्नी डेनिस लॉज को भी इस मामले में मदद करने के लिए एक साल से कुछ अधिक समय की जेल हुई। इसके अलावा लॉज से शवों के अंग खरीदने वाले छह अन्य लोगों ने भी अपना अपराध स्वीकार किया और उन्हें सजा सुनाई गई। समझौते के तहत हार्वर्ड प्रभावित परिवारों को भुगतान करने के साथ-साथ एक आधिकारिक बयान भी देगा, जिसमें लॉज के कृत्य की निंदा की जाएगी और मेडिकल स्कूल के शव दान कार्यक्रम में किए गए सुधारों की जानकारी दी जाएगी।

नूर खान एयरबेस पर दिखा तुर्किये का सैन्य विमान, ऑपरेशन सिंदूर के बाद फिर क्यों बढ़ी हलचल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान और तुर्किये के बीच रक्षा सहयोग को लेकर एक नई हलचल सामने आई है। मक्का रक्षा समझौते के बाद तुर्किये वायुसेना का एक सैन्य परिवहन विमान पाकिस्तान के रावलपिंडी स्थित नूर खान एयरबेस पहुंचा। विमान 18 अगस्त को वहां पहुंचने और लौटने के दौरान दर्ज किया गया। इसी एयरबेस को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय कार्रवाई में निशाना बनाया गया था।

इस घटनाक्रम के बाद भारतीय सुरक्षा एजेंसियां पाकिस्तान में तुर्किये की सैन्य गतिविधियों पर नजर रख रही हैं। एविएशन हिस्ट्री के आंकड़ों के अनुसार तुर्किये वायुसेना का एयरबस ए-400एम एटलस विमान 18 अगस्त को नूर खान एयरबेस पहुंचा और वहां से वापस लौटा। विमान का कॉलसाइन टीयूएएफ526 बताया गया है। रक्षा सूत्रों के अनुसार, तुर्किये की ओर से उन्नत ड्रोन, हथियार और अन्य सैन्य साजो-सामान पाकिस्तान पहुंचाए जाने की आशंका है। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में इस विमान के जरिए भेजे गए सामान की पूरी सूची सामने नहीं आई है। भारतीय एजेंसियां इस गतिविधि को गंभीरता से देख रही हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी तुर्किये की ओर से पाकिस्तान को सैन्य साजो-सामान दिए जाने की बात सामने आई थी। मई 2025 में पाकिस्तान ने तुर्किये मूल के असिसगार्ड सोंगर और यिहा-3 ड्रोन का इस्तेमाल किया था, जिन्हें भारतीय कार्रवाई में नष्ट किया गया था। पाकिस्तान अपनी सैन्य क्षमता को चीन के साथ-साथ तुर्किये के तेजी से विकसित हो रहे रक्षा उद्योग और मानवरहित प्रणालियों से भी जोड़ रहा है। इससे दोनों देशों के रक्षा संबंध भारत के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हो जाते हैं। पाकिस्तान और तुर्किये के बीच ड्रोन तकनीक को लेकर सहयोग पहले भी सामने आता रहा है। मई में पाकिस्तानी वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्धू ने तुर्किये में बायकर के चेयरमैन सेल्चुक बेरक्तार से मुलाकात की थी। बायकर बायरक्तार टीबी-2, अकिन्जी और केजिलेलमा जैसे मानवरहित युद्धक विमान विकसित करने वाली कंपनी है।

दो हफ्ते में परमाणु बम बना लेता ईरान, ट्रंप का तेहरान हमलों पर बड़ा दावा, होर्मुज पर कब्जे को लेकर क्या कहा

वॉशिंगट, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका ईरान से जुड़े रणनीतिक जलमार्गों पर लगभग नियंत्रण कर रहा है और जल्द ही वहां पूरी तरह नियंत्रण हासिल कर लेगा। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान को कभी भी परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

ट्रंप ने कहा, जब हमने बी-2 बमवर्षकों से उन पर हमला किया, तब वे परमाणु हथियार हासिल करने से ठीक दो सप्ताह दूर थे। यही वजह थी कि मुझे ऐसा करना पड़ा। ट्रंप ने अपने पूर्व निजी वकील माइकल कोहेन के साथ एक साक्षात्कार में ईरान के खिलाफ अपनी सैन्य कार्रवाई का बचाव किया। उन्होंने यह भी माना कि इस संघर्ष के कारण अमेरिकी लोगों को पेट्रोल और ऊर्जा की अधिक कीमत चुकानी पड़ सकती है। ईरान के साथ अमेरिका का समझौता करना क्यों हुआ मुश्किल 77 डब्ल्यूएबीसी रेडियो पर प्रसारित साक्षात्कार में ट्रंप ने कहा, अब ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होगा। हम जलडमरूमध्य पर नियंत्रण कर रहे हैं और जल्द ही पूरा नियंत्रण कर लेंगे। हम ईरान के साथ बहुत अच्छा कर रहे हैं। बुधवार को जारी साक्षात्कार के इस हिस्से में ट्रंप ने जलमार्गों का नाम नहीं बताया। उन्होंने कहा कि ईरान की नौसेना, वायुसेना और नेतृत्व को गंभीर नुकसान पहुंचा है, जिससे बातचीत के जरिए समझौता करना मुश्किल हो गया है। ट्रंप ने कहा, समस्या का एक हिस्सा यह है कि बहुत से नेता चले गए हैं। समझौता करना आसान नहीं है। कोई नहीं जानता कि नेतृत्व कौन कर रहा है। अमेरिका में बढ़ती ऊर्जा कीमतों पर क्या बोले ट्रंप उन्होंने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए अमेरिकी उपभोक्ताओं को बढ़ी हुई कीमतों का सामना करना पड़ सकता है। राष्ट्रपति ने कहा, और मैं उनसे कहता हूं कि आपकी ऊर्जा की लागत थोड़ी अधिक होगी, पेट्रोल की कीमत भी थोड़ी अधिक होगी। लेकिन हमें मध्य पूर्व का सफर तय करना होगा, क्योंकि हम ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दे सकते। उन्होंने दावा किया कि ईरान को सैन्य रूप से पूरी तरह तबाह कर दिया गया है और उसकी मिसाइलों तथा ड्रोन बनाने की क्षमता काफी कम हो गई है। उन्होंने बढ़ती महंगाई, कमजोर मुद्रा और सैन्यकर्मियों को वेतन नहीं मिलने का भी जिक्र किया और इन्हें तेहरान पर बढ़ते दबाव का संकेत बताया। उन्होंने कहा, मैंने ऐसा क्यों किया, और हमारे पास कोई विकल्प नहीं था, मैं इसे फिर से सौ बार करता, वे परमाणु हथियार नहीं रख सकते और उनके पास परमाणु हथियार नहीं होगा। ट्रंप ने ईरान के परमाणु ठिकानों के खिलाफ बी-2 बमवर्षक विमानों के इस्तेमाल का भी बचाव किया। उन्होंने कहा कि यह अभियान देर रात चलाया गया और हर बम अपने लक्ष्य पर गिरा। उन्होंने कहा, जब हमने बी-2 बमवर्षकों से उन पर हमला किया, तब वे परमाणु हथियार हासिल करने से ठीक दो सप्ताह दूर थे। और यही वजह थी कि मुझे ऐसा करना पड़ा, क्योंकि आप उन्हें इस तरह का हथियार रखने की अनुमति नहीं दे सकते।

अमेरिका का कर्ज 40 खरब डॉलर के पार: ट्रंप की नीतियों से कितना बढ़ा, ईरान युद्ध और टैक्स कटौती कितनी जिम्मेदार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका का कुल राष्ट्रीय कर्ज बुधवार को 40 खरब डॉलर के पार पहुंच गया। दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल अमेरिका के लिए यह सिर्फ आर्थिक आंकड़ा नहीं है, बल्कि बढ़ते वित्तीय दबाव का संकेत भी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान राष्ट्रीय कर्ज खत्म करने का वादा किया था, लेकिन कर्ज लगातार बढ़ता गया। अब उनके दूसरे कार्यकाल में यह उस समय के मुकाबले करीब दोगुना हो चुका है। बढ़ते कर्ज ने अमेरिकी सरकार के सामने खर्च और आय के बीच संतुलन बनाने की चुनौती बढ़ा दी है। अमेरिकी कर्ज बढ़ने के पीछे कई पुराने और नए कारण हैं। इनमें लंबे समय से जारी भारी सैन्य खर्च, सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य कार्यक्रमों पर बढ़ता खर्च शामिल है। इसके अलावा 2025 में लागू टैक्स कटौतियों से सरकारी राजस्व पर भी दबाव पड़ा। ईरान युद्ध और उससे जुड़े सैन्य अभियानों ने इस बोझ को और बढ़ाया है। दी गई जानकारी के अनुसार, अकेले इस साल अमेरिका को अपनी देनदारियां पूरी करने के लिए दो खरब डॉलर से ज्यादा का कर्ज लेना पड़ रहा है। चिंता की बात यह है कि कुल घाटे का करीब आधा हिस्सा निवेशकों को दिए जाने वाले ब्याज में जा रहा है।

क्या ब्याज का बढ़ता बोझ अमेरिका को कर्ज के जाल में फंसा रहा : बढ़ते कर्ज के साथ उसका ब्याज भी सरकार के लिए बड़ी समस्या बनता जा रहा है। पुराने कर्ज पर निवेशकों को ब्याज देना पड़ता है और कर्ज बढ़ने के साथ यह खर्च भी बढ़ता जाता है। इससे सरकार के पास दूसरे जरूरी कामों के लिए उपलब्ध पैसा सीमित हो सकता है। दी गई जानकारी के मुताबिक, कमेटी फॉर ए रिस्पांसिबल फेडरल बजट के वरिष्ठ नीति निदेशक मार्क गोल्डवेन ने चेतावनी दी कि अमेरिका कर्ज के जाल में फंसता नजर आ रहा है। उनके अनुसार, कर्ज कम करने में नीति निर्माताओं की असमर्थता लंबे समय का जोखिम बढ़ा रही है। ट्रंप ने सत्ता में लौटने के बाद सरकारी खर्च कम करने के लिए एलन मस्क के नेतृत्व में सरकारी दक्षता विभाग बनाया था। इसका लक्ष्य सरकारी खर्च में एक खरब डॉलर तक की कटौती करना था। हालांकि, दिए गए विवरण के अनुसार यह विभाग बचत के मामले में अपेक्षित परिणाम हासिल नहीं कर सका। स्थिति इसलिए भी कठिन है क्योंकि चुनाव नजदीक आने के कारण सरकार के लिए बड़े और कड़े फैसले लेना राजनीतिक रूप से मुश्किल हो सकता है।

सीरिया में तुर्किये की सैन्य विस्तार योजना पर इस्राइल की चेतावनी, राजदूत बोले- हद पार कर दी गई है

यरुशलम, एजेंसी। अमेरिका में इस्राइल के राजदूत येचिएल लेइटर ने कहा है कि इस्राइल को स्पष्ट खुफिया जानकारी मिली थी कि तुर्किये सीरिया में अपनी सैन्य मौजूदगी का बड़े स्तर पर विस्तार करने की योजना बना रहा है। उन्होंने इसे हद पार करना बताया। द यरूशलम पोस्ट के साथ बातचीत में लेइटर ने कहा, हम तुर्किये या सीरिया में से किसी के साथ तनाव बढ़ाना या युद्ध नहीं चाहते। लेकिन एक हद पार की गई है।

उनकी यह टिप्पणी इस्राइल द्वारा सीरिया में किए गए हवाई हमलों के बाद आई है। इन हमलों की सीरिया और तुर्किये दोनों की सरकारों ने आलोचना की थी। लेइटर ने कहा, यह तुर्किये की ओर से समझौतों का स्पष्ट उल्लंघन माना जा रहा था। जिन लोगों को खुफिया जानकारी दी जानी जरूरी थी, उन्हें वह जानकारी मिल गई। जिन्हें पता होना चाहिए था कि क्या होने वाला है, उन्हें इसकी जानकारी थी। हमने स्पष्ट कर दिया था कि यह हमारे समझौतों का उल्लंघन है और इसी वजह से इस्राइल ने कार्रवाई की।

तुर्किये पर इस्राइल ने लगाए क्या आरोप : लेइटर के मुताबिक, मंगलवार को अलेप्पो के पास सीरिया में अबू अल-दुहूर एयरबेस पर इस्राइल ने जो हमला किया, वह कथित तुर्किये के कदम को लेकर दी गई चेतावनियों पर ध्यान नहीं दिए जाने के बाद किया गया। सीरियाई अधिकारियों ने कहा था कि एयरफील्ड पर कम से कम आठ हमले हुए। बाद में सैटेलाइट तस्वीरों में रनवे को नुकसान पहुंचने की बात सामने आई। इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को कहा था, इस्राइल ने संदेश स्पष्ट कर दिया है- ऐसा मत करो। लेइटर ने कहा कि तुर्की का कथित कदम अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के दौरान इस्राइल और सीरियाई राष्ट्रपति अहमद अल-शरा के प्रशासन के बीच बनी समझ के खिलाफ था। इस समझ के तहत सीरिया में मौजूदा स्थिति को स्थिर रखा गया था।

क्या सीरियाई इलाके पर कब्जा कर रहा तुर्किये : उन्होंने बताया कि जनवरी 2026 में पेरिस में हुई एक बैठक के दौरान भी इन समझों की पुष्टि की गई थी। बैठक में सीरिया के विदेश मंत्री असद अल-शैबानी, अमेरिका के सीरिया मामलों के दूत टॉम बैरक, लेइटर, तत्कालीन राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद प्रमुख गिल रीच और नेतन्याहू के सैन्य सचिव रोमन गोफमैन शामिल हुए थे। गोफमैन अब मोसाद के निदेशक हैं। लेइटर ने कहा, इस रोक का मतलब है कि जिस तरह तुर्क आगे नहीं बढ़ते, उसी तरह हम भी आगे नहीं बढ़ते और वे हमें पीछे हटने के लिए मजबूर नहीं करते। उन्होंने कहा कि इस्राइल सीरिया में सुरक्षा क्षेत्र के तहत केवल 78 वर्ग मील क्षेत्र में मौजूद है, जबकि तुर्की ने पिछले कई वर्षों में उत्तरी सीरिया में 3,500 वर्ग मील क्षेत्र पर धीरे-धीरे कब्जा बढ़ाया है। यह सीरिया के करीब पांच प्रतिशत क्षेत्र के बराबर है। लेइटर ने कहा कि अमेरिका के सीरिया मामलों के दूत और तुर्किये में अमेरिकी राजदूत टॉम बैरक को छोड़कर वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने सीरिया में इस्राइली हमले की निंदा नहीं की। उन्होंने कहा कि अमेरिकी प्रशासन की नीति पहले तय की गई स्थिति को बनाए रखने की है और इसी वजह से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी हमले की निंदा नहीं की। तनाव के बावजूद लेइटर ने कहा कि इस्राइल का मानना है।

बॉस, याद है जब मैं आपके साथ था- ट्रंप-कोहेन की दुश्मनी खत्म, रेडियो शो में फिर दिखी 15 साल पुरानी दोस्ती

वाशिंगट, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप गुरुवार को अपने पुराने सहयोगी और बाद में कट्टर आलोचक बने माइकल कोहेन के रेडियो शो में शामिल हुए। यह मुलाकात इसलिए बेहद चौंकाने वाली रही, क्योंकि कभी कोहेन ने ट्रंप को चीटो-डस्टेड कार्टून विलेन तक कहा था और अदालत तथा कांग्रेस के सामने उनके खिलाफ गवाही दी थी। लेकिन अब दोनों के बीच रिश्ते फिर से सामान्य होते दिखाई दे रहे हैं। कोहेन ने ट्रंप के गंदे कामों को छिपाने में अपनी भूमिका के लिए जेल की सजा काटी थी। ऐसे में कुछ साल पहले तक इस तरह की सार्वजनिक सुलह की कल्पना करना भी मुश्किल था।

रेडियो शो में दिखी पुरानी दोस्ती की झलक : कोहेन के 77 WABC रेडियो कार्यक्रम पर यह इंटरव्यू गुरुवार शाम प्रसारित हुआ, जबकि इसका पूरा प्रसारण रविवार को होना है। बातचीत का माहौल बेहद दोस्ताना रहा और दोनों ने अपने उतार-चढ़ाव भरे अतीत का केवल हल्के अंदाज में जिक्र किया। ट्रंप ने कोहेन से कहा, उन्होंने तुम्हें एक हथियार की तरह इस्तेमाल किया, जैसा शायद ही किसी और के साथ हुआ हो। उन्होंने आगे कहा,मैं इस बात का सम्मान करता हूं कि तुमने अपनी कही हर बात वापस ले ली। तुमने बहुत बड़ी बात की है।

कोहेन ने मांगी फिर से माफी : रेडियो इंटरव्यू से कुछ समय पहले सीएनएन से बातचीत में कोहेन ने बताया कि उन्होंने व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति से माफी के लिए फिर से आवेदन किया है। पिछली सरकार ने उनका आवेदन खारिज कर दिया था, लेकिन इस बार अभी तक उन्हें कोई जवाब नहीं मिला है। कोहेन ने कहा कि शुक्रवार को इस मुद्दे पर फिर बातचीत होने की उम्मीद है। ट्रंप के साथ सुलह ने कोहेन को उन पूर्व सहयोगियों की लंबी सूची में ला खड़ा किया है, जिनके राष्ट्रपति से कभी तीखे मतभेद हुए, लेकिन बाद में रिश्ते फिर सुधर गए। एलन मस्क और फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डीसैंटिस इसके हालिया उदाहरण हैं।

15 साल की दोस्ती फिर आई सामने : कोहेन और ट्रंप का रिश्ता हालांकि

इन सभी मामलों से कहीं ज्यादा व्यक्तिगत रहा है। कभी कोहेन कहा करते थे कि वह राष्ट्रपति के लिए गोली खा सकते हैं। ट्रंप के राजनीतिक सफर के दौरान वह उनके बेहद भरोसेमंद सहयोगियों में शामिल थे। बाद में दोनों के बीच ऐसा टकराव हुआ कि 2024 के आपराधिक हश-मनी मामले में कोहेन की गवाही ट्रंप को दोषी ठहराने में महत्वपूर्ण साबित हुई। उस समय ट्रंप अपनी राजनीतिक वापसी की कोशिश कर रहे थे। कोहेन ने गुरुवार को कहा कि पिछले एक साल में उनकी और राष्ट्रपति की कई बार बातचीत हुई है। उन्होंने अपने फैसले को समझाते हुए कहा,माफ करने का मतलब यह नहीं है कि सब कुछ भूल जाना। इसका मतलब यह भी नहीं है कि जो हुआ, वह हुआ ही नहीं। इसका अर्थ है यह तय करने की हिम्मत रखना कि बीता हुआ कल आने वाले कल को तय नहीं करेगा।

बॉस, याद है जब मैं आपके साथ था : इंटरव्यू के दौरान कोहेन कई बार अपने पुराने दिनों को याद करते नजर आए। एक भावुक क्षण में उन्होंने ट्रंप से कहा, बॉस, याद है जब मैं आपके साथ था इस मुलाकात को खास अंदाज में पेश किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत 1975 के बैंड वॉर के गीत व्हाई कांट वी बी फ्रेंड्स से हुई और अंत 1978 के पीचेस एंड हर्ब के मशहूर गीत रीयूनाइटेड एंड इट फील्स सो गुड की पंक्तियों के साथ हुआ।

कभी ट्रंप के खिलाफ बने थे अहम गवाह : न्यूयॉर्क में ट्रंप के खिलाफ चले हश-मनी मुकदमे में कोहेन एक महत्वपूर्ण गवाह थे। 2024 में उन्होंने अदालत में गवाही दी कि 2016 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान ट्रंप ने उन प्रयासों में अहम भूमिका निभाई थी, जिनका उद्देश्य एक एडल्ट फिल्म अभिनेत्री और पूर्व प्लेबॉय मॉडल के उन दावों को दबाना था, जिनमें उन्होंने ट्रंप के साथ यौन संबंध होने की बात कही थी। कोहेन ने गवाही दी थी कि ट्रंप ने उन्हें पहले किए गए भुगतानों की भरपाई का भरोसा दिया था और उन प्रयासों की जानकारी रखते थे। उन्होंने कहा था, मैं जो कुछ भी कर रहा था, वह मिस्टर ट्रंप के कहने पर और उनके फायदे के लिए कर रहा था। दोनों के रिश्ते में निर्णायक दरार 2018 में पड़ी, जब स्न्नक्ष्ठ एजेंटों ने कोहेन के कार्यालय, घर और होटल के कमरे की तलाशी ली। इसके बाद कोहेन ने रूस में ट्रंप टॉवर परियोजना को लेकर कांग्रेस से झूठ बोलने और कैंपेन फंडिंग नियमों के उल्लंघन का अपराध स्वीकार किया। इन मामलों में स्टॉर्मी डेनियल्स और कैरेन मैकडौगल को किए गए भुगतानों का भी जिक्र आया। उन्हें तीन साल की जेल की सजा सुनाई गई। बाद में कोहेन ने कहा कि ट्रंप के खिलाफ गवाही देने के लिए उन पर दबाव डाला गया था।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)